शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 49 | गुवाहाटी | बुधवार, 13 सितंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सरकार और डाकघर विभाग के विरुद्ध विरोध-प्रदर्शन पेज 3

सनातन धर्म का विरोध सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस की सोची समझी... पेज 4

प्रधानमंत्री 17 सितंबर को करेंगे पीएम विश्वकर्मा योजना को वर्चुअल लॉन्च पेज 5

सहिष्णुता का अभिप्रेत नपुंसकता नहीं पेज 8

मणिपुर में पुलिस और असम राइफल्स के बीच बढ़ा संघर्ष

इंफाल। मणिपुर में 3 मई से शुरू हुई जातीय हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार को मणिपुर के कांगपोकपी में हुई हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि राज्य में कम से कम 50 लोग घायल हो गए। मणिपुर में हिंसा की बड़ी वजह मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जारी संघर्ष को माना जा रहा है, जबकि शांति के प्रयासों के बीच एक बड़ा खतरा मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स के बीच संघर्ष के रूप में देखने को मिल रहा है। मणिपुर पुलिस ने असम राइफल्स पर चुराचांदपुर से सटे बिष्णुपुर में उनकी ओर से चलाए जा रहे शांति अभियान में बाधा डालने का आरोप लगाया है। यही नहीं मणिपुर पुलिस ने 9वीं असम राइफल्स के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है, जिसमें उन पर 5 अगस्त को सड़क को अवरुद्ध करने और एक पुलिस दल को उनकी ड्यूटी करने से रोकने का आरोप लगाया गया है। आरोप लगाया गया है कि असम राइफल्स की ओर से अभियान में बाधा डालने की वजह से ही कुकी उग्रवादियों को भागने में मदद मिली और तीन मैतेई समुदाय के लोगों की मौत हो गई। इस बीच, सेना की ओर से इस मामले में ट्विटर पर प्रतिक्रिया दी गई है। सेना की ओर से कहा गया है कि कुछ अराजक तत्व केंद्रीय सुरक्षा बल की भूमिका और इरादे पर हमला कर रहे हैं और उनके प्रयासों को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। असम राइफल्स 3 मई से लगातार मणिपुर में लोगों की जिंदगी बचाने और राज्य में शांति बहाल करने की दिशा में काम कर रही है। बता दें कि मणिपुर में जातीय हिंसा तब भड़क -शेष पृष्ठ दो पर

एपीएससी भर्ती घोटाले में अंतिम रिपोर्ट आनी बाकी है : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी) भर्ती घोटाला की अंति रिपोर्ट जानी है। इस भर्ती घोटाला को लेकर सेवानिवृत न्यायाधीश बिप्लब कुमार शर्मा की अध्यक्षता में एक पांच सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है। मुख्मयंत्री विधानसभा के शरद सत्र के दूसरे दिन विपक्ष के उठाय गए प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि दोनों रिपोर्टों को आने के बाद सरकार सभी आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करेगी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का यह उत्तर सरभोग के विधायक और सीपीआई (एम) नेता मनोरंजन तालुकदार द्वारा -शेष पृष्ठ दो पर

सरभोग बनेगा पर्यटन केंद्र : मंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। स्वदेश दर्शन योजना के तहत सरभोग विधानसभा क्षेत्र को पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनाने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य के पर्यटन मंत्री जयंतमल्ल बरुवा ने आज विधानसभा में सरभोग के विधायक मनोरंजन तालुकदार के एक सवाल के जवाब में ये बातें कही। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने सरभोग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मनाह अभयारण्य में विभिन्न स्थानों के लिए मनाह-पोबितरा, नामेरी-काजीरंगा, डिब्रू सैखोवा को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना, असम में वन्यजीव सर्किट के तहत इसी बीच पूरी हो चुकी है। एक और स्वदेश दर्शन, योजना, सरभोग निर्वाचन क्षेत्र को पर्यटक आकर्षण के रूप में विकसित करने का एक -शेष पृष्ठ दो पर

मॉब लिंचिंग रोकथाम विधेयक खारिज

गुवाहाटी। असम विधानसभा के शरद ऋतु सत्र के दौरान आज मॉब लिंचिंग को रोकने के उद्देश्य से एक निजी विधेयक को ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया था। राज्य सरकार ने तर्क दिया कि मौजूदा आपराधिक कानून ऐसे अपराधों को प्रभावी ढंग से संबोधित करते हैं और दंडित करते हैं। विधानसभा सत्र के दूसरे दिन एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम ने द *असम मॉब लिंचिंग प्रिवेंशन बिल, 2023* शीर्षक वाला बिल पेश किया। इस्लाम ने हाल के वर्षों में राज्य में भीड़ द्वारा हत्या की घटनाओं की एक श्रृंखला की ओर इशारा करते हुए इस तरह के कानून की तात्कालिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

नीतिवान पुरुष कार्य प्रारंभ करने से पूर्व ही देश-काल की परीक्षा कर लेते हैं।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

बांग्लादेशी घोषित न होने तक लड़ेंगे : अजमल

गुवाहाटी। एआईयूडीएफ नेता बदरुद्दीन अजमल असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि असम में जिस तरह की बेदखली हो रही है, जिस तरह वहां से लोगों को निकाला जा रहा है, उसी मुद्दे पर उन्होंने सीएम से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि असम के सीएम ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि थोड़ा समय लगेगा लेकिन उन्हें हर सुविधा मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने मीडिया को बताया कि पूरे असम में अमानवीय आधार पर बेदखली हो रही है। सीएम ने हमें आश्वासन दिया है कि इसमें समय लगेगा -शेष पृष्ठ दो पर

ग्रामीणों पर उग्रवादियो का हमला, तीन मरे

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में मंगलवार की सुबह एक प्रतिबंधित उग्रवादियों के समूह ने तीन ग्रामीणों की गोली मारकर हत्या कर दी। ये तीनों ही ग्रामीण कुकी जो समुदाय से ताल्लुक रखते थे। एक अधिकारी ने बताया कि उग्रवादियों का समूह वाहन से आए और इंफाल के पश्चिमी और कांगपोकपी जिलों के सीमावर्ती इलाकों में स्थित इरेंग और करम -शेष पृष्ठ दो पर

नियुक्तियों में कोई गड़बड़ी नहीं : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम में हुई 87 हजार बेरोजगारों की नियुक्ति में कहीं से कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। ऐसे लोगों को नौकरी दी गई है, जिन्होंने अपनी मेधा से परीक्षा पास की है। नौकरी पाने वाले बेरोजगारों की माली हालत सही नहीं है। रिश्वत देकर नौकरी पाने की उनकी स्थिति नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा मंगलवार को असम विधानसभा में शरद कालीन अधिवेशन के दूसरे दिन एआईयूडीएफ के विधायक अमीनुल -शेष पृष्ठ दो पर

राजद्रोह कानून को चुनौती देने वाली याचिकाएं संविधान पीठ को

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (12 सितंबर) को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत राजद्रोह के प्रावधान की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को पांच जजों की संविधान पीठ के पास भेज दिया। वहीं, कोर्ट ने राजद्रोह कानून की वैधता की जांच को स्थगित करने के केंद्र के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले को बड़ी पीठ के पास भेजने के केंद्र के अनुरोध को अस्वीकार कर लिया क्योंकि संसद दंड संहिता के प्रावधानों को फिर से लागू करने की प्रक्रिया में है। सुनवाई करने वाली पीठ में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी शामिल थे। उन्होंने शीर्ष कोर्ट की रजिस्ट्री को सीजेआई के सामने कागजात पेश करने का निर्देश दिया ताकि *कम से कम पांच जजों की बेंच* वाली पीठ के गठन के लिए प्रशासनिक पक्ष पर सही निर्णय लिया जा सके। दरअसल, देशद्रोह की धारा 124ए को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ सुनवाई करेगी। सीजेआई की अगुवाई वाली तीन सदस्यीय बेंच ने मामले को संविधान पीठ को भेजा है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने 1962 में केदारनाथ सिंह बनाम बिहार सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट की -शेष पृष्ठ दो पर

नीलाचल फ्लाईओवर से लाइटें चोरी

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के मालीगांव में नवनिर्मित नीलाचल फ्लाईओवर पर लगाई गई वेशकीमती लाइटों में से अधिकांश की चोरी हो गई है। चोरों ने इस फ्लाईओवर पर लगी 13 सौ लाइटों में से 500 लाइटें चुराकर ले गए। चोरों ने अब तक जिन लाइटों की चोरी की है उसकी कीमत 9 लाख रुपए हैं। आज राजधानी की जालुकबाड़ी पुलिस ने चोरी करते हुए 3 लोगों को रंगे हाथ पकड़ा है। सेल्फी लेने के बहाने ये चोर लाइटें चुरा रहे थे। पुलिस चोरों से पूछताछ कर रही है।

डीजल इंजन वाले वाहनों पर बढ़ेगा दस प्रतिशत टैक्स : गडकरी

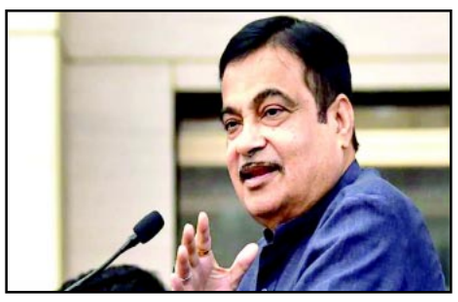

नई दिल्ली। भारत सरकार इन दिनों ई-वाहनों को प्रमोट करने में पूरी तरह से लगी हुई है। हाल ही में जी-20 समिट में भी भारत ने ग्रीन एनर्जी को काफी प्रमोट किया। इस बीच, भारत के सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि वह डीजल इंजन वाहनों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैक्स लगाने का प्रस्ताव करने की योजना बना रहे हैं। परिवहन मंत्री गडकरी ने आगे कहा कि वे इसके बारे में आज वित्त मंत्री के साथ चर्चा करेंगे और यह प्रस्ताव उनके सामने रखेंगे। यह जानकारी रॉयटर्स ने दी। भारत दुनिया के तीसरे सबसे बड़े कार बाजार में डीजल वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के प्रयास में डीजल इंजन वाहनों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैक्स लगाने का प्रस्ताव करने की योजना बना रहा है। नई दिल्ली में एक सम्मेलन में गडकरी ने कहा कि जल्द ही डीजल को अलविदा कहें, नहीं तो हम इतना टैक्स बढ़ा देंगे कि आपके लिए -शेष पृष्ठ दो पर

संस्कृत की पढ़ाई मदरसों में भी

देहरादून (हि.स.)। अब उत्तराखंड के मदरसों के बच्चे भी संस्कृत की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। यानी राज्य के 117 मदरसों में संस्कृत की शिक्षा दी जाएगी। यह जानकारी मंगलवार को उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने दी। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब ने आज यहां बताया कि मदरसों में वे एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू करने जा रहे हैं। इसमें अन्य विषयों के साथ संस्कृत की शिक्षा भी शामिल है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड देवभूमि है, अगर यहां संस्कृत नहीं पढ़ाई जाएगी तो कहां पढ़ाई जाएगी। -शेष पृष्ठ दो पर

संसद भवन के कर्मचारी की बदलेगी पोशाक

नई दिल्ली। संसद का विशेष सत्र 18 सितंबर से 22 सितंबर तक होने जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक गणेश चतुर्थी के दिन 19 सितंबर को नई संसद भवन में विधिवत पूजा के साथ सदन की कार्यवाही चलेगी। सत्र की शुरूआत पुराने संसद भवन में होगी और नए भवन में समापन होगा। इसी बीच संसद भवन के कर्मचारियों के ड्रेस को लेकर बड़ा बदलाव किया जा रहा है। संसद भवन में मार्शल अब सफारी सूट की जगह क्रीम रंग का कुर्ता और पैजामा पहने हुए नजर आएंगे। सूत्रों के अनुसार, संसद भवन के स्टाफ की पोशाक भी बदली हुई नजर आने वाली है। संसद भवन के कर्मचारियों के लिए नई पोशाक डिजाइन की गई है। कर्मचारियों के लिए नई पोशाक को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी यानि निफ्ट ने डिजाइन की है। इसके तहत सचिवालय के कर्मचारियों का बंद गला सूट से बदल कर मैजेंटा या गहरे गुलाबी रंग की नेहरू जैकेट कर दी -शेष पृष्ठ दो पर

कार्टून देखने वाला बच्चा फंदे पर लटका

अमरावती। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले में एक दर्दनाक घटना घटी। खेल-खेल में एक आठ वर्षीय बच्चे की जान चली गई। बच्चा कार्टून देखने का आदी था। वह अक्सर कार्टून देखकर उसी तरह अभिनय करने की कोशिश करता था। बीते सोमवार को वह स्कूल से लौटने के बाद कार्टून देख रहा था। कार्टून देखते-देखते उसने मां की चुन्नी ली और खिड़की के ऊपर लगी बिजली की पाइप पर फंदा बनाकर लटक गया। जब फंदा गले में ज्यादा कस गया तो उसकी चीख निकल आई। हालांकि परिजन जब तक बच्चे को बचाने की कोशिश करते उसकी जान जा चुकी थी। मामला जिले के कस्तूरी नगर, कैलासा पुरम का है। पेदा श्रीनिवास राव, जो कि -शेष पृष्ठ दो पर

अब समुद्र खंगालने की तैयारी में भारत

नई दिल्ली। चांद, सूरज के बाद अब बारी सागर की है। भारत अपना पहला मानवयुक्त समुद्री मिशन भेजने की तैयारी में जुटा है जिसे समुद्रयान नाम दिया गया है। इस मिशन में स्वदेशी पनडुब्बी मत्स्य-6000 में तीन व्यक्तियों को पानी के भीतर 6,000 मीटर की गहराई तक भेजने की योजना है। अंतरिक्ष की तरह ही समुद्र भी रहस्यों को समाए हुए है। दुनियाभर में समुद्र को लेकर कई खोजें हुई हैं, अब इस कड़ी में भारत भी अपना मिशन भेजने की तैयारी में है। लिहाजा हमें जानना चाहिए कि समुद्रयान मिशन क्या है? मिशन को लेकर अभी क्या हुआ है? इसका उद्देश्य क्या है? समुद्रयान को कब तक भेजा जाएगा? समुद्रयान परियोजना के तहत गहरे समुद्र के भीतर तीन लोगों को 6,000 मीटर की गहराई तक सफलतापूर्वक ले जाने की योजना है। अक्टूबर 2021 में चेन्नई से भारत के पहले मानव युक्त समुद्र मिशन *समुद्रयान* का शुभारंभ किया गया था। समुद्रयान, केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया एक स्वदेशी समुद्री मिशन है। इस पूरी समुद्रयान परियोजना के लिए छह हजार करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इसमें लगे वाहन को मत्स्य-6000 नाम दिया गया है जो टाइटेनियम धातु से बना है। इसका व्यास 2.1 मीटर है। यह यान तीन लोगों को समुद्र की गहराई में ले जाने में सक्षम है। सोमवार को समुद्रयान मिशन से जुडी -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान के 29 नेता पेट्रोल तस्करी में शामिल

इस्लामाबाद। कंगाली से जूझ रहे पाकिस्तान में इसके मंत्रियों की एक नई करतूत का पर्दाफाश हुआ है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को सौंपी गई एक रिपोर्ट से पता चला है कि 29 राजनेता कथित तौर पर ईरानी पेट्रोलियम उत्पादों की तस्करी में शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि आतंकवादी पेट्रोल तस्करी से उत्पन्न राजस्व का उपयोग वित्तपोषण के प्रमुख स्रोत के रूप में कर रहे हैं। रिपोर्ट में राजनेताओं और सरकारी अधिकारियों को दोषी ठहराते हुए खुलासा किया गया कि ईरान से पाकिस्तान में सालाना 2.8 अरब लीटर पेट्रोल की तस्करी की जाती थी। इसमें कहा गया है कि पेट्रोल की तस्करी से पाकिस्तान को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE
Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph. : 94350-48866, 94018-06952

2022-23 में राज्य में आए 98,31,141 पर्यटक

गुवाहाटी (हिंस)। 2022-23 में राज्य में आने वाले घरेलू और विदेशी पर्यटकों की कुल संख्या 98,31,141 है। वर्ष के दौरान 98,12,195 घरेलू और 18,946 विदेशी पर्यटक राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों तक पहुंचे। ये आंकड़े आज असम विधानसभा में राज्य के पर्यटन मंत्री जयंतमल्ल बरुवा ने जारी किए। मंत्री ने एजीपी विधायक रमेंद्र नारायण कलिता के एक सवाल के जवाब में यह बात कही। पर्यटन मंत्री ने यह भी कहा कि 2022-23 में इन घरेलू और विदेशी पर्यटकों के आगमन से 2 करोड़ 64 लाख 47 हजार 895 रुपए का राजस्व एकत्र हुए। 2021-22 में राज्य में आने वाले पर्यटकों की कुल संख्या 17,02,972 है। इनमें से 17,01,701 घरेलू और 1,231 विदेशी पर्यटक थे। पर्यटन मंत्री के मुताबिक, 2021-22 में घरेलू और विदेशी पर्यटकों के आगमन से कुल 1 करोड़ 69 लाख 18 हजार 63 रुपए का राजस्व एकत्र हुआ है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग द्वारा सीधे तौर पर वसूले जाने वाले राजस्व के ये आंकड़े हैं।

पीएम पद की रेस में नहीं आप, सनातन धर्म का मामला इंडिया गठबंधन का नहीं : चड्ढा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राघव चड्ढा ने सनातन धर्म पर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) नेता उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी की मंगलवार को निंदा की, साथ ही यह भी कहा कि किसी भी पार्टी के कुछ छोटे नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को विपक्षी गठबंधन *इंडिया* का आधिकारिक रुख नहीं माना जा सकता है। चड्ढा ने कहा कि मैं सनातन धर्म से हूं। मैं ऐसे बयानों की निंदा और विरोध करता हूं। इस तरह के बयान नहीं दिए जाने चाहिए। किसी को भी धर्म पर ऐसी टिप्पणी करने से बचना चाहिए। हमें सभी धर्मों का सम्मान करना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस मुद्दे को लेकर इंडिया गठबंधन पर हमलावर है। भाजपा ने मंगलवार को विपक्षी गठबंधन पर वोट बैंक की राजनीति के लिए सनातन धर्म को निशाना बनाने का छिपा हुआ *एजेंडा* चलाने का आरोप लगाया। आप नेता ने कहा कि किसी पार्टी का कोई नेता इस तरह की टिप्पणी करता है... इसका मतलब यह नहीं है कि यह गठबंधन का बयान है। देश के सामने महंगाई, बेरोजगारी जैसे बड़े मुद्दों को उठाने के लिए गठबंधन बनाया गया है। एक राज्य के एक जिले में खड़े होकर किसी छोटे नेता द्वारा दिया गया बयान, गठबंधन

का आधिकारिक रुख नहीं है। आगामी लोकसभा चुनावों में एकजुट होकर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का मुकाबला करने के लिए, दो दर्जन से अधिक विपक्षी दलों ने इंडिया गठबंधन बनाया है। चड्ढा उस 14-सदस्यीय समन्वय समिति के सदस्य हैं, जो इंडिया गठबंधन की निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है। बुधवार को दिल्ली में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार के आवास पर समिति की बैठक होगी। चड्ढा ने कहा कि बैठक में उन मुद्दों पर चर्चा होगी, जिन्हें हम उठाएंगे। साथ ही इन मुद्दों को रैली, घर-घर अभियान या सार्वजनिक सभाओं के माध्यम से लोगों तक कैसे पहुंचाया जाएगा, इस पर भी चर्चा होगी। हम राज्यवार इस पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि इस गठबंधन को सफल बनाने के लिए हर राजनीतिक दल को तीन चीजों का त्याग करना होगा- महत्वाकांक्षा, मतभेद और मनभेद। जब उनसे विपक्षी गठबंधन के संभावित प्रधानमंत्री पद के नामों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पहली बात तो यह है कि आम आदमी पार्टी इस दौड़ में नहीं है। आप नेता ने कहा कि हम इस गठबंधन में एक वफादार सिपाही हैं। हम प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में नहीं हैं। हमारे गठबंधन में कई सक्षम प्रशासक हैं। हमारे पास कई सक्षम लोग हैं। लेकिन, क्या एनडीए में कोई खड़ा होकर कह सकता है कि वे चाहते हैं कि नितिन गडकरी प्रधानमंत्री बनें या अमित शाह प्रधानमंत्री बने? मैं यहां सिर्फ यह साबित करना चाहता हूं कि हमारे पास कई सक्षम प्रशासक हैं। उनके पास कोई नहीं है। वे केवल एक नेता का नाम ले सकते हैं। चड्ढा ने कहा कि गठबंधन इसका (प्रधानमंत्री पद के नाम पर) निर्णय लेगा। यहां तक कि 1977 में बने गठबंधन के पास भी प्रधानमंत्री पद का कोई घोषित चेहरा नहीं था, फिर भी उन्होंने इंदिरा गांधी के खिलाफ चुनाव जीता। मुझे ऐसी ही स्थिति का आभास हो रहा है। डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने हाल में लोगों के बीच विभाजन और भेदभाव को बढ़ावा देने के लिए सनातन धर्म को जिम्मेदार ठहराया था और इसके उन्मूलन का आह्वान किया था।

बॉडी बिल्डिंग : प्रकाश प्रधान जोरबाट का नाम किया रोशन

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जोराबाट निवासी प्रकाश प्रधान ने बॉडी बिल्डिंग में सफलता अर्जित करते हुए राज्य और राष्ट्रीय स्तर के बाद इस बार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफल हुए हैं। हाल ही में नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित 55वें एशियाई बॉडी बिल्डिंग एंड फासिक स्पॉर्ट चैंपियनशिप 2023 में भाग लेते हुए प्रकाश प्रधान ने 80 किलो भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर जोराबाट के साथ राज्य का नाम रोशन किया। प्रकाश प्रधान फेडरेशन कप नेशनल बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप 2023 में 80 किलो भार वर्ग में गोल्ड मेडल, मिस्टर सरायघाट 2023 का खिताब हासिल करने के अलावा 2022 में आयोजित मिस्टर इंडिया चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहे। क्षेत्र की युवा पीढ़ी अब इस प्रतिष्ठा को हासिल करने के लिए उत्साहित है। प्रकाश प्रधान ने युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि नई पीढ़ी नशा और अन्य नशीले पदार्थों को छोड़कर स्वस्थ शरीर और समाज के निर्माण की दिशा में आगे बढ़े, तभी जाकर एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण हो सकता है।

सीबीआई कांस्टेबल अनंत भराली रिश्वत लेते गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। सीबीआई कांस्टेबल अनंत भराली को कचुवा थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार कामपुर के बरपानी ऑटोमोबाइल के मालिक अब्दुल मालिक से पैसे मांगने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया है। गुवाहाटी में सीबीआई कांस्टेबल के रूप में काम करने वाले अनंत भराली छुट्टी लेकर घर गए थे। शिकायत के अनुसार अब्दुल मालिक को भराली ने कहा कि *आपके खिलाफ सीबीआई में एक मामला दर्ज है। हम तीन लोग आए हैं। अगर आप रुपए हमें देते हैं, तो हम यहीं मामला बंद कर देंगे।* अब्दुल मालिक ने तुरंत कचुवा थाना पुलिस से संपर्क किया और व्यक्ति को पुलिस द्वारा गिरफ्तार करवा दिया। अब्दुल मालिक की एफआईआर के आधार पर अनंत भराली को कचुवा पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में हाजिर किया। जहां से उसे नगांव जेल भेज दिया है।

जहरीला खाना खाने से 78 छात्राएं अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद। तेलंगाना में मंगलवार (12 सितंबर) को जहरीला खाना खाने की वजह से 70 से ज्यादा छात्रों की अचानक तबियत खराब होने के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक

अधिकारी ने बताया कि निजामाबाद जिले में एक आवासीय बालिका विद्यालय की 78 छात्राएं खाना खाने के बाद बीमार हो गईं। इसके बाद स्कूल में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में बच्चों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। निजामाबाद जिले के भीमगल कस्बे में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की कई छात्राओं ने संदिग्ध जहरीला खाना खाने के कारण सोमवार की उल्टी और पेट दर्द की शिकायत की। अधिकारी ने कहा कि कुल 78 छात्रों को भीमगल और निजामाबाद के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने इसे हल्का जहरीला खाना खाने की वजह से मामला बताया है। अधिकारी ने बताया कि सभी छात्राओं की हालत अब स्थिर हैं और उनका इलाज चल रहा है।

कांग्रेसी सांसद बासंती शर्मा के घर पहुंचे सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा कांग्रेस नेता और राज्यसभा की पूर्व सांसद स्वर्गीय बासंती शर्मा के आवास पर आज पहुंचे। शहर के उजानबाजार स्थित उनके आवास पर जाकर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने मंगलवार को कांग्रेस नेता के निधन की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने बासंती शर्मा के निवास पर जाकर उनके दोनों बेटों से मुलाकात की और अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। बासंती शर्मा एक सरल और करिश्माई महिला थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम से राज्यसभा में उन्होंने बहुत गर्व के साथ प्रतिनिधित्व किया।

गुवाहाटी में अफगान बागबान ड्राई फ्रूट हब का उद्घाटन

गुवाहाटी। अफगान बागबान ड्राई फ्रूट हब ने आज गुवाहाटी में अपना दूसरा आउटलेट लांच किया, जिसका उद्घाटन मिस्टर यूनिवर्स (2009) महादेव डेका ने किया। उलुबाड़ी में स्थित आउटलेट में अफगानिस्तान, सऊदी अरब, ईरान और तुर्की से प्राप्त प्रीमियम गुणवत्ता वाले ड्राई फ्रूट्स की एक चुनिंदा विविधता है। स्टोर का उद्घाटन करने वाले महादेव डेका ने कहा कि सूखे मेवे पोषक तत्वों से भरे होते हैं और

हमारी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। हर किसी को इन्हें अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। हर सुबह कुछ भीगे हुए बादाम खाना या भूख को दूर करने के लिए दिन के दौरान मुट्ठी भर अखरोट और काजू खाने से निश्चित रूप से हमें अच्छे स्वास्थ्य की दिशा में हमारी यात्रा में मदद मिलेगी। अफगान बागबान ड्राई फ्रूट हब में उपलब्ध ड्राई फ्रूट्स की गुणवत्ता उन्हें बाकियों से अलग करती है। एक कारण यह है कि ये स्वाभाविक रूप से उगाए जाने वाले, गैर-संकर, कार्बनिक और हाथ से संसाधित उत्पाद हैं। अफगान बागबान ड्राई फ्रूट हब के संस्थापक अमन खान ने कहा कि हम पीढ़ियों से इस व्यवसाय में हैं और दुनिया भर से प्राप्त जैविक सूखे मेवों के लिए गुवाहाटी के स्वास्थ्य उत्साही लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए यहां हैं। यह देखते हुए कि हाटीगांव में हमारे पहले स्टोर को शहर में कैसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, हमने इस दूसरे आउटलेट के साथ आने का फैसला किया। इस मौके पर अफगान बागबान ड्राई फ्रूट हब के सह-संस्थापक इस्लाम खान मिनजई और टेनजेंत के संस्थापक-सीईओ हमद बलोशकर भी मौजूद थे। हमद बलोशकर ने अपने संबोधन में कहा कि ड्राई फ्रूट्स हर भारतीय घर का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं और विशेष रूप से त्योहारों के दौरान और मीठे व्यंजनों की तैयारी में बड़े पैमाने पर इसका सेवन किया जाता है। वे अपने स्वास्थ्य लाभ के लिए भी व्यापक रूप से सेवन किया जाता है। अब जब हर कोई स्वास्थ्य पर इतना ध्यान केंद्रित कर रहा है, तो इनकी मांग भी बढ़ गई है।

पृष्ठ एक का शेष

मणिपुर में पुलिस...

गई जब उच्च न्यायालय ने राज्य में प्रमुख जातीय समूह मैतेई को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने का निर्देश दे दिया। इसके बाद से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसक झड़प शुरू हो गई। इसके बाद से मणिपुर में हिंसा, महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न और पुलिस शस्त्रागार में लूटपाट जैसी घटना को अंजाम दिया गया। मणिपुर के ताजा हालात पर चिंता जाहिर करते हुए सेना के पूर्व अधिकारियों ने कहा कि अगर पुलिस और अर्धसैनिक बलों के बीच इसी तरह संघर्ष जारी रहा तो राज्य में शांति की उम्मीद नहीं की जा सकती है। असम राइफल्स के कर्नल (सेवानिवृत्त) शांति कुमार सपम ने कहा कि मणिपुर पुलिस के 9वीं असम राइफल्स से नाराज होने के कई कारण हैं। असम राइफल्स सीमाओं की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है, लेकिन म्यांमार से मणिपुर और मिजोरम में उग्रवादियों की आसानी से आवाजाही, इस बात का सबूत है कि असम राइफल्स बॉर्डर को सुरक्षित करने में विफल रही है। हालात तब और भी ज्यादा बिगड़ गए जब मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच हिंसक झड़प हुई उस वक्त असम राइफल्स को स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन वे ऐसा करने में विफल रहे।

एपीएससी भर्ती घोटाला...

असम लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाला से संबंधित प्रश्न करने पर आया। यहां यह ज्ञान रहे कि सरकार का गृह विभाग मुख्यमंत्री के अधीन है। यहां यह उल्लेखनीय है कि असम लोक सेवा आयोग (एपीएससी, सीसीई) 2013 में अनुचित तरीकों से भर्ती करने के सभी 34 आरोपियों के विरुद्ध राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से संबंधित है जैसा कि न्यायमूर्ति बिप्लव कुमार शर्मा आयोग की रिपोर्ट में उजागर दिया गया है। 11 अप्रैल 2020 को हुई मंत्रिमंडल बैठक के बाद एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 34 उम्मीदवारों ने एपीएससी, सीसीई 2013 चक्र के दौरान अनुचित तरीकों से भर्ती की गई थी, जो न्यायमूर्ति (सेवा निवृत) बिप्लव कुमार शर्मा के सुझाव के अनुसार रद्द कर दी गई थी। असम सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया था। यह कमेटी का गठन न्यायमूर्ति शर्मा आयोग की रिपोर्ट की एक विस्तृत अध्ययन को कार्यान्वित करने के लिए किया था। गौरतलब है कि राज्य सरकार का यह जवाब तब आया जब पांच सदस्यीय कमेटी एक साल से अधिक समय में भी अपनी रिपोर्ट सौंपने में विफल रही है।

सरभोग बनेगा पर्यटन...

प्रयास है। मंत्री ने कहा कि गेस्ट हाउस, यात्री गृह, सड़क किनारे कैफेटेरिया, सार्वजनिक सौंदर्य केंद्र आदि जैसे पर्यटन के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भवानीपुर में कम से कम 5 बीघा जमीन आवंटित करने के लिए, चालू वर्ष के 3 अप्रैल को जिला अधिकारियों को एक पत्र भेजा गया है। मंत्री ने यह भी कहा कि इस धनराशि का उपयोग भविष्य में बरनगर के ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटन के लिहाज से बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है।

मॉब लिंचिंग रोकथाम...

ऐसी प्रत्येक घटना के बाद अक्सर सार्वजनिक आक्रोश होता है और इस खतरे से निपटने के लिए एक विशिष्ट कानून बनाने की मांग की जाती है। प्रस्तावित कानून का उद्देश्य इस खतरनाक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के प्रयासों के तहत किसी भी भीड़ द्वारा हत्या की घटना में शामिल सभी व्यक्तियों के लिए कारावास सहित कड़े प्रावधान पेश करना है। प्रस्तावित विधेयक पर प्रतिक्रिया देते हुए संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने मुद्दे की गंभीरता को स्वीकार करते हुए कहा कि मॉब लिंचिंग एक निंदनीय कृत्य है जिसे किसी भी सभ्य समाज को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के मौजूदा प्रावधानों के माध्यम से भीड़ द्वारा हत्या की घटनाओं को सक्रिय रूप से संबोधित कर रही है। हजारिका ने बताया कि मॉब लिंचिंग से निपटने के लिए हमारे पास पहले से ही आईपीसी और सीआरपीसी की अलग-अलग धाराएं हैं। इसलिए, हमें लगता है कि इसे संबोधित करने के लिए एक अलग विधेयक की कोई आवश्यकता नहीं है। सत्र की अध्यक्षता कर रहे उपसभापति नुमोल मोमिन द्वारा विधेयक को ध्वनि मत के लिए रखे जाने के बाद विधेयक को अस्वीकार कर दिया गया और अधिकांश विधायकों ने इसके पारित होने का विरोध किया।

नियुक्तियों में कोई ...

इस्लाम के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। विधायक इस्लाम ने असम में हुई नियुक्तियों की सीबीआई जांच करने की मांग सदन में की थी। इस मांग का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायक व्यक्तिगत तौर पर किसी ऐसे उम्मीदवार का नाम बताएं, जिन्हें योग्यता नहीं रहते हुए भी नौकरी मिली हो या जिसने किसी को रिश्वत देकर नौकरी प्राप्त की हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के पास इस संबंध में कोई तथ्य मौजूद नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की शिकायतें हैं कि कुछ लोगों ने नौकरी देने के नाम पर पैसे लेकर नौकरी नहीं दी। ऐसे आरोपों की जांच की जा रही है। इस सिलसिले में कई लोग गिरफ्तार भी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने सदन को अस्वस्थ कराया की यदि नियुक्ति में कहीं से किसी गड़बड़ी की शिकायत आती है तो निश्चित ही उसकी जांच कराई जाएगी। सीबीआई से जांच करवाने की एआईयूडीएफ विधायक की मांग को खारिज करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी मेहनत के बाद नौकरी पाने वाले बेरोजगारों को सीबीआई कार्यालय में चक्कर काटना पड़ेगा, यह उन्हें मंजूर नहीं है। यदि किसी खास व्यक्ति को लेकर कहीं कोई शिकायत होती है तो उसकी जांच करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि किसी विधायक को किसी कैंडिडेट की उत्तर पुस्तिका, मार्कशीट या अन्य संबंधित कागजात चाहिए, तो वे आरटीआई के जरिए आवेदन कर सकते हैं। उन्हें नियम के अनुसार सब कुछ उपलब्ध करवाया जाएगा।

राजद्रोह कानून को ...

पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने देशद्रोह की धारा 124ए को संवैधानिक करार दिया था। संविधान पीठ उस फैसले की समीक्षा करेगा। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के उस आग्रह को ठुकरा दिया जिसमें सरकार ने अनुरोध कर दिया कि फिलहाल इस मामले की सुनवाई टाल दी जाए क्योंकि यह मामला स्टैंडिंग कमेटी के पास है। पिछले महीने 11 अगस्त को भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम विधेयकों को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में पेश किया था। ये विधेयक अंग्रेजों के बनाए कानूनों इंडियन पीनल कोड (आईपीसी), क्रिमिनल प्रोसिजर कोड (सीआरपीसी) और इंडियन एविडेंस एक्ट की जगह लाए गए हैं।

डीजल इंजन वाले ...

इन वाहनों को बेचना मुश्किल हो जाएगा। मंत्री की टिप्पणियों के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा और अशोक लीलैंड 2.5 फीसदी से 4 फीसदी के बीच गिर गए। वहीं, टाटा मोटर्स के शेयरों में भी करीब 2.5 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। सरकार की तरफ से टैक्स बढ़ाने का प्लान ऐसे समय आया है जब हाल ही में वाहनों की बिक्री को लेकर सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) ने अगस्त का डेटा जारी करते हुए बताया था कि घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की थोक बिक्री अगस्त में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर 3,59,228 यूनिट हो गई है। एसआईएएम ने बताया कि अगस्त 2022 में विनिर्माताओं द्वारा डीलरों को 3,28,376 यात्री वाहनों की सप्लाई की गई थी। यूटिलिटी वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 34 प्रतिशत बढ़कर 1,81,825 इकाई हो गई। पैसेंजर कार की बिक्री 10 प्रतिशत घटकर 1,20,031 इकाई रह गई, जो पिछले साल समान अवधि में 1,33,477 इकाई थी। वैन की थोक बिक्री भी 12,236 इकाइयों से घटकर 11,859 इकाई रह गई।

संस्कृत की पढ़ाई ...

अब मुस्लिम समाज के लोग भी बदलाव चाहते हैं। मदरसों के उच्चीकरण से वे भी खुश हैं। उन्होंने कहा कि एक मुस्लिम लड़की रजिया सुल्ताना ने संस्कृत में पीएचडी की है। रजिया संस्कृत में कुरान का अनुवाद कर रही हैं। रजिया को वक्फ बोर्ड की राज्य स्तरीय शिक्षा समिति में बतौर सदस्य शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बोर्ड में पंजीकृत मदरसों को मॉडर्न किया जा रहा है। इसमें बच्चों को स्मार्ट क्लास और आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ टैबलेट और कंप्यूटर भी मुहैया कराए जाएंगे। इसी क्रम में उत्तराखंड के चार जिलों में चार मदरसों को आधुनिक शिक्षा की शुरुआत की जा रही है। वक्फ बोर्ड में पंजीकृत मदरसा हिफजुल कुरआन कुंजाग्रांट की कमेटी ने खुद को मॉडर्न मदरसा में शामिल करने का प्रस्ताव रखा, जिसे वक्फ बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। इसी प्रकार वक्फ बोर्ड में पंजीकृत सभी मदरसों को चरणबद्ध तरीके से मॉडर्न मदरसा शिक्षा से जोड़ा जाएगा।

संसद भवन के ...

जाएगी। उनके शर्ट भी गहरे गुलाबी रंग के होंगे, जिन पर कमल का फूल बना होगा और वे खाकी रंग की पैंट पहनेंगे। इसके अलावा लोकसभा और राज्यसभा के मार्शल की ड्रेस में भी बदलाव किया जा रहा है। अब वे मणिपुरी पगड़ी पहनेंगे। संसद भवन के सुरक्षा कर्मचारियों की ड्रेस में भी बदलाव किया गया है। अब तक वे सफारी सूट पहनते आए हैं। इसके बजाए उन्हें सैनिकों की तरह कैमोफ्लेज ड्रेस दी जाएगी। बता दें कि, 18 सितंबर को पहले दिन पुराने संसद भवन में ही बैठक होगी। इस बैठक में वर्तमान संसद भवन के निर्माण से लेकर अब तक की यादों को लेकर चर्चा की जाएगी। दूसरे दिन पूजा-अर्चना के बाद नए संसद भवन में प्रवेश होगा और दोनों सदनों की संयुक्त बैठक भी हो सकती है। 18 से 22 सितंबर तक चलने वाले इस सत्र का एजेंडा क्या होगा अभी तक इसे लेकर कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है।

कार्टून देखने वाला...

एक इलेक्ट्रीशियन हैं, वह अपनी पत्नी लक्ष्मी और आठ वर्षीय बेटे डिंपल सूर्या के साथ कैलासा पुरम में रहते हैं। सोमवार शाम को तीसरी क्लास में पढ़ने वाला उनका इकलौता बेटा डिंपल सर्या स्कूल से आने के बाद मां की चुन्नी ली और बरामदे में खेलने लगा। मां अंदर लिविंग रूम में टीवी देख रही थीं। पिता श्रीनिवास राव घर पर नहीं थे। इसी दौरान पास से गुजर रही एक महिला जोर से चिल्लाई। अंदर से आई मां श्रीलक्ष्मी ने अपने बेटे को सीढ़ियों के पास चुन्नी से लटका देखा तो वह चौंक गईं। उन्होंने जल्दी से चाकू से चुन्नी काटी और बेटे डिंपल सूर्या को नीचे उतारा। आनन-फानन में डिंपल को निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों ने आशंका जताई कि फाइप से फिसलकर नीचे गिरने और गर्दन दबने से बच्चे की जान गई होगी। दरअसल, डिंपल सूर्या को कार्टून देखना अच्छा लगता था। जब भी वह टीवी खोलता तो कार्टून चैनल से चिपक जाता। अगर उसे फोन भी दे दिया जाए तो वह उस पर कार्टून देखता था। वह वैसे ही अभिनय करता था, जैसे कार्टूनों में होता था। पिछले दिनों एक बार उसने बिस्तर पर रस्सी बांधने की कोशिश की थी। इसके अलावा, वह अपनी मां से कहता था कि वह मौत का खेल खेलेगा। इस बात पर मां ने उसे कई बार डांटा भी। पिता श्रीनिवास राव का कहना है कि सूर्या कार्टून बहुत देखता था। पिछले दिनों एक बार उसने बिस्तर के चारों ओर रस्सी लपेटी और उसे अपने गले में बांधने की कोशिश की। इसको लेकर मैंने और उसकी मां ने कई बार उसे डांटा था और कहा था कि बेटा तुम मौत से खेल रहे हो। फिलहाल इकलौता बेटे की मौत से परिवार सदमे में है। पुलिस मामले की जांच चल रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

अब समुद्र खंगालने ...

तस्वीरें सामने आईं। मिशन में इस्तेमाल होने वाली मत्स्य-6000 की तस्वीरों को साझा करते हुए, केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि इसका निर्माण चेन्नई में स्थित राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान में किया जा रहा है। इसके साथ ही मंत्री ने कहा कि समुद्रयान में गहरे समुद्र के संसाधनों का अध्ययन करने वाली योजना समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को अस्त-व्यस्त नहीं करेगी। यह योजना प्रधानमंत्री की नीली अर्थव्यवस्था वाली नीति का समर्थन करती है। मिशन में जाने वाला वाहन मानव युक्त सबमर्सिबल मत्स्य-6000 निकल, कोबाल्ट, दुर्लभ मृदा तत्व, मैंगनीज आदि से समृद्ध खनिज संसाधनों की खोज में गहरे समुद्र में मानव द्वारा प्रत्यक्ष अवलोकन की सुविधा प्रदान करेगा। इसके साथ ही मिशन कई तरह के नमूनों का संग्रह करेगा जिनका उपयोग बाद में विश्लेषण के लिए किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि लाभ के रूप में मिशन से वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा इस मिशन से संपत्ति निरीक्षण, पर्यटन और समुद्री साक्षरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत की समुद्री स्थिति बहुत व्यापक है जिसमें नौ तटीय राज्यों और 1,382 द्वीपों के साथ 7,517 किलोमीटर लंबी तटरेखा भी है। मंत्री के अनुसार, इस मिशन का उद्देश्य केंद्र सरकार के *न्यू इंडिया* के उस दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है जो नीली अर्थव्यवस्था को विकास के दस प्रमुख आयामों में से एक के रूप में उजागर करता है। 2024 की दूसरी तिमाही तक मत्स्य-6000 के परीक्षण के लिए तैयार हो जाने की उम्मीद है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि समुद्रयान अभियान के अगले तीन साल में साकार होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इस वाहन का डिजाइन तैयार कर लिया गया है और वाहन के विभिन्न उपकरणों और घटकों के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। यह मानव सुरक्षा के लिए सामान्य संचालन के अंतर्गत 12 घंटे और आपातस्थिति में 96 घंटे की धारण क्षमता रखता है। बता दें कि केंद्र ने पांच साल के लिए 4,077 करोड़ रुपए के कुल बजट में गहन सागर मिशन को स्वीकृति दी थी। तीन वर्षों (2021-2024) के लिए पहले चरण की अनुमानित लागत 2,823.4 करोड़ रुपए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2021 और 2022 में लगातार दो वर्षों के अपने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में गहन समुद्र अभियान (डीप सी मिशन) का उल्लेख किया था। परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह अभियान नीली अर्थव्यवस्था के युग में भारत के उन प्रयासों की शुरुआत करता है जो आने वाले वर्षों के दौरान भारत की समग्र अर्थव्यवस्था के निर्माण में एक प्रमुख भूमिका निभाने जा रहे हैं। वहीं, अक्टूबर 2021 में इस मिशन पर काम करने की शुरुआत के साथ ही भारत अमेरिका, फ्रांस, रूस, जापान और चीन जैसे उन्नत प्रौद्योगिकी वाले देशों की फेहरिस्त में शामिल हो गया था।

पाकिस्तान के 29 ...

हर साल 60 अरब रुपए का नुकसान होता है। देश भर में कुल 995 पेट्रोल पंप ईरानी पेट्रोल की अवैध बिक्री में शामिल हैं। लगभग 90 सरकारी अधिकारी और 29 राजनेता पेट्रोल की तस्करी में शामिल हैं। हालांकि, रिपोर्ट में एक चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि पाकिस्तान स्टेट ऑयल के वाहन ईरानी पेट्रोल के परिवहन में शामिल हैं। रिपोर्ट में हुंडी-हवाला (अवैध धन व्यापार और तस्करी) के मुद्दे को भी संबोधित किया गया है, जिसमें कहा गया है कि 722 मुद्रा डीलर अवैध विदेशी मुद्रा गतिविधि में शामिल हैं। सभी प्रांतों में सबसे अधिक पंजाब में 205 मुद्रा डीलर अवैध गतिविधि में शामिल हैं, इसके बाद खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में 183 डीलर हैं। इस बीच, सिंध, बलूचिस्तान और आजाद जम्मू और कश्मीर (एजेके) में क्रमशः 179, 104 और 37 ऐसे डीलर हैं जबकि इस्लामाबाद में हवाला-हुंडी कारोबार में 17 डीलर शामिल हैं। इस बीच, संघीय आंतरिक मंत्री सीनेटर सरफराज बुगती ने कहा कि अमेरिकी डॉलर की तस्करी और चीनी और अन्य खाद्य पदार्थों की जमाखोरी में शामिल लोग टीटीपी से भी अधिक खतरनाक आतंकवादी हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाने और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने में शामिल लोगों को देश के सभी संसाधनों का उपयोग करके कड़ा जवाब दिया जाएगा। अंतरिम आंतरिक मंत्री सरफराज बुगती ने तस्करों और जमाखोरों पर कार्रवाई पर केंद्रित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सभी प्रांतीय सरकारें और कानून प्रवर्तन एजेंसियां पाकिस्तान के आंतरिक विरोधियों के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार हैं। बुगती मीडिया रिपोर्टों से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। आंतरिक मंत्री ने कहा कि सरकार ऐसी राज्य विरोधी गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए सभी संसाधनों का उपयोग कर रही है।

बांग्लादेशी घोषित न ...

लेकिन हम उन्हें घर और जमीन देंगे। बदरुद्दीन अजमल ने आगे कहा कि कोभी भी उन्हें बांग्लादेशी कह सकता है, लेकिन जवाब यह साबित नहीं हो जाता तब तक वे बांग्लादेशी नहीं हैं। उन्हें हर सुविधा मुहैया कराई जाए इसके लिए हम लड़ते रहेंगे। बदरुद्दीन अजमल ने बताया कि असम के सीएम ने सभी दलों के विधायकों से राज्य में धार्मिक कट्टरपंथ को जड़ से मिटाने के लिए पार्टी की विचारधारा से हटकर एक साथ आने की अपील की है। साथ ही उन्होंने ऐसे मुद्दों को संसद में उठाने की भी मांग की है।

ग्रामीणों पर उग्रवादियो...

इलाकों के बीच ग्रामीणों पर हमला कर दिया। यह गांव पहाड़ों में बसा है और ज्यादातर यहां ग्रामीण लोग रहते हैं। मणिपुर में तीन मई से जारी हिंसा में अबतक 150 से ज्यादा लोग अपनी जान गवां चुके हैं।

अमीनगांव में 18 करोड़ रुपए की ड्रग्स के साथ 6 गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। विशेष पुलिस बल (एसटीएफ) ने कामरूप (ग्रामीण) जिला मुख्यालय अमीनगांव में पड़ोसी राज्य से आ रहे एक वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान 2.2 किलोग्राम हेरोइन (ड्रग्स) बरामद की गई। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार बीती रात इस सिलसिले में मणिपुर के तीन लोगों सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि अमीनगांव में जब्त किए गए होरोइन की बाजार कीमत करीब 18 करोड़ रुपए है। गौरतलब है कि असम पुलिस की एसटीएफ (स्पेशल टस्क फोर्स) और कामरूप पुलिस के संयुक्त अभियान में ये ड्रग्स जब्त किए गए। असम पुलिस के डीआईजी पार्थ सारथी महंत और कामरूप जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कल्याण कुमार पाठक के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में लगभग ढाई किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। कुल 170 साबुनदानी में ड्रग्स बरामद किए गए।

सरकार और डाकघर विभाग के विरुद्ध विरोध-प्रदर्शन

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के लगभग 10 संगठनों के समूह ने अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में सरकार और डाकघर अधीक्षक के खिलाफ राजधानी इटानगर में आज एक रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। राज्य के सैकड़ों युवाओं ने न्याय और भर्ती नियमों में सुधार की मांग करते हुए रैली में भाग लिया। रैली आज आकाशदीप बाजार से टेनिस कोर्ट आईजी पार्क तक निकाली गई। प्रदर्शनकारियों ने डाक विभाग के तहत ग्रामीण डाक सेवक आवश्यकता नियमों में अरुणाचल प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त स्थानीय बोली को लागू करने, जिस राज्य के लिए उम्मीदवार ने आवेदन किया है उस राज्य का अधिवास प्रमाण पत्र रखने, 866 शाखाओं के कार्यालयों में अरुणाचली बेरोजगार युवाओं को तत्काल नियुक्ति देने की मांग की।

अरुणाचल प्रदेश में सभी गैर-अरुणाचलियों की पिछली नियुक्ति को रद्द करना और 866 शाखा पद और 2596 पद के खिलाफ गैर-अरुणाचली उम्मीदवारों की चल रही नियुक्ति प्रक्रिया को तत्काल रोकने कि मांग की। यह डाक विभाग के खिलाफ अरुणाचल प्रदेश के स्वदेशी लोगों की एक भावनात्मक रैली थी, जिसने राज्य में 866 शाखाओं के कार्यालय के मुकाबले ग्रामीण डाक सेवक (जीडीएस) के 2596 पदों पर बाहरी राज्य के उम्मीदवारों की भर्ती की है। अरुणाचल इंडिजिनस पीपुल्स फोरम (एआईपीएफ) के महासचिव तारह अतुंग ने कहा कि इस तरह की नियुक्ति अरुणाचल प्रदेश के स्वदेशी बेरोजगार युवाओं के साथ अन्याय है। जीडीएस भर्ती प्रक्रिया पूरे भारत में चल रही है और कई राज्यों जैसे तेलंगाना, मिजोरम, असम आदि के मूल निवासियों को लाभ मिल रहा है लेकिन अरुणाचल प्रदेश को इस नौकरी से अवसर नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार सहित राज्य के तीनों संसद सदस्यों (सांसद) से इस मामले में हस्तक्षेप करने और राज्य कोटा को शामिल करके आवश्यकता नियमों को बदलने और स्थानीय युवाओं को शामिल करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यह हर बेरोजगार युवा का एक सामान्य मुद्दा है और इसमें सभी को भाग लेना चाहिए। साथ ही कहा कि यह हमारे लोकतांत्रिक आंदोलन का पहला कदम है और हम अपनी मांग पूरी होने तक इसे जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि हमने अपना ज्ञापन डाकघर के अधीक्षक को सौंप दिया है और दो बार डाक विभाग के अधिकारियों से भी मुलाकात की है लेकिन परिणाम सकारात्मक नहीं रहे हैं।

अब पंचायत चुनाव में नहीं होगी दलगत राजनीति

गुवाहाटी (हिंस)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत दास ने विधानसभा के शरदकालीन सत्र के बीच पंचायत अधिनियम में संशोधन पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पंचायत एक्ट में संशोधन पर मंत्री रंजीत दास ने कहा कि ग्राम पंचायत में राजनीतिक दलों का प्रभाव अब से नहीं होगा। अब से पंचायत अध्यक्ष का सीधे चुनाव भी नहीं होगा। जीतने वाले वार्ड सदस्य अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव करेंगे। संशोधन के मुताबिक अविश्वास प्रस्ताव को ढाई साल तक नहीं आने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि छह महीने बाद अन्य लोगों के एक वर्ग द्वारा उन सदस्यों या अध्यक्षों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया जाता है, जिन्हें लोगों द्वारा सीधे चुना गया है। यह लोकतंत्र के खिलाफ है और अच्छा संकेत नहीं है। विधेयक को विधानसभा के शरदकालीन सत्र में पेश किया जाएगा। विधायकों के बहुमत का समर्थन मिलने पर यह बिल कानून बन जाएगा।

असम सांस्कृतिक महासंग्राम, 2023-24 को लेकर कोकराझाड़ में बैठक आयोजित

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिला आयुक्त कार्यालय में आज एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला आयुक्त प्रदीप कुमार द्विवेदी ने किया। यह कार्यक्रम छह श्रेणियों में आयोजित किया जाएगा और राज्य सरकार के सांस्कृतिक मामलों के विभाग द्वारा आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में ज्योति संगीत, विष्णु राभा संगीत, भूपेंद्र संगीत, रवीन्द्र संगीत, बिहू नृत्य और जातीय नृत्य आदि शामिल हैं। प्रतियोगिता वीसीडीसी, टीएलएसी और जिला स्तर पर आयोजित की जाएगी। जिला आयुक्त ने अधिकारियों को प्रतियोगिता के लिए एसओपी के अनुसार विभिन्न चरणों में समितियां बनाने की सलाह दी। प्रतियोगियों को अक्तूबर तक गांव पंचायत, वार्ड या वीसीडीसी के माध्यम से अपने भागीदारी फॉर्म जमा करने होंगे 30 सितंबर तक एक जिला-व्यापी समिति का गठन किया जाएगा। जिसमें जिला आयुक्त अध्यक्ष, अतिरिक्त आयुक्त (शिक्षा) और क्षेत्रीय विकास अधिकारी सदस्य और राज्य स्तरीय समिति द्वारा नियुक्त तीन विशेषज्ञ न्यायाधीश होंगे। बैठक में जिला आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, सहायक आयुक्त, चक्र अधिकारी, क्षेत्रीय विकास अधिकारी और अन्य लोग उपस्थित थे।

ट्रक दुर्घटनाग्रस्त : घंटे भर राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर लगा रहा जाम

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के बाहरी इलाका जोराबाट और इसके आसपास में आज एक ट्रक पलट जाने की वजह से घंट जाम लग रहा। नौ माइल इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 37 की हालत जर्जर होने की वजह से सामान ले जा रहा ट्रक राष्ट्रीय राजमार्ग पर पलट गया। जिसकी वजह से राष्ट्र राजमार्ग 37 पर घंटों जाम लगा रहा। गुवाहाटी की ओर जाने वाली और गुवाहाटी से आने वाली सड़क पर दोनों तरफ सुबह से दोपहर 12:00 तक जाम लग रहा। नौ माइल और आठ माइल इलाके में राष्ट्र राजमार्ग 37 की हालत काफी जर्जर है जिसकी वजह से आए दिन इलाके में जाम लगा रहता है। जाम की वजह से जहां एक और यात्रियों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की जर्जर स्थिति से 50 से अधिक स्कूल बस स्कूल तक नहीं पहुंच सके। बसों को वापस लौटना पड़ा। स्थानीय लोगों ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं, वही नौ माइल आठ माइल इलाके में सड़क की हालत काफी जर्जर हो गई है। जिसकी वजह से इन दिनों इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्र राजमार्ग प्राधिकरण इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। वहीं टोल गेट पर सभी वाहनों से पैसा तो वसूला जाता है लेकिन सड़क की मरम्मत नहीं की जाती। समय रहते अगर सड़क की मरम्मत नहीं की गई तो आने वाले समय में सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि हो सकती है।

कामरूप जिला विकास समिति की बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले की जिला विकास समिति की सितंबर महीने की बैठक आज एकीकृत आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों ने भाग लिया और विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में पिछले अगस्त में विभिन्न विभागों को जारी निर्देशों की प्रगति का भी जायजा लिया गया। बैठक में कृषि, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, भूमि संरक्षण, एपीडीसीएल, उद्योग एवं वाणिज्य, जल संसाधन, लोक निर्माण आदि विभागों द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इस मौके पर जिला विकास आयुक्त ने विभागों को निर्देश दिया कि योजना के क्रियान्वयन के लिए तत्परता से कार्य करें।

चाइनीज उत्पादों से बचने की सलाह इनोवेटिव प्लास्टविन कंपनी की

गुवाहाटी। (विभास)। पिछले 20 सालों से यूपीवीसी के प्रोडक्ट जैसे डोर, विंडो सहित अन्य कई प्रकार के सामान बनाने वाली कंपनी इनोवेटिव प्लास्टविन ने महानगर गुवाहाटी के ज्योतिकूची में कंपनी के चैनल पार्टनर बीजी एसोसिएट्स में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें गुवाहाटी के विभिन्न क्षेत्रों के फेवरीकेटर तथा कांट्रेक्टर के साथ मिलकर ज्यादा से ज्यादा भारतीय उत्पाद को प्रयोग करने की एवं चाइनीज उत्पादों से बचने की सलाह दी, हैदराबाद में यूपीवीसी बनाने वाली कंपनी इनोवेटिव प्लास्टविन के मैनेजर साकेत बनर्जी ने बताया कि हम पूरे भारत में पिछले 20 सालों से अपने उत्पाद को लोगों तक पहुंचा रहे हैं और गुवाहाटी में 15 वर्षों से हम लोगों की

सेवा में लगे हैं, इस अवसर पर बीजी एसोसिएट्स के मालिक रामश्रेष्ठ साहनी, राजू साहनी ,एआर इन्नोवेटिव के राज भराली, मुस्कान एल्युमिनियम के उमाकांत शर्मा यूपीवीसी सेल्यूशन के प्रवीण कुमार एवं पप्पू शर्मा, तथा स्टार टैक्नो के विवेक यादव उपस्थित थे।

विशिष्ट समाजसेवी प्रदीप कुमार सुरेका पंचतत्व में विलीन

होजाई (निसं)। जाने-माने समाज सेवी व व्यवसाय प्रदीप कुमार सुरेका के निधन से होजाई में शोक की लहर है। हृदय गति रुक जाने के कारण आज सुबह गुवाहाटी में उनका निधन हो गया। वे 65 वर्ष के थे। आज गुवाहाटी से उनका पार्थिव शरीर होजाई उनके जुगल किशोर केडिया रोड स्थित निवास में लाया गया जहां भारी संख्या में उनके शुभचिंतक नम आंखों के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु उपस्थित थे। वे हंसमुख स्वभाव के धनी, उन्हें पैसों का गुमान नहीं था सबको साथ लेकर चलने में विश्वास रखते थे। वे समाज सेवा करने में विश्वास रखते थे। उन्होंने अपने जीवन काल में होजाई मारवाड़ी युवा मंच भवन का निर्माण करवाया, शिवबाड़ी रोड स्थित हनुमान मंदिर सहित कई मंदिरों का निर्माण करवाया। ना जान कितने सेवा मुल्क कार्य वे अपने जीवन काल में कर गए जिसका व्याख्यान करना यहां संभव नहीं हैं इसीलिए सभी वर्ग के लोग उन्हें आदर सम्मान देते थे। वे वर्तमान में मारवाड़ी पंचायत के अध्यक्ष, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य थे। वे मारवाड़ी युवा मंच होजाई शाखा के पूर्व अध्यक्ष, मारवाड़ी सम्मेलन होजाई शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष, व्यवसाय गणपति पूजा समिति के संस्थापक अध्यक्ष, गांधी विद्यापीठ हाईस्कूल संचालन समिति यह पूर्व अध्यक्ष, शांतिवन संचालन समिति के सदस्य, हनुमान जन्मोत्सव समिति के सदस्य, असम साहित्य सभा के तृतीय वार्षिक होजाई अधिवेशन में वित्तीय उपसमिति के अध्यक्ष सहित दर्जनों सामाजिक संस्थाओं से जड़ित थे।

सीआईआई फूडप्रो नॉर्थ-ईस्ट कल से

उद्घाटन समारोह में कृषि मंत्री अतुल बोरा व उद्योग मंत्री बिमल बोरा करेंगे शिरकत

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय उद्योग परिसंघ - दक्षिणी क्षेत्र सन 1995 से अपने प्रमुख कार्यक्रम फूडप्रो का आयोजन करते आ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में इस कार्यक्रम को उद्योग और प्रमुख हितधारकों से जबरदस्त समर्थन मिला है। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में बढ़ती बाजार मांग को देखते हुए सीआईआई की ओर से बेतकुची स्थित मणिराम दीवान ट्रेड सेंटर में आगामी 14 से 16 सितंबर के बीच फूडप्रो नॉर्थ-ईस्ट 2023 के पहले संस्करण का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में असम सरकार के कृषि, बागवानी, पशुपालन मंत्री अतुल बोरा, उद्योग, वाणिज्य और पीई विभाग के मंत्री बिमल बोरा उद्घाटन समारोह सहित विभिन्न सत्रों को संबोधित करेंगे। फूडप्रो नॉर्थ-ईस्ट 2023 का विषय उत्तर-पूर्व में खाद्य प्रसंस्करण के लिए बाजार को बढ़ना है और इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लू स्टार लिमिटेड के प्रबंध निदेशक बी त्यागराजन की देखरेख में की जा रही है। भारत का सुरम्य उत्तर-पूर्वी क्षेत्र

(एनईआर), जो अपनी लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता और उपजाऊ भूमि के लिए जाना जाता है, खाद्य प्रसंस्करण के लिए एक संपन्न केंद्र बनने के लिए तैयार है। कृषि-अनुकूल जलवायु और समृद्ध कृषि विरासत के साथ, भारत सरकार द्वारा दिए गए विभिन्न प्रोत्साहनों के कारण, एनईआर खाद्य प्रसंस्करण के लिए एक सूर्योदय क्षेत्र के रूप में उभरने के लिए तैयार है। इन पहलों से न केवल कृषि उत्पादकों को लाभ हो रहा है बल्कि परिवहन, पैकेजिंग, विज्ञापन और विपणन में रोजगार के अवसर भी पैदा हो रहे हैं। यह पहल भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) द्वारा समर्थित है, और इसमें मसाला बोर्ड और सीएफटीआरआई - केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान जैसी अन्य सरकारी नोडल एजेंसियों की भागीदारी है। फूडप्रो नॉर्थ-ईस्ट में क्षेत्रीय सम्मेलनों में बी2बी, बी2जी और बी2सी बैठकों के अलावा पूरे भारत से 50 से अधिक प्रदर्शकों की भागीदारी देखने को मिलेगी। इसमें देश भर से 6,000 से अधिक व्यापारिक और व्यापारिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है। प्रदर्शनी के मौके पर, खाद्य प्रसंस्करण पर एक सम्मेलन 14 सितंबर को निर्धारित है। सम्मेलन में खाद्य प्रसंस्करण और कृषि उद्योगों से 200 से अधिक वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों की मेजबानी की उम्मीद है।

जेसीआई नगांव रॉयल्स ने सार्वजनिक प्रतीक्षालय का करवाया निर्माण

नगांव (विभास)। शहर के मोतीराम बोरा स्कूल के बाहर यात्री प्रतीक्षालय कक्ष का निर्माण जेसीआई नगांव रॉयल्स द्वारा सोमवार को करवाया गया। उल्लेखनीय है कि जेसीआई नगांव रॉयल्स जैथरा सप्ताह कार्यक्रम पिछले शनिवार से मना रही है। जिसके अंतर्गत सोमवार को उक्त यात्री प्रतीक्षालय कक्ष का निर्माण करवाया गया। सोमवार को अन्य कार्यक्रम में उड़ियगांव बाईपास, रत्न कांत बरकाकोती स्कूल में वृक्षारोपण किया गया। साथ ही शहर के मुख्य स्थानों पर ब्रेन नो हार्न का उपयोग करने के लिए स्टिकर और बेनर लगाए गए। अध्यक्ष निशा अग्रवाल ने बताया इस तरह के स्टिकर और बेनर लगा कर लोगो में जागरुकता फैलाना हमारा उद्देश्य है। इससे लोगो को ध्वनि प्रदूषण से भी राहत मिलेगी। वाहन चालक को हम इन प्रचार सामग्री के माध्यम से यही संदेश देना चाहते है कि जहां जरुरत हो वहीं हार्न का इस्तेमाल करे। सोमवार को तीसरे दिन के कार्यक्रम में रीमा अग्रवाल, सुनीत अग्रवाल, मनीष सेठीया और शिल्पा दस्सानी आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

चित्त को चित्त में रखो तभी परमेष्ठी की प्राप्ति होगी : आचार्य प्रमुख सागर

गुवाहाटी : फैंसी बाजार स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल में विराजित आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ने आज (मंगलवार) को धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि पंचमकाल में मुनि मुद्रा को बिरले ही स्वीकार करते हैं। वैसे श्रावक भी बिरले ही होते है। इस काल में सवा सौ करोड़ की आबादी में मात्र पंद्रह सौ मुनिराज है, क्योंकि बिरले जीव ही भगवान महावीर स्वामी की दिगंबर मुद्रा को धारण कर पाते हैं। सवा सौ करोड़ में मात्र दो करोड़ जैन है। उसमें भी देड़ करोड़ जैनों को मुनि सानिध्य भी प्राप्त नहीं हो पाता है। वे दिगंबर मुनिराज का सत्कार भी नहीं कर पाते हैं।जैनो की पहचान तो दिगंबर जैन प्रतिमा एवं दिगंबर मुनिराज है, अन्य व्यक्ति वस्त्र धाड़ कर अपने आप को परमेष्ठी माने गुरु सतगुरु कहे और जैन धर्मावलंबी उसे स्वीकारते हैं तो अपने ही दिगंबर धर्म का नुकसान करते हैं। आचार्य श्री ने कहा की चित्त को चित्त में रखो तभी परमेष्ठी की प्राप्ति होगी। इससे पूर्व आज प्रात: आचार्य श्री ससंघ के मुखारविंद से श्रीजी की शांतिधारा करने का परम सौभाग्य ज्ञानचंद-अमिता देवी सेठी, सुरेश कुमार-अनु देवी पांण्डया परिवार गुवाहाटी एवं आशीष कुमार-मनीष कुमार जैन परिवार बहादुरगढ़ हरियाणा को प्राप्त हुआ। यह जानकारी समाज के प्रचार-प्रसार विभाग के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी एवं सुनील कुमार सेठी द्वारा दी गई।

बाजरा डीहस्किंग मशीन व *खुलुंबई* फॉक्सटेल मिलेट्स ब्रांड का अनावरण

पामुआपाथेर बाक्सा। कृषि में बदलाव लाने और असम में किसानों की आजीविका बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम तहत आज बाजरा डीहस्किंग मशीन के उद्घाटन और *खुलुंबई* फॉक्सटेल मिलेट्स ब्रांड के अनावरण किया गया। मॉडल बाजरा कार्यक्रम के तहत यह पहल, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी के उदार समर्थन और एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज के समर्पित प्रयासों के माध्यम से संभव हुई है। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक किसानों की भागीदारी देखी गई, जो कृषि क्षेत्र में एकता और प्रगति का प्रतीक है। उद्घाटन समारोह पामुआपाथेर बाक्सा में हुआ, जहां विशिष्ट अतिथि, विशेषज्ञ और किसान इस उल्लेखनीय उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए। मसंदा मैग्डलिन पर्टिन, आईएएस-बाक्सा के उपायुक्त, मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए और उनके साथ नाबार्ड बाक्सा के जिला विकास प्रबंधक उत्पल बेजबरुवा और बाक्सा के अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) प्रांजल दास भी शामिल हुए। इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। बाजरा डीहस्किंग मशीन, मॉडल बाजरा कार्यक्रम का एक

महत्वपूर्ण घटक, बाजरा प्रसंस्करण और उत्पादन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आधुनिक तकनीक से सुसज्जित यह मशीन बाक्सा और आसपास के क्षेत्रों के किसानों को बाजरे की भूसी को कुशलतापूर्वक निकालने में मदद करेगी, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत होगी। यह अनुमान लगाया गया है कि इस पहल से बाजरा उत्पादन की गुणवत्ता में वृद्धि होगी और बाजरा-आधारित उत्पाद उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ हो जाएंगे। बाजरा की भूसी निकालने की मशीन के उद्घाटन के साथ, बाक्सा ब्लॉक फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने गर्व से अपना फॉक्सटेल बाजरा ब्रांड, *खुलुंबई* पेश किया। यह ब्रांड स्थानीय किसानों के समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रतिनिधित्व करता है और उच्च गुणवत्ता वाले बाजरा उत्पादन की प्रतिबद्धता पर जोर देता है। *खुलुंबई* बाजार में एक विश्वसनीय नाम बनने के लिए तैयार है, जो उपभोक्ताओं को स्वस्थ और पौष्टिक बाजरा उत्पाद प्रदान करेगा। कार्यक्रम में बोलते हुए, श्री मसंदा मैग्डलिन पर्टिन, आईएएस-डीसी बाक्सा ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसानों के जीवन में सुधार लाने में बाजरा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग की सराहना की और मॉडल बाजरा कार्यक्रम की सफलता में अपना विश्वास व्यक्त किया। श्री उत्पल बेजबरुवा, डीडीएम बाक्सा-नाबार्ड ने सतत कृषि और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने वाली पहलों का समर्थन करने के लिए नाबार्ड की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बाजरा की भूसी निकालने की मशीन और *खुलुंबई* ब्रांड का लांच असम में अधिक समृद्ध कृषि क्षेत्र की दिशा में हमारी यात्रा में महत्वपूर्ण मील के पत्थर हैं। बाक्सा के एलडीएम प्रांजल दास ने एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज और मॉडल बाजरा कार्यक्रम में शामिल सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस पहल का क्षेत्र के किसानों की आय और आजीविका पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यह उद्घाटन असम में मॉडल बाजरा कार्यक्रम की एक आशाजनक शुरुआत का प्रतीक है और उम्मीद है कि यह भविष्य में इसी तरह की पहल के लिए प्रेरणा के रूप में काम करेगा। यह टिकाऊ कृषि के एक नए युग की शुरुआत करने में सरकारी अधिकारियों, विकास संगठनों और किसानों के बीच सहयोग की शक्ति को प्रदर्शित करता है।

सनातन धर्म का विरोध सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस की सोची समझी रणनीति : जे पी नड्डा

नई दिल्ली, (हि.स.)। डीएमके के मंत्री पोनमुडी के बयान को लेकर भाजपा अब कांग्रेस, आईएनडीआईए गठबंधन पर हमलावर है। भारतीय जनती पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन की मुम्बई बैठक के दो दिन बाद उदयनिधि स्टालिन का बयान आना, फिर प्रियांक खड़गे का सनातन पर आघात और आज डीएमके के मंत्री द्वारा ये स्वीकार करना कि गठबंधन का गठन ही सनातन धर्म के विरोध में किया गया था, यह सोनिया गांधी, राहुल और कांग्रेस की एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। मंगलवार को उन्होंने एक्स पर अपना बयान पोस्ट करते हुए कहा कि कांग्रेस और आईएनडीआईए गठबंधन को इस बयान पर अपना मत स्पष्ट करना चाहिए, इनको बताना चाहिए कि क्या संविधान में किसी धर्म के बारे में आपत्तिजनक बयान देने का अधिकार है ? आईएनडीआईए गठबंधन के लोगों को क्या संविधान के प्रावधानों की जानकारी नहीं है? जे पी नड्डा ने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन कांग्रेस, सोनिया और राहुल बताएं कि मोहब्बत की दुकान के नाम पर सनातन धर्म के खिलाफ नफरत का सामान क्यों बेचा जा रहा है ? यह नफरत का मेगा मॉल सिर्फ सत्ता के लिए है- बांटो और राज करो।

सनातन धर्म पर विपक्षी नेताओं के बयान, किसने क्या कहा– तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने सनातन धर्म को डेंगू-मलेरिया बताया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे और कर्नाटक के आईटी-बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी उदयनिधि के बयान का समर्थन करते कहा कि कोई भी धर्म जो असमानता को बढ़ावा देता है, वह बीमारी ही है।

उन्होंने कहा, "कोई भी धर्म जो समानता को बढ़ावा नहीं देता है, मेरे अनुसार वह धर्म नहीं है।" फिर डीएमके सांसद ए राजा ने कहा कि सनातन धर्म की तुलना एचआईवी और कुष्ठ रोग जैसे सामाजिक कलंक वाली बीमारियों से की जानी चाहिए। आज डीएमके नेता पोनमुडी ने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन का गठन ही सनातन धर्म के विरोध और उसे खत्म करने के लिए हुआ है।

अक्टूबर माह में 'कृषि समृद्धि महोत्सव' मनाएंगी केन्द्र सरकार

अजय त्यागी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार अक्टूबर माह में 'कृषि समृद्धि महोत्सव' मनाएगी। महोत्सव के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के किसान हित कार्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने आज इसकी जानकारी दी। डॉ. मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों पर किसानों और केंद्र संचालकों के साथ संवाद किया। संवाद के दौरान उन्होंने किसानों से नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के लाभों के बारे में बातचीत की और आग्रह किया कि आर्गेनिक फर्टिलाइजर के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि किसान समृद्धि केंद्र वन स्टॉप शॉप मॉडल के रूप में विकसित किए गए है। उन्होंने खुशी व्यक्त की कि इससे किसानों को कृषि से संबंधित सभी सुविधा एक छत के नीचे मिलने लगी है। अपने संबोधन में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ सालों में किए गए किसान हितैषी कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने एमएसपी की दरें बढ़ाई और विपरीत परिस्थितियों में भी यूरिया की कीमतें बढ़ने नहीं दी। केन्द्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार की ओर से किसानों का यूरिया किसी भी कंपनी को डायवर्ट नहीं होने दिया जाएगा। सरकार एक कारगर नीति बना रही है। इसके तहत जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए सख्त कदम उठाये जायेंगे।

राष्ट्रपति ने किसानों के अधिकारों पर पहली वैश्विक संगोष्ठी का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में किसानों के अधिकारों पर पहली वैश्विक संगोष्ठी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में 59 देशों के प्रख्यात वैज्ञानिक और किसान शामिल हुए। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया का कृषक समुदाय फसल विविधता का सच्चा संरक्षक है। इस दिशा में किसानों के पास असाधारण शक्ति और जिम्मेदारी है। उन्होंने पौधों और प्रजातियों की कई किस्मों की रक्षा और उन्हें पुनर्जीवित करने के किसानों के प्रयास की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत विशाल विविधता वाला देश है। इसका क्षेत्रफल भले ही विश्व का केवल 2.4 प्रतिशत लेकिन दुनिया की 7 से 8 प्रतिशत जैव प्रजातियां यहीं है। भारत की समृद्ध कृषि-जैव विविधता वैश्विक समुदाय के लिए एक खजाना रही है। उन्होंने कहा कि हमारे किसानों ने कड़ी मेहनत और उद्यमिता से पौधों की स्थानीय किस्मों का संरक्षण किया है। जंगली पौधों को घरेलु उपयोगी बनाया है और पारंपरिक किस्मों का पोषण किया है। राष्ट्रपति ने कहा कि कृषि अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास से भारत 1950-51 के बाद से खाद्यान्न, बागवानी, मत्स्य पालन, दूध और अंडे के उत्पादन को कई गुना बढ़ा पाया है। इसका राष्ट्रीय खाद्य और पोषण सुरक्षा पर स्पष्ट प्रभाव पड़ा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कृषि-जैव विविधता संरक्षकों और मेहनती किसानों, वैज्ञानिकों और नीति निमार्ताओं के प्रयासों ने सरकारी समर्थन के साथ मिलकर देश में कई कृषि क्रांतियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रौद्योगिकी और विज्ञान विरासत ज्ञान के प्रभावी संरक्षक और संवर्द्धक के रूप में काम करते रहेंगे।

आईएनडीआईए गठबंधन का गठन सनातन धर्म के विरोध के लिए किया गया : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, (हि.स.)। सनातन धर्म के खिलाफ डीएमके नेता उदयनिधि मारन के बयान के बाद अब शिक्षा मंत्री पोनमुडी के बयान पर मंगलवार को भाजपा ने आईएनडीआईए गठबंधन पर निशाना साधा है। मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि अब डीएमके के शिक्षा मंत्री पोनमुडी की टिप्पणी सामने आई है। अंग्रेजी में एक कहावत है 'द कैट इज आउट ऑफ द बैग'।अब स्पष्ट हो गया है कि आईएनडीआईए गठबंधन का गठन सनातन धर्म का विरोध करने और उसे खत्म करने के लिए किया गया है। रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि तमिलनाडु की डीएमके पार्टी आईएनडीआईए गठबंधन में कांग्रेस की साथी है। ऐसे में इस मुद्दे पर अबतक सोनिया गांधी चुप क्यों हैं? क्या आपने हिन्दू धर्म में विश्वास रखने वाले लोगों के खिलाफ शर्मनाक बयान देने का निर्णय लिया है? आपको इस बारे में चर्चा नहीं करनी चाहिए कि आपके बेटे को हिंदू धर्म और सनातन धर्म के बारे में कितनी समझ है। डीएमके और गठबंधन पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि 'सनातन धर्म विरोधी' कार्यक्रम में जहां मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया से की थी और ए राजा ने इसे "एड्स से भी बदतर" कहा था। साफ है उनका छिपा हुआ एजेंडा वोट बैंक की राजनीति करना है, सनातन धर्म का विरोध करना है। रविशंकर प्रसाद ने सवाल किया कि क्या उन्हें किसी अन्य धर्म के देवताओं की आलोचना करने का अधिकार है? क्या उनमें साहस है? क्या वे ऐसा कर सकते हैं?

विमान ठीक होने के बाद कनाडा रवाना हुए जस्टिन ट्रूडो

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो आज अपराह्न एक बजे दिल्ली से रवाना हो गए। उनका विमान तकनीकी गड़बड़ी के कारण पिछले दो दिनों से उड़ान भरने में असमर्थ था। जस्टिन ट्रुडो के प्रेस सचिव मोहम्मद हुसैन ने एक वक्तव्य में कहा कि तकनीकी गड़बड़ी को ठीक कर लिया गया है। केन्द्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर उन्हें विदा करने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे। एक्स पर उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री और अपने साथी मंत्रियों की ओर से जी20 में उनकी भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया। वे उनकी सफल एवं सुरक्षित कनाडा वापसी की कामना करते हैं। ट्रूडो जी20 में भागीदारी करने के लिए प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत आए थे। साथ में उनका बेटा जेवियर भी था। उनका विमान एयरबस एसई में तकनीकी गड़बड़ियां आ गईं। इस दौरान वे अपने होटल से काम करते रहे। उल्लेखनीय है कि कनाडा में खालिस्तानी गतिवधियों को लेकर ट्रूडो सरकार की भारत लगातार आलोचना करता रहा है। इससे दोनों देशों के संबंध भी काफी प्रभावित हुए हैं। आरोप लगता है कि घरेलू राजनीति के कारण ट्रुडो सरकार खालिस्तान समर्थकों के प्रति नरम रुख अपनाती है।

गणेश चतुर्थी के मौके पर पूजा के बाद नए संसद भवन में शुरू होगा कामकाज

– सभी कर्मचारियों की ड्रेस में किया गया बदलाव

अजय कुमार

नई दिल्ली। 18 सितंबर से शुरू हो रहे संसद के विशेष सत्र के दूसरे दिन, 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के मौके पर पूजा करने के बाद नए संसद भवन में कामकाज शुरू होगा। इस विशेष सत्र के दौरान संसद भवन के कर्मचारी भी नई ड्रेस में नजर आएंगे। सूत्रों के मुताबिक, अमृत काल को लेकर मोदी सरकार द्वारा बुलाए गए संसद के विशेष सत्र के पहले दिन 18 सितंबर को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही संसद के पुराने भवन में उसी तरह से शुरू होगी जैसा कि पहले हुआ करती थी। विशेष सत्र के दूसरे दिन यानी 19 सितंबर से दोनों सदनों की कार्यवाही नए भवन में हो सकती है। बताया जा रहा है कि विशेष सत्र के दूसरे दिन 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के मौके पर पूजा के बाद नए संसद भवन में कामकाज शुरू होगा। हालांकि मोदी सरकार की ओर से इस लेकर अभी तक आधिकारिक स्तर पर कोई घोषणा नहीं की गई है।

बता दें कि अमृत काल के समय में मोदी सरकार ने संसद का यह विशेष सत्र बुलाया है। 18 से 22 सितंबर के दौरान आयोजित होने वाले संसद के विशेष सत्र में 5 बैठकें होंगी। यह 17वीं लोक सभा का 13वां सत्र और राज्यसभा का 261वां सत्र होगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी विशेष सत्र को लेकर पहले ही यह उम्मीद जता चुके हैं कि अमृत काल के समय में होने वाले इस सत्र में उन्हें संसद में सार्थक चर्चा और बहस होने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि संसद के विशेष सत्र में संसद के सभी पुरुष और महिला कर्मचारी नई ड्रेस में नजर आएंगे। सभी कर्मचारियों की ड्रेस यहां तक कि जूते तक को बदला गया है।

विधायक दल, सोनिया, राहुल और खड़गे तय करेंगे राजस्थान का अगला सीएम : पायलट

अजमेर, (हि.स)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अजमेर के सर्किट हाउस से कांग्रेस कार्यकताओं को संदेश दिया कि एकजुटता से चुनाव जीतना प्राथमिकता है, प्रदेश में कोई गुटबाजी नहीं है। चुनाव में मुख्यमंत्री का चेहरा कोई मायने नहीं रखता। चुनाव जीते तो विधायक दल, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे मिल कर मुख्यमंत्री तय कर लेंगे। सचिन पायलट ने मंगलवार को अजमेर में अपने समर्थक शुभचिंतकों से मुलाकात की। उन्होंने कार्यकताओं से चुनाव गतिविधियों पर चर्चा की। मीडिया से भी बातचीत की। सचिन पायलट के अजमेर पहुंचने पर उनके समर्थकों में काफी उत्साह नजर आया। अजमेर में यद्यपि अशोक गहलोत गुट और सचिन पायलट गुट दोनों ही गुटों के समर्थक मौजूद हैं। इस बार अशोक गहलोत के खास कहे जाने वाले आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ समर्थकों की भी उपस्थिति अपेक्षित मानी जा रही थी, किन्तु वह नहीं दिखी। अजमेर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पायलट ने विश्वास जताया कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा पर विश्वास नहीं करती है। सरकार राम मंदिर, हिंदू मुसलमान के नाम पर राजनीति करती है। पायलट ने कहा कि अजमेर से उनका पुराना लगाव है। उन्होंने कहा कि देश में जो वातावरण बना है, यह बड़ी विडंबना है। केंद्र सरकार मीडिया प्रचार प्रसार में एक नंबर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा ने विपक्ष की भूमिका का सही ढंग से निर्वहन नहीं किया, अब थक हार कर परिवर्तन यात्रा शुरू की है। भाजपा में खींचतान मची हुई है। पिछली बार जन आक्रोश यात्रा शुरू की थी जिसमें जनता नहीं थी, अब परिवर्तन यात्रा कर रही है। पायलट ने दावा किया कि राजस्थान में हर पांच साल में सरकार बदलने की परिपाटी को तोड़ेंगे। राजस्थान में इस बार भी कांग्रेस सरकार बनेगी। हम सब चुनाव लड़कर भाजपा को हराएंगे । पायलट ने कहा कि उन्हें फीडबैक मिला है, जनता भाजपा पर विश्वास नहीं करती। केंद्र सरकार ने सेना में जाने वाले नौजवानों के साथ अन्याय किया, उनको अग्निवीर लगा दिया और चार साल के लिए युवाओं को नौकरी दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की, उसका अच्छा परिणाम आया। चार राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनेगी, हमारे कार्यकर्ता नई ऊर्जा के साथ आ गए है। अजमेर में लंबे समय से हम सीट नहीं जीत पा रहे, वे खुद यहां से सांसद रहे हैं इसलिए उनकी जिम्मेदारी बनती है यहां से कांग्रेस को जिताएं। पायलट ने कहा कि जिताऊ उम्मीदवार को पार्टी टिकिट देगी, पैमाना सिर्फ जितने वाला है।

खराब मौसम के चलते उपराष्ट्रपति का करौली व धौलपुर दौरा रद्द

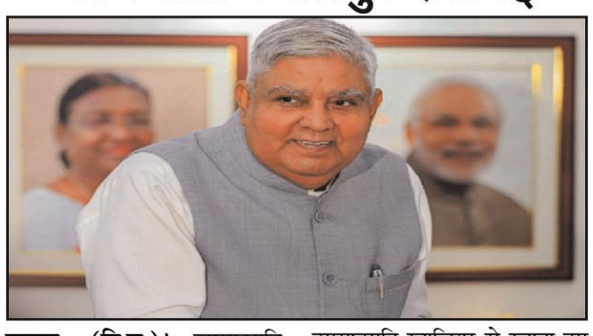

जयपुर, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का मंगलवार को राजस्थान में करौली और धौलपुर दौरा रद्द हो गया है। वे वायुसेना के विशेष विमान से मंगलवार सुबह ग्वालियर पहुंचे। वहां से उन्हें हेलीकॉप्टर द्वारा करौली और फिर धौलपुर जाना था लेकिन खराब मौसम के कारण उपराष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर ग्वालियर से उड़ान नहीं भर सका। काफी विलंब के बाद मौसम में सुधार होने पर उपराष्ट्रपति ग्वालियर से रवाना हुए लेकिन करौली में खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर उतर नहीं सका। फिर धौलपुर में उतारने का प्रयास किया गया लेकिन खराब मौसम के चलते वहां लैंडिंग संभव नहीं हो पाई। अंततः उपराष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर वापस ग्वालियर चला गया। ग्वालियर से उपराष्ट्रपति अपने विशेष विमान से आगरा के लिए रवाना हो गए, जहां से वे भरतपुर पहुंचेंगे।

केजरीवाल पंजाब के तीन दिवसीय दौरे पर

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बुधवार को तीन दिवसीय दौरे पर पंजाब जायेंगे। 13 से 15 सितंबर तक के इस दौरे में वह कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और विधानसभा चुनाव के दौरान पंजाब की जनता से की गई कुछ बड़ी गारंटियों को भी पूरा करेंगे। इसमें शिक्षा की गारंटी के अंतर्गत अमृतसर में पहले स्कूल ऑफ एमिनेंस का उद्घाटन करेंगे और पंजाब के उद्योगपतियों के साथ टाउनहॉल में मीटिंग कर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा इंडस्ट्री को लेकर पॉलिसी संबंधी बड़ी घोषणा भी किए जाने की उम्मीद है। इसके अलावा अमृतसर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। 15 सितंबर को लुधियाना और मोहाली में टाउनहॉल मीटिंग के बाद वापस दिल्ली आएंगे। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री सरदार भगवंत मान भी मौजूद रहेंगे। **अब तक इन प्रमुख गारंटियों को पूरी कर चुकी है आम आदमी पार्टी की सरकार :** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में बनी आम आदमी पार्टी की सरकार ने पंजाब की जनता को दी गई कई गारंटियों को अब तक पूरी कर चुकी है। इनमें स्वास्थ्य की गारंटी भी शामिल है। सरकार बनने के बाद से ही पूरे पंजाब में जगह-जगह आम आदमी क्लीनिक खोले जा रहे हैं। अभी तक पंजाब में करीब 659 आम आदमी क्लीनिक खोले जा चुके हैं और कई आम आदमी क्लीनिक अभी निमार्णाधीन हैं, जो अगले कुछ महीनों में जनता को सौंप दिए जाएंगे। इन क्लीनिकों में 40 टेस्ट होते हैं और 90 से अधिक किस्म की दवाइयां मुफ्त दी जाती हैं। पूरे पंजाब में अब तक आम आदमी क्लीनिकों में 47 लाख से अधिक लोग अपना इलाज कराकर ठीक हो चुके हैं। इसी तरह भगवंत मान सरकार ने बिजली की गारंटी भी पूरी कर दी है। पंजाब की जनता को 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाती है। इसका पंजाब के करीब 90 फीसद परिवारों को फायदा हो रहा है और उनका बिजली का बिल जीरो आ रहा है। इसके अलावा पंजाब को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की कवायद भी चल रही है। इसके लिए भगवंत मान सरकार ने एक वाट्सएप नंबर जारी किया है। जिस पर कोई भी व्यक्ति भ्रष्टाचार संबंधित शिकायत कर सकता है। इसके साथ ही पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार अस्थाई कर्मचारियों को स्थाई करने की गारंटी भी पूरी कर चुकी है। अभी तक 12 हजार से अधिक शिक्षकों को स्थाई किया गया है। साथ ही 36 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां भी दी गई हैं। पंजाब में सरकार बनने के बाद से अब तक 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश भी आ चुका है। इससे 2.77 लाख प्राइवेट नौकरियों का अवसर युवाओं को मिलेगा।

रक्षा मंत्री ने राष्ट्र को समर्पित की अरुणाचल प्रदेश में बनी 500 मीटर लंबी 'नेचिफू सुरंग'

– आठ सीमावर्ती राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की 90 बुनियादी परियोजनाओं का उद्घाटन

– न्योमा एयरबेस को अपग्रेड करने का शुभारंभ, दुनिया का सबसे ऊंचा लड़ाकू हवाई क्षेत्र होगा

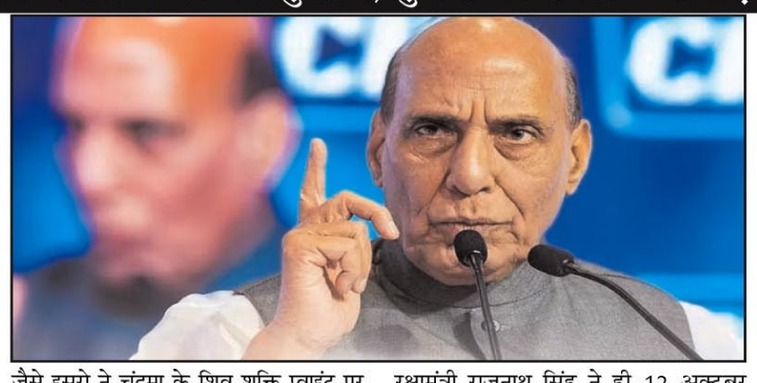

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में बालीपारा-चार द्वार-तवांग (बीसीटी) रोड पर 500 मीटर लंबी ह्यनेचिफू सुरंगह्व का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने जम्मू के देवक ब्रिज से सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की 90 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। यह सभी परियोजनाएं देश के 8 सीमावर्ती राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों में हैं। इसके साथ ही उन्होंने दुनिया का सबसे ऊंचा लड़ाकू हवाई क्षेत्र का निर्माण करने के लिए लद्दाख के न्योमा एयरबेस को अपग्रेड करने का उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में आयोजित समारोह में इन परियोजनाओं का वर्चुअली उद्घाटन किया। इसके बाद बीआरओ की उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि आपकी असली उपलब्धि यह है कि आपने अपने प्रयास से मुश्किल को आसान बना दिया। देश के नागरिकों ने सीमा क्षेत्र के विकास को एक उपलब्धि के रूप में लेना बंद कर दिया है, क्योंकि अब यह सामान्य हो गया है। एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू करना और उसे समय पर पूरा करना नए भारत की अब सामान्य बात है। जैसे एक न्यूरोसर्जन का काम कठिन होता है, लेकिन जैसे-जैसे वह विशेषज्ञता हासिल करता है, उसकी दक्षता बढ़ती जाती है। जैसे इसरो ने चंद्रमा के शिव शक्ति प्वाइंट पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग की। एक समय था, जब इसरो के लिए उपग्रह लॉन्च करना मुश्किल था, लेकिन अब इसरो ने इसमें इतनी विशेषज्ञता हासिल कर ली है कि अब वह सिर्फ चंद्रमा और मंगल ग्रह ही नहीं, बल्कि सूर्य तक भी पहुंच गया है। इसी तरह दुर्गम क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास बीआरओ के लिए एक आसान काम बन गया है। बीआरओ ने अरुणाचल प्रदेश में बनाई गई नेचिफू सुरंग के उत्खनन कार्य के लिए आखिरी 'ब्रेक थ्रू ब्लास्ट' पिछले साल मई में किया था। यह सुरंग दोतरफा यातायात में आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। इस परियोजना की आधारशिला रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ही 12 अक्टूबर 2020 को रखी थी। अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में बालीपारा-चार दुआर-तवांग (बीसीटी) रोड पर नेचिफू सुरंग 5,700 फीट की ऊंचाई पर बनाई गई है। यह 500 मीटर लंबी अंग्रेजी के अक्षर डी आकार की सिंगल ट्यूब डबल लेन सुरंग है।

यह सुरंग दोतरफा यातायात को समायोजित करेगी और आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा सुविधाओं से लैस होगी। दरअसल, नेचिफू दर्रे के आसपास का मौसम अत्यधिक धुंधला रहता है, जिसकी वजह से कई दशकों से सामान्य यातायात और सैन्य काफिले को दिक्कत होती रहती है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस सुरंग के निर्माण की योजना बनाई गई थी। इसलिए सुरंग में अत्याधुनिक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सिस्टम लगाया गया है, जिसमें अग्निशामक उपकरण, ऑटो रोशनी प्रणाली और डेटा अधिग्रहण (स्काडा) नियंत्रित निगरानी प्रणाली शामिल हैं। सुरक्षित पैदल चलने वालों की आवाजाही के लिए सुरंग के दोनों तरफ फुटपाथ बनाये गए हैं, जिसके नीचे पावर केबल और ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई हैं। नेचिफू सुरंग परियोजना के साथ उसी सड़क पर अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में ट्विन ट्यूब की एक और रणनीतिक सुरंग 'सेला टनल प्रोजेक्ट' अगले 20 दिनों में पूरा होने की उम्मीद है। यह 13 हजार फीट और उससे अधिक ऊंचाई पर दुनिया की सबसे लंबी द्वि-लेन सुरंग होगी। सेला सुरंग तवांग सेक्टर को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करके ह्यजीवन रेखाह्व की तरह होगी। दोनों सुरंगों के चालू होने के बाद सैन्य काफिले की सभी मौसमों में रणनीतिक रूप से सुरक्षित आवाजाही हो सकेगी। बीआरओ ने पिछले दो वर्षों में देश के सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में उच्च ऊंचाई पर पहाड़ी सुरंगों का निर्माण किया है। हिमाचल प्रदेश में अटल सुरंग, रोहतांग के अलावा उत्तराखंड में चंबा सुरंग पहले ही राष्ट्र को समर्पित की जा चुकी हैं।

25 गायों की डेयरी की स्थापना पर 50 प्रतिशत अनुदान का शासनादेश जारी

लखनऊ, (हि.स.)। योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश में गौवंशीय पशुओं की नस्ल सुधार व दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि के लिए नन्द बाबा मिशन के तहत नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना का शासनादेश जारी कर दिया है। योजना के पहले चरण में योगी सरकार लाभार्थी को 25 दुधारू गायों की 35 इकाइयां स्थापित करने के लिए गायों की खरीद से लेकर उनके संरक्षण एवं भरण पोषण जैसे मदों में सब्सिडी देगी। यह सब्सिडी तीन चरणों में दी जाएगी। शुरूआती चरण में यह योजना प्रदेश के दस मंडल मुख्यालयों के शहरों अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, झांसी, मेरठ, आगरा और बरेली में संचालित की जाएगी।

तीन चरणों में दिया जाएगा योजना का लाभ – दुग्ध आयुक्त और मिशन निदेशक शशि भूषण लाल सुशील ने बताया कि प्रदेश दुग्ध उत्पादन में देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश में प्रति पशु दुग्ध उत्पादकता कम है। इसकी मुख्य वजह प्रदेश में उच्च गुणवत्तायुक्त दुधारू पशुओं की कमी होना है। इसी कमी को पूरा करने एवं उन्नत नस्ल के अधिक से अधिक दुधारू गौवंश की इकाइयों की स्थापना के लिए नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना का शुभारम्भ किया गया है। योजना के तहत दुधारू गायों में साहीवाल, गिर, थारपारकर एवं गंगातीरी प्रजाति की गायों को ही शामिल किया गया है। योगी सरकार ने योजना के तहत 25 दुधारू गायों की एक इकाई स्थापित करने में 62, 50,000 रुपये के खर्च का आंकलन किया है। ऐसे में, योगी सरकार लाभार्थी को कुल व्यय पर 50 प्रतिशत अनुदान यानी अधिकतम 31,25,000 रुपये देगी। योगी सरकार इस योजना का लाभ तीन चरणों में देगी। पहले चरण में इकाई के निर्माण पर परियोजना लागत का 25 प्रतिशत का अनुदान दिया जाएगा। वहीं दूसरे चरण में 25 दुधारू गायों की खरीद, उनके 03 वर्ष के बीमा और यातायात पर परियोजना लागत का 12.5 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा, जबकि तीसरे चरण में परियोजना लागत की शेष 12.5 प्रतिशत राशि का अनुदान दिया जाएगा।

अधिक आवेदन आने पर ई-लॉटरी से लाभार्थी का किया जाएगा चयन – योजना का लाभ लेने के लिए लाभार्थी के पास कम से कम 03 वर्षों का गौपालन का अनुभव होना चाहिए। वहीं, गौवंशों की ईयर टैगिंग होना अनिवार्य है। इसके साथ ही इकाई की स्थापना के लिए 0.5 एकड़ भूमि होना आवश्यक है। साथ ही, लाभार्थी के पास लगभग 1.5 एकड़ भूमि हरित चारा के लिए होना चाहिए। यह जमीन उसकी खुद की (पैतृक) हो सकती है या फिर उसने उसे 07 वर्षों के लिए लीज पर लिया हो। इस योजना का लाभ पूर्व में संचालित कामधेनु, मिनी कामधेनु एवं माइक्रो कामधेनु योजना के लाभार्थी नहीं उठा सकेंगे। लाभार्थी का चयन ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन के माध्यम से किया जाएगा। वहीं, आवेदन की संख्या अधिक होने पर मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा ई-लॉटरी के जरिए चयन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री 17 सितंबर को करेंगे पीएम विश्वकर्मा योजना को वर्चुअल लॉन्च

- केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के मुख्य अतिथि में पं. दीनदयाल सभागार में होगा कार्यक्रम का भव्य आयोजन
- डीएम ने पीएम विश्वकर्मा योजना की समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों दिये दायित्व

झांसी, (हि. स.)। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने प्रधानमंत्री की पीएम विश्वकर्मा योजना की वर्चुअल लॉन्चिंग की तैयारी की समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे। जनपद झांसी में 17 सितंबर को पीएम विश्वकर्मा योजना के वर्चुअल लॉन्चिंग के अवसर पर पं. दीनदयाल उपाध्याय सभागार में श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी केंद्रीय मंत्री महिला एवं बाल विकास एवं अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री भारत सरकार की मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने जनपद झांसी सहित लखनऊ,गोरखपुर एवं बनारस में पीएम विश्वकर्मा योजना के वर्चुअल लॉन्चिंग का सीधा प्रसारण होने की जानकारी देते हुए उपस्थित संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने परियोजना निदेशक को निर्देशित करते हुए कहा कि पं.दीनदयाल सभागार में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की सभी तैयारी समय से सुनिश्चित कर लें। जिलाधिकारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पीएम विश्वकर्मा योजना का लाभ लेने के लिए पोर्टल पर सर्वाधिक पंजीकरण जनपद से होना चाहिये। उन्होंने खंड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी नगर निकायों को दायित्व देते हुए कहा कि अधिक से अधिक 18 वर्ष से अधिक युवाओं का पंजीकरण कराना सुनिश्चित किया जाए। इस योजना का लाभ पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों को ज्यादा से ज्यादा से मिलना चाहिए।पंजीकरण के उपरान्त सत्यापन की कार्रवाई को भी तेजी से पूर्ण कराया जाए ताकि जल्द से जल्द लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा सके। पात्र लाभार्थियों को पीएम विश्वकर्मा सर्टिफिकेट और आईडी कार्ड, क्रेडिट सपोर्ट, स्किल अपग्रेडेशन, टूलकिट इन्सेन्टिव, डिजिटल ट्रांजक्शन के लिए इंसेन्टिव, मार्केटिंग सपोर्ट की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। लाभार्थियों के पंजीकरण व सत्यापन के उपरान्त उन्हें 5 दिन के बुनियादी प्रशिक्षण का प्रावधान किया गया है। आईटीआई द्वारा प्रशिक्षण पूरा होने के पश्चात उन्हें प्रमाण-पत्र तथा टूलकिट खरीदने के लिए 15,000 रुपये का ई-वाउचर प्रदान किया जायेगा और वह अधिकतम 01 लाख रुपये का प्रथम ऋण 05 प्रतिशत ब्याज दर पर प्राप्त कर सकेंगे, जिसे 18 महीने में जमा करना होगा। इसके लिए उन्हें मकान, जमीन आदि को बंधक नहीं रखना होगा। प्रथम ऋण को सफलतापूर्वक जमा करने पर 15 दिन के लिए अपस्किलिंग कोर्स कराया जायेगा और प्रशिक्षण के उपरान्त वह अधिकतम 02 लाख रुपये के ऋण के लिए पात्र होंगे, जिसे उन्हें 30 माह में जमा करना होगा। अपस्किलिंग के लिए परम्परागत 18 ट्रेड-कार्पेन्टर, बोट मेकर, अरमोरर, लोहार, टूल किट मेकर, लॉकस्मिथ (ताला बनाने वाला), कुम्हार, स्कल्पचर (मूर्तिकार, स्टोन कार्वर),स्टोन ब्रेकर, कॉब्लर (चर्मकार),फुटवियर आर्टिस्ट, राजमिस्त्री, बास्केट,मैट,ब्रूम मेकर,कॉइर मेकर, डॉल एण्ड ट्वाय मेकर, नाई, गारलैण्ड मेकर (मालाकार), वाशरमैन (धोबी), टेलर, फिशिंग नेट मेकर को चिह्नित किया गया है। इस निमित्त 18 वर्ष अधिक उम्र के व्यक्ति पात्र होंगे।

अनुराग त्रिपाठी ने प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी का पदभार संभाला

प्रयागराज, (हि.स.)। उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज में अनुराग त्रिपाठी ने मंगलवार को प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी का पदभार ग्रहण कर लिया। श्री त्रिपाठी सिविल सेवा परीक्षा 1997 बैच के आईआरपीएस अधिकारी हैं। इन्होंने सहायक कार्मिक अधिकारी झांसी, मध्य रेलवे में अपनी रेल सेवा शुरू की थी। इनकी शिक्षा राजकीय इण्टर कॉलेज, फैजाबाद से रही है। तत्पश्चात इन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से परास्नातक की डिग्री प्राप्त की। प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी के पद पर ज्वॉइन करने के पूर्व श्री त्रिपाठी केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में सचिव के पद पर कार्यरत थे। इसके पूर्व इन्होंने वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी भोपाल, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी दिल्ली एवं प्रधानाचार्य ओक ग्रोव स्कूल मसूरी के पद पर अपनी सेवाएं दी हैं।

स्वर्णप्राशन संस्कार से बच्चों की बढ़ती है प्रतिरोधक क्षमता : डॉ. वंदना पाठक

कानपुर, (हि.स.)। भारतीय संस्कृति में 16 प्रकार के संस्कारों का प्रावधान है और इनमें स्वर्णप्राशन संस्कार का अलग ही महत्व है। इस संस्कार से बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और मानसिक के साथ ही शारीरिक विकास भी होता है। यह बातें मंगलवार को वरिष्ठ आयुवेर्दाचार्य डॉ. वंदना पाठक ने कही। पुष्य नक्षत्र के अवसर पर मंगलवार को कानपुर नगर स्थित बालगृह में निःशुल्क स्वर्ण प्राशन का कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 49 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले इन बच्चों का निःशुल्क रूप से स्वर्णप्राशन कराया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ वरिष्ठ आयुवेर्दाचार्य डॉ. वंदना पाठक, डॉ. निरंकार गोयल, सुमन वर्मा ने किया। वरिष्ठ आयुवेर्दाचार्य डॉ. वंदना पाठक ने इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों और लोगों को आयुर्वेद के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु के अनुसार आहार-विहार पर विशेष रूप से ध्यान देने का परामर्श दिया। उन्होंने स्वर्णप्राशन संस्कार के बारे में बताते हुए कहा कि आयुर्वेद की यह विधा बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में काफी कारगर है।

संस्कार की महत्ता बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रचलित 16 संस्कारों में से एक संस्कार है। यह बच्चों के शारीरिक, मानसिक विकास में विशेष योगदान करता है। जिन बच्चों यह संस्कार नियमित रूप होता है, उनमें मौसम और वातावरणीय प्रभाव के कारण होने वाली समस्याएं अन्य बच्चों की अपेक्षा कम देखी गयी हैं। स्वर्णप्राशन में प्रयुक्त होने वाली औषधि स्वर्ण भस्म, वच, गिलोय, ब्राह्मी, गौघृत, मधु आदि द्रव्यों के सम्मिश्रण से बनाया जाता है। उन्होंने कहा बच्चों को नियंत्रित करने के लिए डांटना, पीटना आदि भी उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित करता है। अतः बच्चों को प्यार से समझाना चाहिए। इस अवसर पर अनुराग मिश्र, कुलदीप, संदीप गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश में बारिश से किसानों को हुआ फायदा : स्वतंत्रदेव सिंह

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने पत्रकारों से मंगलवार को बातचीत में कहा कि उत्तर प्रदेश में कई जिलों में जोरदार बारिश हुई है, जिससे लोगों को खासा परेशानी हुई। दूसरे तरफ, बारिश से किसानों को फायदा हुआ है। बारिश ने धान के फसलों में जान फूंक दी है। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सिंचाई विभाग नहरों के टेल तक पानी पहुंचाने का प्रयास कर रहा था, बारिश से टेल तक अपने आप ही पानी पहुंच गया है। नाले नदी जो गंदे हो जाते हैं, उसकी सफाई भी बारिश से हो गयी है। आज गोमती नदी देखेंगे तो वह पहले से ज्यादा साफ दिखायी पड़ेगी। वहीं जो लोग नदियों के किनारे जबरदस्ती बस जाते हैं, उन्हें तकलीफ होती है। सरकार उन्हें भी राहत कार्य उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि नदियों के किनारे और बाढ़ वाले क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचायी जा रही है। राहत कैम्प लगाया गया है। अभी तक प्राप्त जानकारी में किसी नदी से बाढ़ का खतरा नहीं है। जहां जलभराव, बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हुई है, वहां पर राज्य सरकार राहत व बचाव टीमें लगा रही है, जिससे कोई समस्या कहीं न हो सके।

समृद्ध संस्कृति, सभ्यता और प्राकृतिक सौंदर्यवाला जिला है खूंटी : लोकेश मिश्र

खूंटी, (हि.स.)। खूंटी जिले के 16वें स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को कचहरी परिसर स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर उपायुक्त लोकेश मिश्र, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, उप विकास आयुक्त ननीतीश कुमार सिंह, परियोजना निदेशक आइटीडीए और अन्य अधिकारियों ने माल्यार्पण कर धरती आबा को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। जिला वासियों को स्थापना दिववस की शुभकामनाएं देते हुए डीसी ने कहा कि खूंटी जिला समृद्ध संस्कृति, सभ्यता और प्राकृतिक सौंदर्यवाला जिला है। इन 16 वर्षों में जिला गठन के बाद लोगों की समस्याओं का बेहतर तरीके से निष्पादन हुआ है। सुदूर क्षेत्र के लोगों की जिला प्रशासन तक पहुंच बनी हैं और अधिकारियों के माध्यम से सहज रूप से सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वैसे टोलों और सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों जहां वर्तमान में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, वहां जिला प्रशासन विशेष रूप से कार्य करने के लिए तत्पर रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से प्रत्येक ग्राम तक सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं को पहुंचाना है। कल्याणकारी योजनाओं से आमजनों को लाभान्वित करने की दिशा में जिला प्रशासन पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। डीसी ने कहा, हम आशा करते हैं कि इसी प्रकार प्रगतिशील विचारों के साथ खूंटी जिला समग्र विकास के पथ पर अग्रसर रहेगा।

उपायुक्त और अन्य अधिकारियों ने तोरपा प्रखंड के पंचायत प्रतिनिधियों के साथ किया सीधा संवाद

- सभी विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों में हैंडवाश और शौचालय सुविधा उपलब्ध करायें : लोकेश मिश्र

खूंटी, (हि.स.)। उपायुक्त लोकेश मिश्र ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों और सरकारी कर्मियों को निर्देश दिया कि 15वें वित्त आयोग के फंड से अपनी पंचायत के विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों और पंचायत भवनों में हैंडवाश यूनिट, महिला और पुरुष शौलय और पेयजल की व्यवस्था करायें। यह काम दो महीने के अंदर हो जाना चाहिए। उपायुक्त मंगलवार को तोरपा प्रखंड कार्यालय के सभागार में विभिन्न पंचायतों के मुखिया, पंचायत समिति सदस्यों और अन्य पंचायत प्रतिनिधियों के साथ सीधा संवाद कर जन समस्याओं और विकास कार्यों की स्थिति की जानकारी ले रहे थे। उनके साथ उप विकास आयुक्त नीतीश कुमार सिंह और अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान भी बैठक में मौजूद थे। उपायुक्त ने गांवों में पेयजल की स्थिति, बिजली, आगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालय भवनों और पंचायत भवनों की स्थिति की जानकारी ले रहे थे। पंचायत प्रतिनिधियों ने भी खुलकर अपनी समस्याओं को जिले के आला अधिकारियों के समक्ष रखा। मुखिया, उप मुखिया और पंचायत समिति के सदस्यों ने एक-एक कर अपने क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों की स्थिति की जानकारी दी। उपायुक्त ने कहा कि सभी पंचायत प्रतिनिधि 15वें वित्त आयोग की रकम से इनन समस्याओं का निदान करें। उन्होंने वहां मौजूद बीडीओ दयानंद कार्जी, सीओ सच्चिदानंद वर्मा को निर्देश दिया कि वे जन समस्याओं का अविलंब निराकरण करे। डीसी ने लोगों से प्रखंड और अंचल कार्यालय, थाना, बिजली विभाग सहित अन्य विभागों के कार्यों के और शिकायतों के बारे में पूछा। जन प्रतिनिधियों ने उपायुक्त को तोरपा में सरकारी डिग्री कॉलेज नहीं होने के बारे में जानकारी दी, तो उपायुक्त ने कहा कि आप 15 उकड़ जमीन मुहैया करा दीजिए, अगले सत्र से तोरपा में डिग्री कॉलेज शुरू हो जाएगा। उपायुक्त और अन्य अधिकारी कॉलेज के लिए कमड़ा के पास जमीन देखने के लिए गए। उपायुक्त ने सभी पंचायत प्रतिनिधियों को सख्त चेतावननी दी कि वे अपने क्षेत्र में अफीम की खेती न होने दें। उन्होंने कहा कि जिस पंचायत क्षेत्र में अफीम की खेती होगी, वहां के पंचायत प्रतिनिधियों के खिलाफ भी कड़ी कानूनी की जाएगी।

बाबूलाल मरांडी ने निजी सलाहकार की जानमाल की सुरक्षा के लिए डीजीपी को लिखा पत्र

रांची, (हि.स.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने निजी सलाहकार सुनील तिवारी और उनके परिवार की जानमाल की सुरक्षा के लिए डीजीपी अजय कुमार सिंह को मंगलवार को एक पत्र लिखा है। इसमें कहा है कि सुनील तिवारी पर खतरा एवं राजनैतिक दुर्भावनापूर्ण बदले की कार्रवाई की आशंका है। उन्होंने अभी हाल में मोबाइल पर बातचीत में इस संबंध में डीजीपी को जानकारी दी थी। सुनील तिवारी द्वारा 11 सितंबर को मुख्य सचिव को किए गये मेल का जिक्र करते बाबूलाल ने कहा कि विषयवस्तु गंभीर है। हाल के कई ऐसे मामलों के उदाहरण सामने हैं, जिसमें पुलिस को खतरे की आशंका की लिखित सूचना के बाद भी कुछ नहीं किया गया। प्रभावित व्यक्ति की हत्या हो गई। डीजीपी से अनुरोध करते कहा कि सुनील तिवारी के मामले में गंभीरता से संज्ञान लें। उनके और उनके परिवार की जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही राजनैतिक बदले की भावना से पुलिस कोई पीड़क कार्रवाई नहीं करे, इसका ख्याल रखें। बाबूलाल के मुताबिक साहिबगंज खनन घोटाला के खिलाफ एफआईआर के लिए थाने में लिखकर देने वाले अनुरंजन अशोक को भी पांच दिन पहले मोबाइल पर जान से मारने की धमकी देने और अनुरंजन के डोरंडा थाना में शिकायत करने की खबर अखबारों में देखने को मिली है। डीजीपी पुलिस के मुखिया हैं। नियमानुसार उनकी यह जिम्मेदारी है कि राज्य में अमन चैन कायम रहे। पुलिस कानून के आधार पर काम करे। सत्ता पोषित या कोई दूसरे गुंडे-मवाली राज्य में उत्पात नहीं मचाए। राजनैतिक द्वेष से किसी के खिलाफ पुलिस कोई फर्जी पीड़क कार्रवाई न करे। यही वजह है कि उच्च न्यायालय को पुलिस की पूर्वाग्रह पूर्ण कार्यशैली के चलते ऐसे कई मामले जांच के लिए सीबीआई के हवाले करना पड़ा।

पतिलार पंचायत में हुए सरकारी कार्यों का भौतिक सत्यापन जिला स्तरीय सोशल ऑडिट टीम ने किया

पश्चिम चंपारण(बगहा), (हि.स.)। प्रखंड बगहा एक अंतर्गत पतिलार पंचायत में मंगलवार को पश्चिम चम्पारण जिला से आयें चार सदस्यीय सोशल ऑडिट टीम के द्वारा ग्राम्य स्तरीय जांच की गई। साथ ही सर्वे ग्राम सभा का आयोजन पंचायत की मुखिया पायल मिश्रा के अध्यक्षता में की गई। चार सदस्यीय सोशल ऑडिट टीम ने विगत वर्ष में हुए पंचायत के कार्यों का निरीक्षण सत्यापन करते हुए आमजनों से उन कार्यों के बारे में जानकारियां ली। सोशल ऑडिट की टीम ने राशन वितरण प्रणाली के तहत डीलरों के स्टॉक पंजी आदि की जांच की। वहीं उपभोक्ताओं के यहां जाकर डीलर के द्वारा वितरित किए जा रहे राशन के बारे में भी जानकारियां प्राप्त की। पीएम आवास के द्वारा बनाए गए भवनों का निरीक्षण दौरान लोहिया स्वच्छता मिशन के अंतर्गत बनाए गए शौचालय का भी टीम ने भौतिक सत्यापन किया। लोगों से कार्यों के प्रति जानकारियां ली गई, मनरेगा में हुए कार्यों जैसे वन पोषक योजना से संबंधित मजदूरों से मिलकर उनके द्वारा किए गए कार्यों के बारे में पूछा गया और विभिन्न योजनाओं में लोगों से कार्यों के प्रति मांगों को नोट भी की गई। मुखिया प्रतिनिधि डॉ अभिषेक मिश्रा ने बताया कि सरकार की इस पहल से और ऐसे टीम के सर्वे से विकास कार्य में पूरी पारदर्शिता लाने का बेहतर प्रयास है।

ताकि सरकारी योजनाएं धरातल पर है कि नहीं और पंचायत की जनता का इसके बारे में क्या प्रतिक्रिया है। जानकारी समस्त जनता सहित सरकार को मिलती है। तभी सरकार सभी योजनाएं देती हैं। इस अवसर पर पंचायत सेवक राहुल कुमार, रोजगार सेवक रघुनाथ प्रसाद, आवास सहायक गुंजन कुमार, स्वच्छता पर्वेक्षक गोविंद कुमार, वार्ड सदस्य जगदीश पासवान, अभय कुमार आदि ग्रामीण मौंजूद रहें।

उप मुख्य पार्षद के नेतृत्व में बीहट में शुरू हुआ पदयात्रा-सह-जन संवाद कार्यक्रम

बेगूसराय, (हि.स.)। नगर परिषद बीहट के कार्य प्रणाली से आहत उप मुख्य पार्षद सहित अन्य पार्षदों ने आज से पदयात्रा-सह-जन संवाद शुरू कर दिया है। उप मुख्य पार्षद ऋषिकेश कुमार, वार्ड-25 के प्रतिनिधि गौतम कुमार, वार्ड-33 के प्रतिनिधि अनिल कुमार शर्मा एवं वार्ड-36 के प्रतिनिधि मो. इसराइल ने पद यात्रा-सह-जन संवाद कार्यक्रम की शुरूआत सिमरिया गंगा धाम से की है। ऋषिकेश कुमार ने बताया कि बीहट नगर के वार्ड एक से लेकर 37 तक में पद यात्रा कर लोगों से जन संवाद करेंगे। जिसकी शुरूआत सिमरिया धाम से की गई है। जन संवाद में बताएंगे की नगर परिषद बीहट ने पिछले आठ महीने से धरातल पर कोई काम नहीं किया गया है। जन प्रतिनिधियों और जनता की बात का कार्यालय अवहेलना कर देती है। जिसको लेकर 15 सितम्बर से नगर परिषद कार्यालय के समक्ष अनिश्चित कालीन धरना दिया जाएगा। अनिश्चित कालीन धरना को लेकर डीएम, एसडीओ, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी को आवेदन के माध्यम से सूचित कर दिया गया है। 16 सूत्री मांगों को लेकर हम सब धरना पर बैठेंगे। जन संवाद में लोगों को बताया जा रहा है कि वार्ड-34 चकिया जाने के मुख्य सड़क पर छह महीने से पानी लगा है। जिसके कारण डेंगू फैलने की संभावना है, लेकिन नगर परिषद की ओर से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वार्ड-25 के प्रतिनिधि गौतम कुमार, वार्ड-36 के प्रतिनिधि मो. इसराइल एवं वार्ड-33 के प्रतिनिधि अनिल शर्मा ने लोगों से अपील किया की अपने वार्ड के अलावा हम अन्य वार्ड की समस्या को लेकर सामने आए हैं। जिससे बेहतर काम हो। आइए 15 सितम्बर से होने वाले अनिश्चित कालीन धरना में। नगर परिषद के मुख्य द्वार पर बैठ कर हम सभी अपनी मांगों उठाएगें। आखिर कब तक हम जनता की हकमारी बर्दाश्त करते रहेंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस को सेवा पखवाड़ा दिवस के रूप में मनाएगी भाजपा युवा मोर्चा

कटिहार, (हि.स.)। भारतीय जनता युवा मोर्चा की बैठक मंगलवार को भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष गौरव पासवान के अध्यक्षता में आयोजित की गई। गौरव पासवान के आवास पर आयोजित बैठक में भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मोत्सव को सेवा पखवाड़ा दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय, जिला महामंत्री व युवा मोर्चा के जिला प्रभारी सौरभ कुमार मालाकार, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रीना झा, मुख्य रूप से शामिल हुए। बैठक में आगामी 18 सितंबर को युवा मोर्चा के कार्यकर्ता द्वारा रक्तदान करने का निर्णय लिया गया। साथ साथ विभिन्न कार्यक्रमों के निमित्त जिले में चिकित्सा कैंप, आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर कैंप, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जयंती को बूथ स्तर पर मनाने का निर्णय, 24 सितंबर को मन की बात कार्यक्रम को बूथ स्तर पर कार्यकताओं के साथ सुनने के साथ-साथ 02 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा पुरे जिले में स्वच्छता अभियान चलाने का काम करेगी। इस संदर्भ में भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय ने कहा कि भाजपा का युवा मोर्चा कटिहार जिले में सशक्त एवं मजबूत संगठन बनाकर पार्टी को और संगठन के द्वारा दिए गए सभी कार्यों को करने का काम करें और ज्यादा से ज्यादा युवाओं को पार्टी से जोड़े। जिला महामंत्री व युवा मोर्चा के प्रभारी सौरव मालाकार ने कहा कि युवा मोर्चा का कार्यकर्ता पार्टी के हर कार्यक्रम को सफल करने का काम करेगी और निश्चित रूप से मनोनीत जिला अध्यक्ष गौरव पासवान के नेतृत्व में एक बेहतर प्रदर्शन कर कटिहार जिला में आगामी लोकसभा चुनाव एवं विधानसभा चुनाव में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाऐगी। इस मौके पर बैठक में उपस्थित निर्वतमान जिला उपाध्यक्ष रिंकू यादव, मंत्री सोनू सिन्हा, जोक्सन यादव, अभिषेक सिंह गोलू, नवीन यादव, शहीद, सुशील कुमार आदि शामिल हुए।

संपादकीय

'युद्ध' पर छद्म कूटनीति

जी-20 शिखर सम्मेलन के 'नई दिल्ली घोषणा पत्र' में, युद्ध के संदर्भ में, सिर्फ यूक्रेन का ही उल्लेख क्यों किया गया? युद्ध एकतरफा नहीं हुआ करते। उनकी विभीषिकाएं और प्रभाव भी चौतरफा होते हैं। यूक्रेन पर रूस ने आक्रमण किया था, यह वैश्विक तथ्य है, लेकिन आज यूक्रेन भी, पश्चिमी और यूरोपीय देशों की सैन्य मदद पाकर, मास्को तथा अन्य बड़े शहरों पर ड्रोन हमले कर रहा है। रूस के भी अभी तक 2.5 लाख से अधिक सैनिक मारे जा चुके हैं। तोपखाने, जहाज, बख्तरबंद वाहन और शस्त्रागार आदि कितने ध्वस्त हुए हैं, उनकी संख्या भी हजारों में है। यूक्रेन का अधिकांश क्षेत्र तो खंडहर बन चुका है। यूक्रेन अमरीका और नाटो देशों की 'कठपुतली' बना है और 'बलि का बकरा' बनना उसकी नियति है। युद्ध से मिट्टी-मलबा हुए शहर, गांव और इलाकों के पुनर्निर्माण कब तक होंगे, ऐसा कोई आकलन सामने नहीं आया है। युद्ध ने गेहूं, खाद्य तेल, उर्वरक, गैस आदि की, दुनिया की, प्रमुख सप्लाई चेन को तोड़ कर रख दिया है। रूस और यूक्रेन इन वस्तुओं के प्रमुख निर्यातक देश रहे हैं। नतीजतन वैश्विक संकट हमारे सामने है। यदि जी-20 शिखर सम्मेलन, युद्ध की भयावहता को लेकर, चिंतित होता, तो उसका सम्यक उल्लेख किया जाना चाहिए था। रूस और चीन मंथन और विमर्श के दौरान अपनी असहमतियां जता सकते थे। इंडोनेशिया के बाली शिखर सम्मेलन ने युद्ध के लिए रूस की निंदा की थी। उसके घोषणा-पत्र की भाषा अपेक्षाकृत तीखी थी, लिहाजा बड़ी ताकतों का विभाजन अधिक गहरा और तीक्ष्ण हो गया था। रूस भारत का पुराना और आजमाया हुआ 'दोस्त' है, लिहाजा घोषणा-पत्र में जिक्र के कारण ही संबंध खटास में नहीं डाले जा सकते थे, नतीजतन भारत ने आर्थिक और स्थिर विकास पर फोकस रखते हुए संतुलन साधने का प्रयास किया। बेशक जी-20 अर्थव्यवस्था और विकास का ही सबसे बड़ा मंच है, लेकिन दिल्ली घोषणा-पत्र में जो किया गया, वह बहुत बड़ा झूठ और छद्म कूटनीति का उदाहरण है। रूस-यूक्रेन युद्ध आज भी जारी है। भारत अपने मित्र रूस को युद्ध समाप्त करने को सहमत नहीं कर सका है। नई दिल्ली जी-20 में रूस-चीन के प्रतिनिधियों ने ऐसे घोषणा-पत्र से साफ इंकार कर दिया था, जिसमें युद्ध के लिए रूस की निंदा, भत्र्सना की जाती। अंततः दिल्ली को ऐसी भाषा बुननी पड़ी, जो मास्को और बीजिंग को स्वीकार्य थी। हालांकि इसका उल्लेख भी किया गया कि क्षेत्रीय संप्रभुता और अखंडता का सम्मान किया जाए और उस पर किसी भी तरह का बल-प्रयोग न किया जाए। युद्ध के संदर्भ में जी-20 में सहमति और एकता दिखाई दी, लेकिन यह एकता तात्कालिक लगती है। सवाल यह भी है कि बाली घोषणा-पत्र की भाषा को नरम किए जाने पर पश्चिमी देश कैसे सहमत हो गए। वे तो रूस-चीन के प्रति काफी आक्रामक रहते आए हैं। दरअसल वे महसूस करने लगे थे कि ग्लोबल साउथ के देशों में यूक्रेन के मुद्दे पर वे विमर्श की ताकत खो रहे हैं। हालांकि यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर अधिकतर विकासशील देशों ने पश्चिम के साथ ही वोट किए थे, संयुक्त राष्ट्र आम सभा में भी प्रचंड बहुमत रूस के खिलाफ था, लेकिन ग्लोबल साउथ के देश रूस पर चौतरफा पाबंदियां थोपने के निर्णयों के प्रति संकोची या विरोधी रहे हैं। उन्होंने युद्ध के नागरिक समाजों पर व्यापक प्रभावों पर फोकस रखने की पैरवी की है। इससे पहले कोरोना वैश्विक महामारी ने मानवीय समाजों को लगभग चकनाचूर कर दिया था। जी-20 में यूक्रेन को आर-पार का मुद्दा बनाने की बजाय पश्चिमी देशों ने नई दिल्ली और उभरती ताकतों के साथ काम करना चुना, ताकि ग्लोबल साउथ की चिंताओं और उसके सरोकारों पर ध्यान दिया जा सके। अमरीका की प्रत्यक्ष सोच यह थी कि रूस की तुलना में चीन पश्चिम के लिए ज्यादा खतरनाक है, लिहाजा उसने भारत और विकासशील तथा ग्लोबल साउथ के ज्यादा करीब आना तय किया, ताकि चीन का सीधा मुकाबला किया जा सके। यह भारत के कूटनीतिक वर्ग की कामयाबी है कि जी-20 के मंच पर यूक्रेन को लेकर भी विमर्श हुआ और उसे घोषणा-पत्र में स्थान दिया गया। बहरहाल जी-20 का आयोजन भारत की ख्याति और शक्ति में बहुत कुछ जोड़ गया। अब भारत अफ्रीकी देशों का 'बेताज बादशाह' भी करार दिया जा रहा है।

रूस के भी अभी तक 2.5 लाख से अधिक सैनिक मारे जा चुके हैं। तोपखाने, जहाज, बख्तरबंद वाहन और शस्त्रागार आदि कितने ध्वस्त हुए हैं, उनकी संख्या भी हजारों में है। यूक्रेन का अधिकांश क्षेत्र तो खंडहर बन चुका है। यूक्रेन अमरीका और नाटो देशों की 'कठपुतली' बना है और 'बलि का बकरा' बनना उसकी नियति है। युद्ध से मिट्टी-मलबा हुए शहर, गांव और इलाकों के पुनर्निर्माण कब तक होंगे, ऐसा कोई आकलन सामने नहीं आया है। युद्ध ने गेहूं, खाद्य तेल, उर्वरक, गैस आदि की, दुनिया की, प्रमुख सप्लाई चेन को तोड़ कर रख दिया है। रूस और यूक्रेन इन वस्तुओं के प्रमुख निर्यातक देश रहे हैं। नतीजतन वैश्विक संकट हमारे सामने है। यदि जी-20 शिखर सम्मेलन, युद्ध की भयावहता को लेकर, चिंतित होता, तो उसका सम्यक उल्लेख किया जाना चाहिए था। रूस और चीन मंथन और विमर्श के दौरान अपनी असहमतियां जता सकते थे। इंडोनेशिया के बाली शिखर सम्मेलन ने युद्ध के लिए रूस की निंदा की थी। उसके घोषणा-पत्र की भाषा अपेक्षाकृत तीखी थी, लिहाजा बड़ी ताकतों का विभाजन अधिक गहरा और तीक्ष्ण हो गया था। रूस भारत का पुराना और आजमाया हुआ 'दोस्त' है, लिहाजा घोषणा-पत्र में जिक्र के कारण ही संबंध खटास में नहीं डाले जा सकते थे, नतीजतन भारत ने आर्थिक और स्थिर विकास पर फोकस रखते हुए संतुलन साधने का प्रयास किया। बेशक जी-20 अर्थव्यवस्था और विकास का ही सबसे बड़ा मंच है, लेकिन दिल्ली घोषणा-पत्र में जो किया गया, वह बहुत बड़ा झूठ और छद्म कूटनीति का उदाहरण है।

कुछ अलग

हिमाचली आह को सुनें

राष्ट्रीय आपदा के हिमाचली मानक क्या अलग होंगे या डूबते-मरते लोगों के बीच इन आहों पर केंद्र सरकार को भरोसा नहीं। चार सौ के करीब लोगों का भयावह परिस्थितियों में मर जाना या दस हजार मकानों का विनाशलीला में ध्वस्त हो जाना, क्या राष्ट्रीय संवेदना का मानवीय पहलू नहीं है। ऐसी क्या जंजीरें या राष्ट्रीय मानकों का भ्रम है जो पर्वतीय प्रदेश की रूह के कांटे बटोर नहीं पा रहा है। राष्ट्रीय संवेदना के प्रश्नों को दिल में लगाए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू यही बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कह रहे हैं, तो ये सन्नाटे टूटने चाहिएं। आश्चर्य यह कि इतनी सी बात को समझाने के लिए हिमाचल को शीर्षासन की जरूरत न पड़ती, अगर भाजपा के प्रादेशिक नेता और खासतौर पर जगत प्रकाश नड्डा व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर भी इसी पक्ष में वकालत करते। जो लोग आपदा में मर गए उन्हें क्या पता कि मरने के बाद भी मातम में सियासत का दम देखा जाएगा। जो दस हजार मकान गिरे उनके ऊपर न तो कांग्रेस और न ही भाजपा का चिन्ह या नाम चस्पां था, फिर भी केंद्र की निगाह ईमानदारी से हिमाचली परिदृश्य में उभरी सदी की विभीषिका को राष्ट्र की वेदना मंजूर नहीं कर रही। यह हिमाचल के सत्तर लाख लोगों के जीवन में दोहरा अकाल है। एक ओर अब तक की भीषण त्रासदी में न केवल यथार्थ तहस-नहस हुआ, बल्कि प्रगति के अनेक दीपक बुझ गए। मकान, खेत और भविष्य के प्रतीक मिट गए, लेकिन दूसरी ओर इस आह को सुनने की फुर्सत केंद्र के पास नहीं। जब भुज में भूकंप आया था, तब इससे भिन्न त्रासदी नहीं थी। वहां भी मौत के बाजू में जीवन की भयावह तस्वीर केंद्र से पनाह मांग रही थी और कमोबेश ऐसी ही परिस्थितियों में जब हिमाचल में फ्लैश फ्लड आ रहे थे और बादल फट रहे थे, तो जनता भयभीत होकर अपना सर्वस्व खो रही थी। आश्चर्य यह भी कि केदार नाथ के पहाड़ों में उत्तराखंड का दर्द तो केंद्र सरकार को महसूस हो गया, लेकिन इसी तरह के पहाड़ी दर्द में कराहते हिमाचल को अनसुना किया जा रहा है। पहाड़ धंसने या अधिकतम बारिश बरसाने के लिए हिमाचल का न कोई अलग बादल रहा है और न ही आकाश। आपदा आने की खबर अगर भुज या केदारनाथ से केंद्र सरकार के खजाने खोल सकती है, तो हिमाचल के विनाश की दास्तान क्यों नहीं पहुंची। क्या पूर्व में भाजपा सरकार की अहम भूमिका में रहे नेताओं ने खुद को इससे अलहदा कर लिया या विपक्ष में चले जाने का अर्थ केवल राज्य सत्ता का विरोध करना ही है और यही हो रहा है।

भारत को 'सोने की चिड़िया' के रूप में जाना जाता रहा है और भारतीय सनातन संस्कृति का लोहा पूरे विश्व ने माना है

भारतीय संस्कृति वैश्विक अर्थव्यवस्था का केंद्र बिंदु बनने की ओर अग्रसर

प्रहलाद सबनानी

भारत आदि काल से ही एक जीता जागता राष्ट्र पुरुष है, यह मात्र एक जमीन का टुकड़ा नहीं है। भारत के कंकड़ कंकड़ में शंकर का वास बताया जाता है। हाल ही के कुछ वर्षों में भारत के आर्थिक विकास में विरासत पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है और भारत में आर्थिक विकास के साथ ही सांस्कृतिक विकास पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है। जिसके चलते अन्य देशों की तुलना में भारत की आर्थिक विकास दर मजबूत बनी हुई है। बल्कि अब तो अन्य कई देश, विकसित देशों सहित, भी अपने आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं के हल हेतु एवं अपने आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से भारतीय सनातन संस्कृति की ओर आकर्षित हो रहे हैं। भारत ने राजनैतिक स्वतंत्रता 75 वर्ष पूर्व ही प्राप्त कर ली थी, परंतु भारत की सनातन संस्कृति आदि काल से चली आ रही है एवं लाखों वर्ष पुरानी है। भारत को 'सोने की चिड़िया' के रूप में जाना जाता रहा है और भारतीय सनातन संस्कृति का लोहा पूरे विश्व ने माना है। धर्म, दर्शन, विरासत, तीज, त्यौहार, जायका और अनेकता में एकता के दर्शन करने को पूरी दुनिया भारत की ओर आकर्षित होती रही है। भारत को देव भूमि भी कहा गया है, यह अर्पण की भूमि है, यह तर्पण की भूमि है और यह समर्पण की भूमि है।

भारत के कंकड़ कंकड़ में शंकर का वास बताया जाता है। हाल ही के कुछ वर्षों में भारत के आर्थिक विकास में विरासत पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है और भारत में आर्थिक विकास के साथ ही सांस्कृतिक विकास पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है। जिसके चलते अन्य देशों की तुलना में भारत की आर्थिक विकास दर मजबूत बनी हुई है। बल्कि अब तो अन्य कई देश, विकसित देशों सहित, भी अपने आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं के हल हेतु एवं अपने आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से भारतीय सनातन संस्कृति की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

हाल ही के समय में भारत की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने, संवारने और उसकी संवृद्धि के लिए विशेष रूप से पिछले दशक के दौरान अथक प्रयास किए गए हैं। हजारों वर्षों की भारतीय सभ्यता और संस्कृति का आकर्षण ही कुछ ऐसा है कि कितने ही झंझावात क्यों न आए परंतु भारतीय सनातन संस्कृति अटूट रही। हालांकि कुछ देशों, जैसे ग्रीक, यूनान, ईरान आदि, की तो सभ्यताएं ही समूल नष्ट हो गईं।

भारतीय सनातन संस्कृति ने न केवल भारत को एकता के सूत्र में पिरोया है बल्कि पूरे विश्व को ही भारत के साथ जोड़ा है। अब तो भारत में 'एक भारत – श्रेष्ठ भारत' के रूप में एक महत्वपूर्ण अध्याय लिखा जा रहा है। भारत ने जी-20 समूह के देशों की अपनी अध्यक्षता के दौरान कई अतुलनीय कार्य किए है। पिछले लगभग एक वर्ष के अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सदस्य देशों की 200 से अधिक बैठकों का भारत के विभिन्न शहरों में आयोजन कर भारत ने पूरी दुनिया के समस्त देशों को चौंका दिया है। इस दौरान, भारत ने पूरी

दुनिया को ही अपनी महान गौरवशाली सनातन संस्कृति, वैभवशाली विरासत, आध्यात्मिक क्षेत्र, आर्थिक विकास, आदि का परिचय देने में सफलता हासिल की है।

भारत ने हाल ही के वर्षों में अपनी आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं को हल करने एवं अपनी आर्थिक विकास दर को तेज करने में जो सफलता पाई है वह मुख्य रूप से भारत की सनातन संस्कृति एवं परम्पराओं का पालन करते हुए ही प्राप्त की जा सकी है। इसके ठीक विपरीत विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद से विश्व के कई विकसित देश अभी तक कई प्रकार की आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। पूंजीवाद पर आधारित आर्थिक नीतियों के पालन से पश्चिमी देशों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं रही है। विकसित देशों में आज परिवार की प्रधानता एक तरह से समाप्त हो चुकी है। इस संदर्भ में यहां विशेष रूप से अमेरिका की स्थिति का उदाहरण दिया जा सकता है। अमेरिका में आज सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो चुका है। दंपतियों में तलाक की दर बहुत अधिक हो गई है जिसके चलते बच्चे केवल अपनी मां के पास रह जाते हैं एवं बड़ी संख्या में बच्चों को अपने पिता के बारे में जानकारी ही नहीं है।

अमेरिका में प्रत्येक 100 नागरिकों पर बंदूकों के 120 लायसेंस जारी किए गए हैं, अर्थात कुछ नागरिकों के पास एक से अधिक बंदूक उपलब्ध है। बंदूक की सहज उपलब्धता के कारण आज अमेरिका में हिंसा की दर बहुत अधिक हो गई है। अमेरिका में प्रति एक लाख की जनसंख्या पर पुलिस के 978 कर्मचारी तैनात है। इसके बावजूद, वर्ष 2020 में अमेरिका में मास शूटिंग (जिसमें 4 अथवा इससे अधिक नागरिकों की मृत्यु हो गई थी) की 610 घटनाएं हुईं। वर्ष 2021 में 690, वर्ष 2022 में 647 एवं इस वर्ष 9 मई 2023 तक 203 मास शूटिंग की घटनाएं हो चुकी हैं। वर्ष 2017 में जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में प्रति एक लाख की जनसंख्या पर 17.2 हत्या की घटनाएं हुईं थी, जबकि अफ्रीका में 13, एशिया में 2.6 एवं पूरे विश्व में औसत 6 हत्या की घटनाएं हुईं थी।

विकसित देशों में पारिवारिक व्यवस्था के छिन्न भिन्न होने के कारण बुजुर्गों को सरकार की मदद पर निर्भर रहना होता है। अतः इन देशों की सरकारों को सामाजिक सुविधाओं पर भारी भरकम राशि खर्च करनी होती है। कई विकसित देशों में तो बुजुर्गों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है जिसके चलते इन देशों को अपने बजट का बहुत बड़ा भाग सामाजिक सुविधाओं पर खर्च करना पड़ रहा है। फ्रान्स अपने कुल बजट का 31 प्रतिशत हिस्सा सामाजिक सुविधाओं पर खर्च कर रहा है, इसी प्रकार इटली 28 प्रतिशत, जर्मनी 26 प्रतिशत एवं अमेरिका 19 प्रतिशत हिस्सा सामाजिक सुविधाओं पर खर्च कर रहा है। सामाजिक सुविधाओं पर भारी भरकम खर्च के कारण इन देशों की आर्थिक स्थिति चरमरा गई है एवं इन देशों में प्रति व्यक्ति औसत ऋण बहुत अधिक हो गए हैं। अमेरिका में तो कुल सकल घरेलू उत्पाद का 136 प्रतिशत कर्ज लिया जा चुका है। आज ऋण पर ब्याज के भुगतान हेतु भी कुछ देशों को कर्ज लेना पड़ता है। अमेरिका में विश्व की लगभग 4 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती हैं परंतु पूरे विश्व में उत्पादित की जा रही बिजली के लगभग 30 प्रतिशत भाग का उपयोग अमेरिकी नागरिकों द्वारा किया जा रहा है। इसी प्रकार पूरे विश्व के पेट्रोल एवं डीजल के 36 प्रतिशत भाग का उपयोग अमेरिका में होता है। इस प्रकार पूरे विश्व के पर्यावरण को विकसित देश विपरीत रूप से प्रभावित कर रहे हैं। उक्त वर्णित कारणों से अमेरिका का बजटीय घाटा भी बहुत दयनीय स्थिति में पहुंच गया है। साथ ही निर्यात की तुलना में आयात बहुत अधिक हो गया है, इससे कुल विदेशी व्यापार भी ऋणात्मणक हो गया है। अतः कुल मिलाकर पूंजीवाद पर आधारित पश्चिमी आर्थिक दर्शन पूर्णतया असफल हो चुका है। पश्चिमी दर्शन की विचारधारा के ठीक विपरीत, भारतीय संस्कृति के अनुसार, व्यक्तिवाद के ऊपर परिवार, समाज, राष्ट्र, सृष्टि एवं परमेशटी को क्रमशः माना गया है।

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का अर्थशास्त्र

23 अगस्त 2023, एक ऐतिहासिक दिवस माना जाएगा, जब भारत के चंद्रमा मिशन के चंद्रयान-3 ने चंद्रमा पर पहुंचकर सॉफ्ट लैंडिंग करने में सफलता प्राप्त की। यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का तीसरा चंद्रमा मिशन था और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव में पहुंचने वाला यह दुनिया का पहला अंतरिक्ष यान था। इस मिशन की शुरुआत 14 जुलाई 2023 को शुरू की गई थी और 23 अगस्त 2023 को लैंडर विक्रम, चंद्रमा की सतह पर उतर गया। गौरतलब है कि भारत का पहला चंद्रमा मिशन चंद्रयान-1 अक्टूबर 22, 2008 को छोड़ा गया था और यह चंद्रमा की संरचना, खनिज विज्ञान और उसकी सतह की विशेषताओं का अध्ययन करने के लिए कई उपकरणों को साथ लेकर गया था। चंद्रमा के बारे में हमारी समझ विकसित करने में इस अभियान का महत्वपूर्ण योगदान रहा। चंद्रयान-2, 22 जुलाई, 2019 को छोड़ा गया था, इसमें एक ऑर्बिटर, लैंडर और एक रोवर शामिल था। लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना था, लेकिन विक्रम लैंडिंग स्थल से लगभग 600 मीटर दूरी पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, लेकिन इस अभियान का ऑर्बिटर अभी भी काम कर रहा है और चंद्रमा के बारे में आंकड़े एकत्र कर रहा है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का तीसरा चंद्रमा मिशन था और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव में पहुंचने वाला यह दुनिया का पहला अंतरिक्ष यान था। इस मिशन की शुरुआत 14 जुलाई 2023 को शुरू की गई थी और 23 अगस्त 2023 को लैंडर विक्रम, चंद्रमा की सतह पर उतर गया। गौरतलब है कि भारत का पहला चंद्रमा मिशन चंद्रयान-1 अक्टूबर 22, 2008 को छोड़ा गया था और यह चंद्रमा की संरचना, खनिज विज्ञान और उसकी सतह की विशेषताओं का अध्ययन करने के लिए कई उपकरणों को साथ लेकर गया था। चंद्रमा के बारे में हमारी समझ विकसित करने में इस अभियान का महत्वपूर्ण योगदान रहा। चंद्रयान-2, 22 जुलाई, 2019 को छोड़ा गया था, इसमें एक ऑर्बिटर, लैंडर और एक रोवर शामिल था। लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना था, लेकिन विक्रम लैंडिंग स्थल से लगभग 600 मीटर दूरी पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, लेकिन इस अभियान का ऑर्बिटर अभी भी काम कर रहा है और चंद्रमा के बारे में आंकड़े एकत्र कर रहा है।

चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने के बाद भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण मुकाम पर पहुंच चुका है। यानी कहा जा सकता है कि भारत का चंद्रमा मिशन अभी तक काफी हद तक सफल रहा है। दुनिया में मात्र कुछ ही देश ऐसे हैं, जिनका अपना एक स्वआधारित अंतरिक्ष कार्यक्रम है। भारत के अलावा संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी, जापान, कनाडा, साऊथ कोरिया, इजराइल आदि के अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम हैं। लेकिन देखा जाए तो भारत दुनिया का चौथा ऐसा देश है, जिसने चंद्रमा की सतह पर अपना अंतरिक्षयान उतारा है, लेकिन चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर वाहन उतारने वाला भारत पहला देश है। माना जाता है कि चंद्रमा की खुरदरी सतह और गुरुत्वाकर्षण के अभाव में चंद्रमा पर अंतरिक्षयान उतारना काफी कठिन है। भारतीय वैज्ञानिकों ने समझ-बूझ और चतुराई से लैंडर विक्रम को चंद्रमा पर उतारा है, जिसके लिए भारतीय वैज्ञानिक बधाई के पात्र हैं। अमरीका दुनिया की आर्थिक, सामरिक एवं तकनीक की महाशक्ति माना जाता है, इसलिए स्वाभाविक तौर पर अमरीका द्वारा सबसे पहले चंद्रमा मिशन शुरू किया गया था। भारत ने अपने अंतरिक्षयान आर्यभट्ट को वर्ष 1975 में अंतरिक्ष की कक्षा में भेजा था। 358 किलोग्राम के इस अंतरिक्षयान में पृथ्वी के वातावरण और रेडिएशन बेल्ट के अध्ययन के लिए वैज्ञानिक उपकरणों को भेजा गया था। उसके बाद 1982 से प्रारंभ इनसेट अंतरिक्षयानों को भेजने की प्रक्रिया शुरू हुई और वर्तमान में भारत के 17 इनसेट अंतरिक्षयान अंतरिक्ष की कक्षा में हैं। तीन चंद्रमा मिशनों के अलावा वर्ष 2013 में भारत ने अपना मंगलयान मंगल ग्रह के लिए छोड़ा था, जो सितंबर 2014 में मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचा और अभी भी वह मंगल ग्रह का अध्ययन कर रहा है। भारत अपना पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम जल्द ही शुरू करने वाला है। माना जा सकता है कि अमेरिका, रूस और चीन के बाद अब भारत दुनिया के अंतरिक्ष कार्यक्रम का एक प्रमुख खिलाड़ी बन गया है। सामान्य तौर पर भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों की दुनिया भर में प्रशंसा होती है, लेकिन उसके बावजूद भारत में कुछ लोग अंतरिक्ष कार्यक्रम की यह कहकर आलोचना करते हैं कि भारत एक गरीब देश है और यह इस प्रकार के कार्यक्रमों की 'विलासिता' के खर्च को वहन नहीं कर सकता।

उनका यह कहना है कि अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर किए जाने वाले खर्च की बजाय देश में गरीबों के लिए सुविधाएं जुटाने के लिए करना चाहिए। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर किए गए खर्च की बजाय यदि अपने देश की सुरक्षा पर अधिक खर्च किया जाता तो वो बेहतर होगा। लेकिन समझना होगा कि चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भारत के प्रति दुनिया के रवैये में महत्वपूर्ण बदलाव आने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अमृतकाल के प्रारंभ में ही भारत के चंद्रयान-3 की सफलता इस अमृतकाल में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की तरफ पहला कदम है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से दुनिया की जीडीपी रैंकिंग में भारतवर्ष 2014 में 10वें स्थान से आगे बढ़ता हुआ वर्ष 2023 में 5वें स्थान पर पहुंच गया है और 2025 तक यह चौथे स्थान पर और वर्ष 2028 तक तीसरे स्थान तक पहुंच सकता है। क्रय शक्ति समता के आधार पर भारत पहले से ही 12 अरब डालर से अधिक की जीडीपी के साथ तीसरे स्थान पर पहुंचा हुआ है। दुनिया में अंतरिक्ष मिशनों की बड़ी लागत रही है, लेकिन भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों का बजट दुनिया के लिए एक मिसाल है। चंद्रमा मिशन की बात करें तो चंद्रयान-3 का बजट मात्र 615 करोड़ रुपए (750 लाख अमरीकी डॉलर) का ही है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की खासियत यह है कि 'इसरो' देश की अपनी प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ दुनिया के साथ साझेदारी करता है। जिस किफायत के साथ भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम संचालित होता है, यह दुनिया को अचंभे में डालने वाला है। दुनिया का एक बड़ा अंतरिक्ष कार्यक्रम वाली निजी कंपनी के स्वामी एलन मस्क ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की तारीफ की है कि हॉलीवुड की एक विज्ञान फिल्म इंटरस्टेलर की लागत 165 मिलियन अमरीकी डालर थी, जिसकी तुलना में भारत के चंद्रयान-3 मिशन की लागत मात्र 75 मिलियन अमरीकी डालर ही है।

देश दुनीया से

वैश्विक पटल पर हिंदी का वर्चस्व

हिंदी एक समृद्ध भाषिक, साहित्यिक तथा सांस्कृतिक परम्परा की वाहिनी है। यह प्राचीन व सर्वभाषाजननी संस्कृत की पुत्री और उत्तराधिकारिणी है, जिसके कारण यह विभिन्न भारतीय और विदेशी भाषाओं के शब्दों से अपने साहित्य को विशाल और पुष्ट किए हुए है। हिन्दी की इसी विशेषता के कारण यह जाति, धर्म, पंथ और क्षेत्र की सीमाओं को लांघकर विदेशियों में भी अपनी सरलता, लालित्य और सुबोधगम्यता के कारण मानस पटल पर अमिट छाप छोड़ती है। विश्व पटल पर जब भी हिन्दी का नाम आता है, हमें याद आते हैं स्वर्गीय भूतपूर्व प्रधानमन्त्री माननीय अटल बिहारी वाजपेयी और भूतपूर्व विदेश मन्त्री स्वर्गीय श्रीमती सुषमा स्वराज जी। सवर्तमान प्रधानमन्त्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी, जो कि अकसर अपनी विदेश यात्रा के समय अपना वक्तव्य हिन्दी भाषा में दिया करते हैं। भारतीय प्रवासी जो विदेशों में रह रहे हैं, भारत से जाते समय अपने साथ रामचरितमानस, हनुमान चालीसा, श्रीमद्भगवद्गीता, सुन्दरकाण्ड पुस्तिका, सत्यनारायण कथा तथा गंगाजल को अपना सहयात्री बनाया। जहां-जहां वे गए, वहां-वहां पर भारतीय संस्कृति और भाषा की अमिट सुगन्ध छोड़ते गए। यदि भारत के पड़ोसी देशों पर दृष्टि डालें तो हिन्दी लेखन की समृद्धि को प्रोत्साहित करने वाले इन देशों में नेपाल, पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, श्रीलंका और म्यांमार आदि का नाम विशेष उल्लेखनीय है। विश्व के अन्य देशों में भी हिन्दी का प्रचार-प्रसार हो रहा है। अमेरिकी महाद्वीप में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको और क्यूबा। यूरोप महाद्वीप की बात करें तो रूस, जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम, हालैण्ड, नीदरलैण्ड, आसट्रिया, स्विटजरलैण्ड, डेनमार्क, नार्वे, स्वीडन, फिनलैंड, इटली, पोलैण्ड, चेक, हंगरी, रोमानिया, बुलगारिया, यूक्रेन तथा क्रोशिया आदि प्रमुख देशों में हिन्दी अपने पांव प्रसार चुकी है। जापान : जापान का भारत के साथ आध्यात्मिक जुड़ाव है। अपने धर्म के संस्थापक भगवान् बुद्ध की पावन मातृभूमि होने के कारण भारत के प्रति जापानियों की एक श्रद्धा है। साथ ही हिन्दी लेखकों का साहित्य पढने में भी उनकी उत्कण्ठा है। पान के लगभग 850 महाविद्यालयों में हजारों की संख्या में छात्र हिन्दी पढ़ रहे हैं। चीन : चीन के साथ भारत के बहुत पुराने सम्बन्ध हैं। फाह्यान, ह्यूनसांग व इत्सिंग जैसे विद्वानों ने चीनी संस्कृति तथा समाज से भारत को परिचित कराने में अहम भूमिका निभाई है। उसी तरह भारतीय जीवन पद्धति, दर्शन तथा बौद्धमत को चीन में जीवन का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बनाने में अपना जीवन दिया है। प्रो. ची श्येन द्वारा स्थापित भारत विद्या विभाग चीन का एक महत्त्वपूर्ण संस्थान है जहां छात्रों को हिन्दी व संस्कृत का अध्ययन कराया जाता है। प्रो. ची. श्येन ने वाल्मीकि रामायण का, प्रोय चिनहान ने रामचरितमानस का चीनी भाषा में अनुवाद किया है। गोदान, राजदरबारी, जयशंकर प्रसाद और कृष्ण चन्दर की रचनाओं का भी हिन्दी से चीनी भाषा में अनुवाद हो चुका है। कनाडा : कनाडा में हिन्दी का प्रचलन बोलचाल, शैक्षिणिक तथा साहित्यिक भाषा के रूप में बढ़ा है। आज कई पत्र-पत्रिकाओं का कनाडा से प्रकाशन हो रहा है जिनमें विश्वभारती, नमस्ते कनाडा, हिन्दी चेतना, वसुधा आदि प्रमुख हैं। यहां दर्जनों उच्च कोटि के कवि और साहित्यकार हैं जो समय-समय पर कवि सम्मेलनों, कवि गोष्ठियों का आयोजन करते रहते हैं। नार्वे : नार्वे में प्राथमिक कक्षाओं से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक हिन्दी पढ़ाई जाती है। दक्षिणी कोरिया : दक्षिणी कोरिया के दो विश्वविद्यालयों में हिन्दी के विभाग हैं। पौलैण्ड : पौलैण्ड के तीन विश्वविद्यालयों में सुचारू रूप से हिन्दी का अध्ययन और अध्यापन किया जाता है। रूस : रूस के साथ भारत का मैत्री सम्बन्ध काफी पुराना है। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी होता रहता है। यहां प्रारम्भ से ही प्राथमिक स्तर से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक हिन्दी के पठन-पाठन में रुचि ली जाती है। चार विश्वविद्यालयों सहित दर्जनों शैक्षिक संस्थानों में 1500 से अधिक रूसी छात्र हिन्दी का अध्ययन कर रहे हैं। नेपाल : नेपाल और भारत के सांस्कृतिक, भौगोलिक और भाषिक सम्बन्धों से कौन परिचित नहीं है। सम्भवतः इसी विशेषता के कारण नेपाल-भारत के बीच आवागमन के लिए कोई विशेषानुमति की आवश्यकता नहीं होती।

हिन्दी की इसी विशेषता के कारण यह जाति, धर्म, पंथ और क्षेत्र की सीमाओं को लांघकर विदेशियों में भी अपनी सरलता, लालित्य और सुबोधगम्यता के कारण मानस पटल पर अमिट छाप छोड़ती है। विश्व पटल पर जब भी हिन्दी का नाम आता है, हमें याद आते हैं स्वर्गीय भूतपूर्व प्रधानमन्त्री माननीय अटल बिहारी वाजपेयी और भूतपूर्व विदेश मन्त्री स्वर्गीय श्रीमती सुषमा स्वराज जी। सवर्तमान प्रधानमन्त्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी, जो कि अकसर अपनी विदेश यात्रा के समय अपना वक्तव्य हिन्दी भाषा में दिया करते हैं।

दृष्टिकोण

फूल खिला है, फूल खिला है

बरसों पहले आपने दूरदर्शन पर बाल धारावाहिक जंगल बुक ज़रूर देखा होगा। अगर तब नहीं देखा होगा तो कोरोना लॉकडाउन के दौरान समय गुज़ारने के लिए अवश्य देखा होगा। मोगली भी याद होगा और गुलज़ार का लिखा शीर्षक गीत भी, 'जंगल-जंगल बात चली है पता चला है, चड्ढी पहन के फूल खिला है, फूल खिला है।' ऐसा ही एक फूल जो पिछले दस सालों से भारत में खिल रहा है, उसका फलक अब वैश्विक होकर जी-20 को अपने आग़ोश में ले चुका है। जंगल बुक के इस शीर्षक गीत को जी-20 के साथ जोड़ कर इस तरह गाया जा सकता है, 'ख़बर-ख़बर में पता चला है, पता चला है, जी-20 में कमल खिला है, कमल खिला है।' इन पंक्तियों को पढने के बाद अगर आपको शक हो तो आप डंकाधानी में जाकर कमल का जलवा देख सकते हैं। जी-20 के लोगो में जो फूल खिला है, वह कमल का है। कमल का फूल इसलिए कि वह राष्ट्रीय फूल है। फिर भी आप कृपया इसे भारतीय जनता पार्टी से जोडक़र न देखें। भले हर खम्बे पर परिधान मंत्री विभिन्न पोशाकों में हंसते हुए आपका स्वागत करने के इन्तज़ार करते मिलें। यह महज़ एक संयोग है कि कमल का फूल भारत का राष्ट्रीय पुष्प होने के साथ भाजपा के झंडे में भी खिलता है। चूंकि भारत में केन्द्रीय सरकार भाजपा की है, इसलिए जी-20 में भी कमल का फूल खिला है। यह कमाल सिर्फ कमल का ही हो सकता है कि वह न केवल भारत में खिला बल्कि उसने भारतीय जनता पार्टी को विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल होने का मौक़ा देने के बाद पूरे विश्व को अपने आँचल में समेट लिया है। मैं फिर दावे के साथ कह रहा हूँ कि अगर आपने अभी तक जी-20 का लोगो नहीं देखा है तो आपने कुछ नहीं देखा। असगऱ वजाहत के शब्दों में हम कह सकते हैं कि 'जिन लाहौर नहीं वेख्या।' इस लोगो को देखने के बाद लगता है कि पूरी दुनिया सिमट कर एक ग्लोब की शक्ल में कमल के फूल में समा गई है। हो सकता है आप कहें कि जी-20 के लोगो में कमल का क्या काम। लेकिन जब जी-20 के किसी सदस्य देश को कोई ऐतराज़ नहीं तो आप क्यों ख़ामख्वाह चिल्लमपो कर रहे हैं। बावजूद इसके अगर आप कमल के पीछे पड़े रहे और चेतावनी देने के बाद भी न माने तो आपके पीछे ट्रोल सेना छोड़ी जा सकती है। आपको मेरी नेक सलाह है कि अगर आप अपनी मां-बहन को यथासम्मान देते हैं तो कृपया ट्रोल आर्मी से दूर रहें। नहीं तो चीन को उसके घर में घुसकर मारने का दावा करने वाले ये ट्रोल वीर आपका हिन्दोस्तान में जीना दूभर कर सकते हैं। फिर हो सकता है कि आपको उसी पाकिस्तान जाना पड़े, जिसका ताना भाजपा सरकार के मंत्री अक्सर देते रहते हैं। पाकिस्तान जाने पर हो सकता है आपको ग़रीबी, भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजग़ारी, निकम्मेपन और मक्कारी में शायद ही कोई अन्तर देखने को मिले। लेकिन आप चौकीदार की चौकीदारी से अवश्य वंचित हो जाएंगे।

संक्षिप्त पर महत्वपूर्ण

भारत ने अफगानिस्तान को भेजा 50 हजार मीट्रिक टन अनाज

न्यूयॉर्क। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में जानकारी देते हुए बताया कि भारत, अफगानिस्तान का पड़ोसी और विकास भागीदार है। दोनों देश करीबी ऐतिहासिक सभ्यताएं हैं। हम अफगानिस्तान में शांति और स्थायित्व के समर्थक हैं और अफगानिस्तान में मानवाधिकार विकास संबंधी कार्यों की देखरेख कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की 54वीं मानवाधिकार परिषद की बैठक भारत ने बताया कि हमने अफगानिस्तान में 50 हजार मीट्रिक टन अनाज, 28 टन आपदा राहत पैकेज, 200 टन दवाईयां, वैक्सीन और अन्य मेडिकल आइटम भिजवाएं हैं। भारत संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यों में सहयोगी है।

पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों के साथ हो रहा दुर्व्यवहार

काबुल। पाकिस्तान में रह रहे अफगान शरणार्थियों की हालत बद से बदत्तर होती जा रही है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान पुलिस अफगान शरणार्थियों के साथ दुर्व्यवहार कर रहे है। पाकिस्तान में अफगान शरणार्थी परिषद के अधिकारी ने दावा किया कि पाकिस्तानी पुलिस ने कराची में 100 शरणार्थियों को मनमाने ढंग से हिरासत में लिया है। अफगानिस्तान स्थित टोलो न्यूज के मुताबिक, कुछ समय से काबुल और इस्लामाबाद के बीच तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाले अफगान शरणार्थी परिषद के प्रमुख मीर अहमद रऊफ ने कहा, 'पुलिस ने अफगान शरणार्थियों पर भारी जुर्माना लगाया है। उन्होंने अवैध प्रवास के बहाने कार्रवाई की है। यह एक बड़ी चिंता है।

नए कोविड वैरिएंट की आशंकाओं के बीच यूके शीतकालीन टॉप-अप टीके लेकर आया है

लंदन। यूके के स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को चिकित्सकीय रूप से सबसे कमजोर लोगों के लिए अपने शीतकालीन टीकाकरण कार्यक्रम को शुरू करना शुरू कर दिया, जिसे नए सीओवीआईडी संस्करण BA.2.86 के बारे में चिंताओं के बीच अक्टूबर की शुरुआत में योजनाबद्ध तरीके से लागू किया गया था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) ने कहा कि वृद्ध वयस्क देखभाल घरों के निवासियों और घर में रहने वाले लोगों को इस सप्ताह से उनके सीओवीआईडी और फ्लू के टीके लगने शुरू हो जाएंगे और अन्य उच्च जोखिम वाले समूहों को उनकी टॉप अप सुरक्षा प्राप्त करने के लिए आमंत्रित किया जाना शुरू हो जाएगा।

धमकी ▸▸ भारतीय दूतावास को 'बंद' करने और उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को वापस बुलाने के लिए भारत को एक और धमकी भरा कॉल जारी किया

'भारतीय दूतावास बंद करें' : कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो की भारत में 'बेइज्जती' के बीच आतंकवादी समूह की धमकी

- **कॉल कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के दो दिन बाद आई।**

एजेंसी, ओटावा

कनाडा के आतंकवादी समूह ने मंगलवार को ओटावा में भारतीय दूतावास को 'बंद' करने और उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा को वापस बुलाने के लिए भारत को एक और धमकी भरा कॉल जारी किया। यह कॉल कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के दो दिन बाद आई। यह धमकी संदेश ऐसे समय में आया है जब ट्रूडो अपने 36 साल पुराने एयरबस विमान में खराबी आने के बाद अभी भी भारत में हैं। जी20 लीडर्स समिट के लिए भारत आए कनाडाई पीएम की कार्यक्रम में सुस्त मौजूदगी रही। कनाडाई मीडिया के अनुसार, वह आधिकारिक जी20 गाला डिनर में भी मौजूद नहीं थे।

48 घंटे में दूसरी धमकी

धमकी जारी करने वाले आतंकवादी समूह ने कहा कि ट्रूडो के "अपमान" के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार जिम्मेदार है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, पिछले 48 घंटों में यह दूसरी धमकी है। समूह ने कहा कि पीएम मोदी को अपने राजदूत को वापस बुलाना चाहिए "अन्यथा उन्हें परिणाम भुगतने होंगे।" उन्होंने कहा, "अब साबित होता है कि हम जो भी दावा करते हैं वह बिल्कुल सही है। सभी आतंकी कॉल कनाडा से आती हैं और इसके लिए नेतृत्व जिम्मेदार है।"

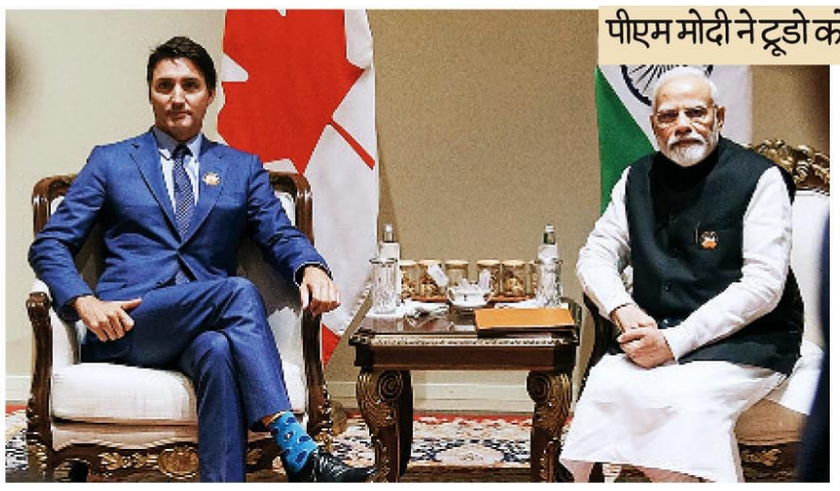

पीएम मोदी ने ट्रूडो को चरमपंथ पर कड़ी चिंता जाहिर की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को वहां चरमपंथी तत्वों की भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में भारत की कड़ी चिंताओं से अवगत कराया, जो अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं, राजनयिकों के खिलाफ हिंसा भड़का रहे हैं और वहां भारतीय समुदाय को धमकी दे रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन से इतर ट्रूडो के साथ बातचीत में मोदी ने यह भी उल्लेख किया कि भारत-कनाडा संबंधों की प्रगति के लिए 'परस्पर सम्मान और विश्वास' पर आधारित संबंध आवश्यक है। मंत्रालय ने कहा, "प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत-कनाडा संबंध साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति सम्मान और दोनों देशों की जनता के बीच मजबूत संबंधों पर आधारित हैं।"

रूस ने पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र में की गोलाबारी

रूस ने पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र में की गोलाबारी, एक ही घर के दो सदस्य की मौत, 3 घायल

- **इस गोलाबारी में दो लोगों की हुई मौत।**
- **अवदीवका शहर में हुई गोलाबारी में दो महिलाएं घायल।**

एजेंसी, कीव

पिछले साल फरवरी 2022 से शुरू हुआ रूस और यूक्रेन का युद्ध थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। दोनों तरफ से काउंटर अटैक का दौर जारी है। मंगलवार को रूस ने पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र में गोलाबारी की है। इस गोलाबारी में दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 3 घायल हुए है। अभियोजक जनरल के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। डोनेट्स्क शहर के पश्चिम में क्रास्नोहोरिव्का शहर में हुई गोलाबारी से 84 वर्षीय महिला और 71 वर्षीय व्यक्ति की उनके घर में ही मौत हो गई। वहीं, इस हमले में एक महिला भी घायल हो गई। इसके अलावा अवदीवका शहर में हुई गोलाबारी में दो महिलाएं घायल हो गईं।

दो दिन पहले भी हुए थे रूसी हमले

रूस लगातार यह कहता आया है कि वह जानबूझकर नागरिकों को निशाना नहीं बनाता है। इस हमले से दो दिन पहले यानी 10 सितंबर को रूस ने सुबह-सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर हवाई हमले किए थे। अधिकारियों ने कहा कि कीव और उसके क्षेत्र में लगभग दो घंटे तक विस्फोट की आवाज गूंजती रही। इस दौरान शहर के कई केंद्रीय जिलों पर ड्रोन का मलबा भी गिरा नजर आया। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, कीव में लगभग पांच विस्फोट सुनाई दिए गए और कई कारें क्षतिग्रस्त हुई। राहत की बात यह रही कि इस हमले में किसी भी जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

भारतीय वायुसेना पहली बार भाग ले रही

हवा में भरा फाइटर प्लेन का फ्यूल, भारतीय वायुसेना का हैरतअंगेज कारनामा देख हो जाएंगे दंग

- **भारतीय वायुसेना अपने हैरतअंगेज कारनामों के लिए जाना जाता है।**
- **कारनामें मिस्र की राजधानी काहिरा में चल रहे ब्राइट स्टार-23 अभ्यास में भी देखने को मिले।**

काहिरा। मिस्र की राजधानी काहिरा में ब्राइट स्टार-23 अभ्यास आयोजित किया जा रहा है। 27 अगस्त से 16 सितंबर तक चलने वाले अभ्यास में भारतीय वायुसेना पहली बार भाग ले रही है। यहां संयुक्त राज्य अमेरिका, सऊदी अरब, ग्रीस और कतर की वायुसेना टुकड़ियां भी मौजूद हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य शामिल देशों के मध्य सामंजस्य स्थापित करना और रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देना है। साथ ही, सीमाओं पार संबंधों को अत्यधिक प्रगाढ़ करना भी है।

IL-78 का हवा में जलवा

भारतीय वायुसेना अपने हैरतअंगेज कारनामों के लिए जाना जाता है। कुछ ऐसे ही कारनामें मिस्र की राजधानी काहिरा में चल रहे ब्राइट स्टार-23 अभ्यास में भी देखने को मिले। अभ्यास के दौरान वायुसेना के हैरतअंगेज कारनामे सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। वीडियों में साफ देखा जा सकता है कि कैसे भारतीय वायुसेना के IL-78 ने हवा में मिस्र के मिग-29 में फ्यूल भरा।

सद्दाम हुसैन की सेना ने कुछ घंटों पहले कुवैत पर हमला किया था

एक कानूनी फर्म ने मंगलवार को यह जानकारी दी

कुवैत में ब्रिटिश एयरवेज के यात्रियों और क्रू को बनाया गया था बंधक, अब 33 साल बाद यूके सरकार और कंपनी पर होगा केस

- **इराक और कुवैत के इस युद्ध में ब्रिटेन के यात्री और चालक दल भी शिकार हुए।**
- **ब्रिटिश सरकार और एयरलाइन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का इरादा किया है।**

लंदन। इराक ने 1990 में कुवैत पर हमला किया था। इराक और कुवैत के इस युद्ध में ब्रिटेन के यात्री और चालक दल भी शिकार हुए। उस युद्ध में ब्रिटिश यात्री और चालक दल को बंधक बनाया गया। अब ब्रिटिश एयरवेज के यात्री और चालक दल के सदस्य जो उस उड़ान में शामिल थे उन्होंने ब्रिटिश सरकार और एयरलाइन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का इरादा किया है। एक कानूनी फर्म ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बीए फ्लाइट 149 के सभी यात्रियों को उस वक्त फ्लाइट से उतार दिया गया जब सद्दाम हुसैन की सेना ने कुछ घंटों पहले कुवैत पर हमला किया था। इस मामले में यात्रियों का आरोप है कि अगर कुवैत के ब्रिटिश राजदूत ने एयरवेज को सूचना दे दी थी तो फिर क्यों उड़ान को वहां लैंड किया गया।

कुछ यात्रियों ने चार महीने से अधिक समय कैद में बिताया

उड़ान में मौजूद 367 यात्रियों और चालक दल में से कुछ ने चार महीने से अधिक समय कैद में बिताया। इराक और कुवैत के चल रहे युद्ध में कुछ यात्रियों को इराकी सेना ने पश्चिमी हमलों के खिलाफ मानव ढाल के रूप में भी पर्योग किया। विमान में सवार पूर्व बीए कर्मचारियों और यात्रियों के एक समूह का प्रतिनिधित्व करते हुए, मैक्यू जूरी एंड पार्टनर्स ने कहा कि उड़ान में मौजूद सभी पीड़ित यह सुनिश्चित करने के लिए कानूनी कार्रवाई कर रहे हैं।

एयरलाइन को पता था कि आक्रमण शुरू हो चुका है

कानूनी फर्म ने कहा कि बंधकों के पास सबूत मौजूद हैं कि यूके सरकार और एयरलाइन को पता था कि आक्रमण पहले ही शुरू हो चुका था लेकिन फिर भी उड़ान को उतरने की अनुमति दी गई। फर्म ने आगे की जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उड़ान का इस्तेमाल कुवैत में पूर्व विशेष बलों और सुरक्षा सेवाओं की एक ब्लैक ऑप्स टीम को शामिल करने के लिए किया जा रहा था।

भारत की बड़ी जीत है

अमेरिका ने कहा- बेहद सफल रहा जी20 शिखर सम्मेलन दिल्ली घोषणापत्र को बताया भारत की जीत

एजेंसी, लीबिया

अमेरिका ने दिल्ली में हुए जी20 समिट के लिए भारत की सराहना करते हुए इसे एक बेहद सफल आयोजन करार दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने प्रेस ब्रीफिंग में जी20 को लेकर कहा, 'हम पूरी तरह से मानते हैं कि ये सफल रहा और दिल्ली घोषणापत्र पर सदस्यों देशों की सहमति भारत की बड़ी जीत है। जी20 एक बड़ा संगठन है जिसके रूस और चीन भी सदस्य हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि वह मानते हैं कि भारत में आयोजित हुआ शिखर सम्मेलन सफल रहा और इसके के लिए भारत के प्रयास तारीफ के काबिल हैं। गौरतलब है कि भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी20 नेताओं का शिखर सम्मलेन रविवार को पूरे उत्साह के साथ खत्म हुआ। इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक अलावा कई देशों के राष्ट्र प्रमुख दिल्ली पहुंचे और ग्लोबल मुद्दों पर चर्चा की। सम्मेलन में दिल्ली घोषणापत्र तैयार किया गया जिसमें सभी देशों से क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता और राजनीतिक स्वतंत्रता बनाए रखने की गुजारिश की गई । हालांकि रूस ने इस घोषणापत्र से दूरी बनाए रखी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि कई सारे ऐसे सदस्य रहे हैं, जिनके अलग-अलग विचार रहे। हम मानते हैं कि जी20 ने एक ऐसा बयान जारी किया, जिसमें क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करने की बात कही गई है। दिल्ली में दो दिनों तक चले इस शिखर सम्मेलन में वैश्विक नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व और ग्लोबल साउथ की आवाज का समर्थन करने के लिए उनकी तारीफ की। प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली घोषणापत्र में कहा गया है कि क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता जैसे सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं किया जाएगा।

2000 मौतों की आशंका

लीबिया में तूफान के बाद बांध टूटा, समुद्र में बहे 5 हजार लोग

- **लीबिया में आई बाढ़ के चलते दो हजार से ज्यादा लोगों के मरने की आशंका है।**
- **बांध टूटने से करीब 330 लाख क्यूबिक मीटर पानी शहर के अंदर घुस गया, जिसने यह तबाही मची।**

एजेंसी, लीबिया

उत्तरी अफ्रीका का देश लीबिया इस वक्त भयंकर बाढ़ की चपेट में है। समुद्री तूफान डैनियल के उत्पात के बाद दो बांध टूटने से लीबिया के शहर डर्ना में हालत बद से बदतर हो चुके हैं। लीबिया में आई बाढ़ के चलते दो हजार से ज्यादा लोगों के मरने की आशंका है। करीब पांच से छह हजार लोगों के लापता होने की सूचना है। अल जजीरा न्यूज चैनल की रिपोर्ट में बताया गया कि तूफान के चलते पहाड़ों से घिरे डर्ना शहर के दो बांध टूट गए हैं। बांध टूटने से करीब 330 लाख क्यूबिक मीटर पानी शहर के अंदर घुस गया, जिसने यह तबाही मची। पूर्वी लीबिया के कंट्रोल वाली लीबियाई राष्ट्रीय सेना के प्रवक्ता अहमद मिस्मारी ने एक टीवी चैनल से कहा कि डर्ना के ऊपर बने बांधों के ढहने से लोग बहकर समुद्र में समा गए। लीबिया के प्रधानमंत्री ओसामा हमद ने सोमवार को टीवी चैनल अल-मसर से बातचीत के दौरान घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूर्वी शहर डर्ना में इस तूफान के चलते 2,000 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की आशंका है। हजारों लोग लापता हैं। सरकारी की तरफ से डर्ना को आपदा क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री ओथमान अब्दुलजलील ने इस आपदा के बारे में सऊदी अरब के न्यूज चैनल अल-अरबिया को कहा था कि डर्ना में बाढ़ से 27 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने लिखा कि लोग सोमवार सुबह सो रहे थे। इसी बीच तेज गति से आया पानी उनके घरों में घुस गया। पानी का स्तर 10 फीट ऊंचा था। पूर्वी लीबिया की संसद में इस घटना के बाद तीन दिन का मौन रखा गया है। यूनाइटेड नेशन की तरफ से इसपर कहा गया कि प्रभावित लोगों को उचित मदद मुहैया कराने का प्रयास किया जा रहा है।

समुद्री तट के किनारे अन्य इलाके प्रभावित

पिछले हफ्ते ग्रीस में तबाही मचाने के बाद डेनियल तूफान रविवार को भूमध्य सागर में प्रवेश कर गया। डर्ना की सड़कों पर पानी भरा हुआ है और इमारतें नष्ट हो गई हैं। डेनियल तूफान ने लीबिया के दूसरे सबसे बड़े शहर बेंगाजी सहित समुद्री तट के किनारे अन्य इलाकों को प्रभावित किया। वहीं, अल जजीरा ने डर्ना के स्थानीय प्रशासन के हवाले से बताया है कि शहर में मौजूद दो बांध टूट गए। बांध टूटने से 330 लाख क्यूबिक मीटर पानी शहर के अंदर घुस गया, जिसने तबाही मचा दी। डर्ना शहर पहाड़ों से घिरा हुआ है।

आईपीएस सर्विस मीट ▸▸ पुलिस का अपराधियों में खौफ और आम जनता में विश्वास होना चाहिए

नासा को मिली 'दूसरी पृथ्वी', पानी से भरा है समुद्र, जीवन के भी मिले संकेत

- **नासा ने कई प्रकाश वर्ष दूर एक विशाल एक्सोप्लैनेट को लेकर किया बड़ा ऐलान।**
- **नासा का कहना इस एक सोप्लैनेट पर एक महासागर हो सकता है।**
- **ग्रह के वातावरण की नई जांच में मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड के भी सबूत।**

एजेंसी, फ्लोरिडा

नासा के वैज्ञानिकों ने कई प्रकाश वर्ष दूर एक विशाल एक्सोप्लैनेट पर एक महासागर के होने का ऐलान किया है। उनकी मानें तो इसके साथ ही इस ग्रह पर संभावित जीवन की तरफ इशारा करने वाला एक रासायन भी मिला है। यह खोज नासा के जेम्स वेब टेलीस्कोप की तरफ से की गई है। नासा की मानें तो जो एक्सोप्लैनेट मिला है वह पृथ्वी से 8 ।6 गुना बड़ा है। साथ ही एजेंसी को के2-18 b ग्रह के वातावरण की नई जांच में मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड समेत कार्बन के प्रभाव वाले अणुओं की उपस्थिति का भी पता चला है।

क्या है के2-18 b

के2-18 b रहने योग्य क्षेत्र में ठंडे एकदम छोटे बौने से तारे के2-18 की परिक्रमा करता है। यह पृथ्वी से 120 प्रकाश वर्ष दूर है। के2-18 b जैसे एक्सोप्लैनेट, जिनका आकार पृथ्वी और नेपच्यून के बीच है, सौर मंडल की किसी भी चीज से काफी अलग हैं। नासा की मानें तो निकटवर्ती ग्रहों की कमी की वजह से इन 'उप-नेपच्यून' को अक्सर कम करके आंका जाता है। इसके अलावा उनके वायुमंडल की प्रकृति खगोलविदों के बीच सक्रिय बहस का विषय है। नासा की मानें तो के2-18 b एक हाइसीन एक्सोप्लैनेट हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कुछ खगोलविद मानते हैं कि यह घटनाक्रम एक्सोप्लैनेट पर जीवन की तलाश की दिशा में नई उम्मीद देती हे।

कैसे मिली जानकारी

जेम्स वेब की खोज हाल के अध्ययनों से जुड़ती है जो बताती है कि के2-18 b एक हाइसीन एक्सोप्लैनेट हो सकता है, जिसमें हाइड्रोजन समृद्ध वातावरण और महासागर से ढंके होने की संभावना है। नासा ने अपनी वेबसाइट पर लिखा है कि इस रहने योग्य क्षेत्र वाले एक्सोप्लैनेट के वायुमंडलीय गुणों के बारे में पहली जानकारी नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप से मिली है। इस नई तलाश ने आगे की रिसर्च के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। नासा की मानें तो इस खोज ने सिस्टम के बारे में उनकी समझ को ही बदलकर रख दिया है।

क्या सोचते हैं वैज्ञानिक

कैमब्रिज विश्वविद्यालय के खगोलशास्त्री और इन नतीजों के बारे में बताने वाले लीड ऑथर निक्कू मधुसूदन ने बताया, 'परंपरागत रूप से, एक्सोप्लैनेट पर जीवन की खोज मुख्य रूप से छोटे चट्टानी ग्रहों पर केंद्रित रही है। लेकिन बड़े हाइसीन दुनिया वायुमंडलीय धारणा के लिए काफी अनुकूल हैं।' मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड का होना और अमोनिया की कमी इसी परिकल्पना का समर्थन करती है कि के2-18 b में हाइड्रोजन लैस वातावरण के नीचे एक महासागर हो सकता है।

महिलाओं के सशक्तीकरण में उरमूल निभा रहा अहम भूमिका : उर्मिला राजोरिया

बीकानेर (हिंस)। उम्दा कारीगरी के उत्कृष्ट प्रदर्शन और पुरानी कला को संजोये रखने, महिलाओं के सशक्तीकरण में हमेशा से ही उरमूल अहम भूमिका निभा रहा है। यह बात मंगलवार को संभागीय आयुक्त उर्मिला राजोरिया ने उरमूल रंगसूत्रा शोरूम के शुभारंभ पर कही। इस अवसर पर बीएसएफ डीआईजी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, उरमूल डेयरी के प्रबंधक बाबूलाल बिश्नोई भी मौजूद थे। राजोरिया ने टीम उरमूल तथा रंगसूत्रा को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गांवों की महिलाओं को स्थायी रोजगार के लिए ऐसे ही आगे बढ़ते हुए गांवों की कला और संस्कृति को जीवित रखा जा सकता है। बीएसएफ के डीआईजी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि हमारी कला और संस्कृति को आज तक आगे बढ़ाने का कार्य उरमूल एवं रंगसूत्रा मिलकर कर रही है। बाबूलाल बिश्नोई ने कहा कि उरमूल डेयरी और उरमूल ट्रस्ट पशुपालकों के साथ महिलाओं के स्थायी रोजगार को हमेशा प्रोत्साहित करते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

सनातन संस्कृति पर टिप्पणी करने वालों को केंद्रीय जलशक्ति मंत्री का दो टूक जवाब, कहा

सहिष्णुता का अभिप्रेत नपुंसकता नहीं

पाली (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एकबार फिर सनातन संस्कृति पर टिप्पणी करने वालों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने दो टूक कहा कि सनातन संस्कृति को मानने वाले लोग विशाल हृदय वाले हैं, सहिष्णु हैं, लेकिन सहिष्णुता का अभिप्रेत नपुंसकता नहीं होता। यह स्पष्ट कर देना देश और दुनिया के सामने आवश्यक है। मंगलवार को यहां प्रेस कांफ्रेंस में सनातन धर्म को लेकर पूछे सवाल पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि सनातन संस्कृति मनुष्य और प्रकृति के हर छोटे जीव के कल्याण की कामना की प्रार्थना करती है। प्राणियों में सद्भावना की बात करती है। क्या सनातन धर्म इतना बेचारा हो गया है कि कोई भी ऐरा-गैरा नत्थु खैरा उसके ऊपर टिप्पणी करे कि हम सनातन को समाप्त कर देंगे। सनातन की एचआईवी, एड्स, कैंसर के साथ तुलना करे। क्या हम लोगों का डीएनए इतना कमजोर हो गया है? क्या हमारा खून इतना पतला और पानी हो गया है कि कोई भी भारत की इस लाखों साल पुरानी सभ्यता और संस्कृति जो निरंतर गंगा की तरह प्रवाहमान रही है, उसको इस तरह से चुनौती देगा। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं आपके माध्यम से, जिन लोगों के पास साहस है, वह एक बार देश-दुनिया में दूसरे भी धर्म हैं, उनके बारे में इस तरह की टिप्पणी करके देखें, उनको किस तरह का हश्र भुगतना पड़ता है। सनातन संस्कृति को मानने वाले लोग विशाल हृदय वाले हैं, सहिष्णु हैं, लेकिन सहिष्णुता का अभिप्रेत नपुंसकता नहीं होता। यह स्पष्ट कर देना देश और दुनिया के सामने आवश्यक है। पत्रकार वार्ता में पाली सांसद पी पी चौधरी, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, प्रदेश महामंत्री जगवीर छाबा, पाली विधायक ज्ञानचन्द पारख, उत्तराखंड के विधायक प्रभारी सहदेव सिंह सहित अनेक भाजपा नेता इस दौरान मौजूद रहे। राज्य की कानून व्यवस्था पर शेखावत ने कहा कि तीन दिन पहले भीलवाड़ा में घर के बाहर खाना खाकर घूम रही महिला का अपहरण कर गैंगरेप होता है। उसको निर्वस्त्र कर छोड़ दिया जाता है, चूंकि लड़की हूं, लड़ सकती हूं, का नारा देने वाली कांग्रेस की राजकुमारी आई थी। उसको कहीं लड़ना नहीं पड़ जाए, राजस्थान के वास्तविक विकास की उसको जानकारी न हो जाए, इसके लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर पुलिस ने गैंगरेप की घटना को झूठी बता दिया। शाम होते-होते हकीकत सामने आई और भीलवाड़ा की पुलिस को आधिकारिक रूप से वीडियो पर बयान जारी करना पड़ता है कि घटना सही थी। ये सरकार इस तरह से अपनी विफलताओं को छुपाने के नमूने प्रदर्शित करती आई है। जल जीवन मिशन में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा द्वारा उनके मंत्रालय पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने पर शेखावत ने कहा कि शायद कांग्रेस प्रवक्ता ने संविधान नहीं पढ़ा है। देश के संविधान में जल राज्य सूची का विषय है। जल जीवन मिशन में डीपीआर बनाने से लेकर ऑपरेट और उसको मेंटेन करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। भारत सरकार का प्रत्यक्ष उसमें कहीं कोई योगदान होता है। उन्होंने कहा कि मैं राजस्थान की सरकार और उनके कारनामों को रोज निर्वस्त्र करता हूं। राजस्थान की सरकार के रोज चिथड़े उधेड़ता हूं। इसलिए ये खिसियानी बिल्ली खंभा नोंचे जैसी बातें करते हैं। शेखावत ने कहा कि केंद्रीय योजनाओं का इंप्लीमेंटेशन में राजस्थान हमेशा पहले, दूसरे या तीसरे पायदान पर रहता था, लेकिन इस भ्रष्टाचारी सरकार के चलते हुए आज वो नीचे के पहले या दूसरे पायदान पर पहुंच गया है। जल जीवन मिशन की बात करूं, जो प्रत्यक्ष मेरे मंत्रालय से जुड़ा हुआ है। राजस्थान को देश में अधिकतम 30 हजार करोड़ रुपए देने के बावजूद राज्य प्रगति में नीचे के राज्यों में शामिल है। जल जीवन मिशन के टेंडर्स में जमकर भ्रष्टाचार हुआ। उन्होंने कहा कि 15 पेपरलीक तक मुख्यमंत्री कहते रहे, कोई कर्मचारी या नेता इसमें सम्मिलित नहीं है। अब अफसर और नेता, दोनों पकड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पिछले वर्ष निकाली जनआक्रोश यात्राओं को देखकर डरी सरकार ने रेवड़ियां बांटने और फ्री की योजनाएं घोषित करने का काम शुरू किया, लेकिन जनता आक्रोशित है और सरकार को बदलने का मानस बना चुकी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गहलोत सरकार का फोकस कुर्सी बचाने पर होने के चलते किसान खून के आंसू रोने के लिए मजबूर है।

ब्रज भाषा अकादमी की ओर से रचनाकार पुरस्कार समारोह आयोजित

जयपुर (हिंस)। राजस्थान मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गोपाल कृष्ण व्यास ने कहा है कि ब्रज भाषा में जो आत्मीयता है वह अपने आप में लाजवाब व अनूठी है। मंगलवार को जयपुर के झालाना संस्थानिक क्षेत्र स्थित अकादमी संकुल के सभागार में राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी की ओर से आयोजित रचनाकार पुरस्कार समारोह में व्यास ने कहा कि ब्रज की माटी में जो गुण है वह उसकी बोली में भी झलकती हैं। यह आयोजन व्यास के सानिध्य में आयोजित किया गया था जिसमें राज्य मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रमेश बोराणा, राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण शर्मा, सचिव गोपाल लाल गुप्ता तथा उर्दू संस्कृत, बाल साहित्य, ललित कला एवं सिंधी अकादमियों के अध्यक्ष व पदाधिकारी भी मौजूद थे। समारोह में अकादमी की ओर से पांच श्रेणियों में रचनात्मक कार्य करने वाले 15 रचनाकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षा, कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्त्व मंत्री डॉ. बीडी कल्ला का ब्रजभाषा लिखित अभिभाषण भी पढ़कर सुनाया गया। इसमें बृज भाषा के प्रसिद्ध कवि रसखान की कुछ पंक्तियां का जिक्र भी किया गया। समारोह में राज्य मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष रमेश बोराणा ने कहा कि ब्रज क्षेत्र से जो अटूट लगाव रखते हैं उसी का नतीजा है कि वे लोगों तक इस भाषा में अपनी बात को बहुत आसानी से पहुंचा सके हैं। उन्होंने कहा कि रचनाकरों एवं साहित्यकारों की पुरस्कार राशि बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने अकादमी द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए पूरी टीम को आयोजन के लिए बधाई दी। समारोह में उपस्थित विशेष पाहुने गजलकार लोकेश कुमार साहिल ने कहा कि अगर हिंदी भाषा में से ब्रज, अवधि, कन्नौजी भाषाएं निकाल दी जाएं तो हिंदी में कुछ नहीं बचेगा। इस अवसर पर अकादमी की त्रैमासिक पत्रिका ब्रजशतदल, बीकानेर निवासी प्रमिला गंगल के बाल कविताओं पर आधारित ब्रजभाषा बालकाव्य संग्रह *ब्रजसखा* तथा भरतपुर के शिक्षक नरेंद्र निर्मल के मोनोग्राफ का विमोचन भी किया गया।

अंबाला में होम्योपैथिक मेडिकल कालेज के अस्पताल का अनिल विज ने किया उद्घाटन

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने मंगलवार को अंबाला छावनी के रामपुर में 60 लाख रुपए की लागत से उत्तर भारत के पहले होम्योपैथिक मेडिकल कालेज के राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल का उदघाटन कर क्षेत्रावासियों को सौगात दी है। इस मौके पर मंत्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी के सेहरा में और एक नगीना जुड़ गया हैं। उन्होंने कहा कि अम्बाला छावनी के चंदपुरा में 65 करोड़ रुपए की लागत से होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज बनने जा रहा है। आज जिस अस्पताल का उद्घाटन किया गया है वह मेडिकल कॉलेज बनने के बाद इस अस्पताल को वहां पर शिफ्ट कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नियमानुसार किसी भी मेडिकल कॉलेज को क्रियान्वित करने से पहले एवं विद्यार्थियों को एडमिशन देने से

पहले अस्पताल का दो साल पहले चलना जरूरी होता हैं। आयुष मंत्री ने कहा कि अस्पताल के पास ही चंदपुरा में 65 करोड़ रुपए की लागत से जो मेडिकल कॉलेज बनाया जा रहा है, हम चाहते है कि जिस दिन कॉलेज बनकर तैयार हो, उसी दिन से वहां पर विद्यार्थियों की एडमिशन शुरू हो जाए और मैरिट के आधार पर तथा निर्धारित मापदंडों के तहत यहां पर एडमिशन होगी। उन्होंने कहा कि राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होगी, जिसमें 20 बैड के साथ-साथ दो प्राइवेट रूम, माईनर ओपीडी, डिलीवरी के लिए लेबर रूम के साथ-साथ यहां पर जल्द ही एक्स-रे व अल्ट्रासाउंड मशीन भी उपलब्ध होगी। यह राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल हरियाणा से लगते प्रदेशों में पहला राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल हैं। आयुष मंत्री विज ने कहा कि हरियाणा सरकार आयुष पद्धति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। इसीलिए आयुष मंत्रालय एवं आयुष विभाग अलग से बनाया गया। आयुष मंत्री अनिल विज ने कहा कि राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल बनने से आसपास के लोगों को फायदा होगा। इसके नजदीक करधान में केंद्र की योजना के तहत राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) बनाया जा रहा है। अब जो टेस्ट दिल्ली में होते थे अब वह अंबाला में होंगे।

आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू

राजौरी (हिंस)। जम्मू संभाग के राजौरी जिले के नरला गांव में मंगलवार को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। विशिष्ट सूचना पर कार्रवाई करते हुए सेना और पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की संयुक्त टीम ने राजौरी के नरला गांव में इलाके की घेराबंदी करते हुए आतंकवादियों की तलाश में अभियान शुरू किया। क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों को पास आते देखकर गोलीबारी की, जिस पर जवाबी कार्रवाई की गई और मुठभेड़ शुरू हो गई। समाचार लिखे जाने तक मुठभेड़ जारी है। जम्मू जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि अभियान फिलहाल जारी है।

इनेलो को कांग्रेस से कोई परहेज नही : अभय चौटाला

रेवाड़ी (हिंस)। इनेलो को कांग्रेस से कोई परहेज नही है। कांग्रेस को भी इनेलो से परहेज नहीं करना चाहिए। अभय चौटाला ने बताया कि 25 सितंबर को कैथल में पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की जयंती सम्मान दिवस के रूप में मनाई जाएगी। इस दिन बड़ी रैली की जाएगी। जिसमें इंडिया अलाइंस के तमाम नेताओं को न्योता भेजा गया है। एलनाबाद से विधायक अभय चौटाला मंगलवार को रेवाड़ी में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। चौटाला ने कहा कि रैली में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा लालू प्रसाद यादव, फारूख अब्दुला, उद्धव ठाकरे, सतपाल मलिक, सुखबीर बादल, जयंत चौधरी सहित तमाम नेता आएंगे। कांग्रेस को न्योता देने के सवाल पर कहा कि इस पर कल गुरुग्राम में होने वाली बैठक में विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल एक नेता नहीं बल्कि संस्था थे। मुझे नहीं लगता कि उनके सम्मान में होने वाले कार्यक्रम में कोई नेता आने से गुरेज करेगा। उन्होंने कहा कि मैंने चौधरी बीरेन्द्र सिंह को भी न्योता दिया है। वे भी आएंगे। अभय चौटाला ने जननायक जनता पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जेजेपी का जनाधार सिमट चुका है। अब सिर्फ कुछ स्वार्थी लोग ही वहां बचे हैं। इसलिए तो वे अब हरियाणा को छोड़कर

राजस्थान का रूख कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा जनसंवाद में लोगों को बेइज्जत किया जा रहा है। महिलाओं से दुर्व्यवहार किया जा रहा है। सीएम को माफी मांगनी चाहिए। हरियाणा में भाजपा की हालत बेहद खराब है। उन्होंने रेवाड़ी की दुर्दशा के लिए भी प्रदेश सरकार को दोषी ठहराया है। भाजपा अपने लोगों को ठेके दिलाकर लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में इनेलो परिवर्तन लाने का काम करेगी।

भ्रष्ट लोगों को गहलोत का संरक्षण : भरत सिंह

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ रही हैं। कोटा के सांगोद से कांग्रेस विधायक भरत सिंह कुंदनरपुर ने सीएम अशोक गहलोत पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुंडन करा लिया है। उन्होंने अपने बाल सीएम को भेजे हैं। इसे लेकर विधायक भरत ने गहलोत को एक पत्र भी लिखा है। विधायक भरत ने अपने पत्र में खान और गोपालन मंत्री प्रमोद जैन भाया पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भरत ने अपने पत्र में लिखा कि आपने भाया के भ्रष्टाचार को खुला समर्थन दिया है। झोपड़ियां गांव को कोटा में शामिल नहीं किया। गांधीवादी अशोक गहलोत को यह शोभा नहीं देता। आपका ईमान मर चुका है, ईमान के मरने पर मैं मुंडन करवाकर अपने केश आपको भेंट कर रहा हूं। कृपया यह तुच्छ भेंट स्वीकार करें। महात्मा गांधी को याद कर उनके बताए गए सात पाप पर चिंतन करें। मुख्यमंत्री का यह पद स्थाई नहीं है। मुंडन कराने को लेकर कांग्रेस विधायक भरत सिंह ने कहा कि मैं लंबे समय से कुछ मुद्दे सीएम गहलोत के सामने रख रहा था। उनकी मजबूरी रही होगी जो उन्होंने मेरी बातों पर ध्यान नहीं दिया और कुछ भ्रष्ट लोगों को संरक्षण देने में लगे रहे। भरत ने कहा कि शासन करने वालों की कुछ मजबूरियां होती हैं, लेकिन, मुख्यमंत्री गांधीवादी नेता माने जाते हैं और वे गांधीवादी बात भी करते हैं। गांधीजी का पूरा जीवन सत्य पर आधारित था। इसलिए मैंने उनसे कहा है कि आपका ईमान मर चुका है। हमारी संस्कृति में जब भी कोई मरता है तो मुंडन कराते हैं, मुझे मुख्यमंत्री का ईमान मरते हुए दिखा, इसलिए मैंने मुंडन कराया है। भरत सिंह ने ये भी कहा कि अब मैं ऐसा ही रहूंगा। जनता को पता रहेगा कि मैंने किन मुद्दों को लेकर मुंडन कराया था। सीएम गहलोत मुख्यमंत्री रहें या ना रहें, उन्हें ये बोझ लेकर चलना पड़ेगा।

भिवानी के नासिर-जुनैद मॉब लिंचिंग कांड में मोनू मानेसर को नूंह पुलिस ने हिरासत में लिया

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा के भिवानी में नासिर-जुनैद मॉब लिंचिंग कांड के सिलसिले में मोनू मानेसर को मंगलवार को हिरासत में लिया गया है। नूंह के सीआईए स्टाफ ने उसे गांव मानेसर की मार्केट से पकड़ा है। मोनू मानेसर के खिलाफ हरियाणा में भी फरवरी, 2023 में एक केस दर्ज किया गया था। सीआईए स्टाफ की पकड़ में आये मोनू मानेसर पर भिवानी में राजस्थान के नासिर-जुनैद हत्याकांड में शामिल होने का आरोप है। इसे लेकर काफी समय से मोनू मानेसर को राजस्थान पुलिस पूछताछ के लिए बुला रही थी। वह पिछले 8 महीने से वहां पर जाने से बच रहा था। पुलिस ने कई बार मोनू मानेसर को नोटिस भी दिए, लेकिन वे राजस्थान पुलिस के पास नहीं गया। नूंह पुलिस ने 28 जुलाई को आईटी एक्ट के तहत उसके खिलाफ एक केस दर्ज किया था, लेकिन यह केस सार्वजनिक नहीं हो पाया। मंगलवार को नूंह पुलिस ने मोनू मानेसर को उस समय हिरासत में लिया, जब वह मानेसर में ही एक पंचायत में भाग लेने गया था। मोनू को हिरासत में लेने के बाद स्थानीय पुलिस ने राजस्थान पुलिस को सूचित कर दिया है। मोनू मानेसर को हिरासत में लिए जाने के बाद नूंह के भीष्म मंदिर में उसके समर्थन में पंचायत बुलाई गई। पुलिस को इनपुट मिले हैं कि पंचायत के लिए जुटने वाली भीड़ उग्र होकर थाने पर हमला करके मोनू मानेसर को छुड़वाने का प्रयास कर सकती है। हरियाणा के भिवानी में 16 फरवरी, 2023 को बोलेरो गाड़ी में दो जली हुई लाशें मिलीं थीं। जांच में पता चला था कि ये लाशें राजस्थान के गोपालगढ़ के जुनैद और नासिर की हैं। इन हत्याओं में मोनू मानेसर उर्फ मोहित यादव का नाम भी सामने आया। इसके बाद राजस्थान के भरतपुर थाना में मोनू मानेसर सहित अन्य लोगों पर विभिन्न धाराओं में केस दर्ज करने की खबरें आई। पुलिस इस केस में फरार 8 आरोपियों की फोटो भी जारी कर चुकी है।

सरकार 400 कालोनियों को जल्द नियमित करेगी : कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। वर्तमान हरियाणा सरकार लोगों को मूलभूत आवश्यकताएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में गरीबों के सिर पर छत प्रदान करने के उद्देश्य से सरकार ने योजना तैयार कर ली है, जिसके तहत 1 लाख गरीब लोगों को मकान दिए जाएंगे। यह कहना था स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल का। वे मंगलवार को जगाधरी शहर में बहुत सी जगह जन संपर्क कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना के तहत गांव में लाल डोरा मुक्त कर लोगों को उनकी संपत्ति का मालिकाना हक दिया गया है। शहरों में भी 4 हजार लोगों ने शहरी स्वामित्व योजना का लाभ उठाया है। इसके अलावा, सरकार ने 450 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित किया है तथा 400 और ऐसी कॉलोनियों को आगामी 2 माह में नियमित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान कर रही है। वृद्धावस्था सम्मान भत्ता से लेकर छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, आवास योजना इत्यादि योजनाओं के माध्यम से नागरिकों का कल्याण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में परिवार पहचान पत्र योजना की शुरुआत की, जिसकी मदद से पीले राशन कार्ड व पेंशन जैसी सुविधाएं लोगों को घर बैठे ही मिल रही हैं। वर्तमान सरकार ने नौकरियों में होने वाले भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया, जिसके कारण सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता आई है। इस दौरान भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष निश्चल चौधरी, भाजपा जिला मीडिया प्रमुख कपिल मनीष गर्ग बहुत से लोग साथ रहे।

मोदी सरकार ने देश का गौरव बढ़ाया : जनरल (रि.) वीके सिंह

जयपुर/राजसमन्द (हिंस)। केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेना प्रमुख जनरल (रि.) वीके सिंह ने कहा है कि जब से केंद्र में मोदी सरकार आयी है, तब से भारत का मान सम्मान गौरवशाली हुआ है। 2014 से पूर्व की स्थिति व 2014 के बाद की स्थिति सब के सामने है। आज पूरा विश्व भारत की तरफ देख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कार्य किए हैं, उसके बाद विश्व नतमस्तक होकर भारत की बात मान रहा है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने देश में जो योजनाएं लागू कीं है, वो सभी जनकल्याणकारी साबित हुई हैं। देश में जो आज तेजी से विकास हो रहा है, वो मोदी सरकार की देन है। जनरल (रि.) वीके सिंह मंगलवार को नाथद्वारा में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। प्रेस कांफ्रेंस में ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह की स्मृतियों की चर्चा करते हुए सिंह ने कहा कि वे एक बहादुर और जेंटलमैन सैनिक थे। पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध में उन्होंने पैरा कमांडो के साथ बहादुरी व उत्तम नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया और इसके लिए उन्हें महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। उनकी पुत्री सांसद दीया कुमारी भी अपने पिता के आदर्शों को लेकर आगे बढ़ रही हैं। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने गहलोत सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि गहलोत सरकार जब से सत्ता में आई है, उसके बाद प्रदेश गर्त में जा रहा है। इस प्रदेश में जनता की कोई सुनने वाला नहीं है। जनता त्राहि त्राहि कर रही है लेकिन सत्ताधारी नींद में है। प्रदेश के साथ ही जिले की स्थानीय चारों विधानसभाओं में जो पक्षपात हो रहा है वह जगजाहिर है। चाहे डीएमएफटी हो या दरीबा माइंस में मजदूरों की समस्या हो, उनकी तकलीफ को यहां कोई सुनने वाला नहीं है। अब जनता ने मन बना लिया है और प्रदेश की सरकार जाने वाली है और भाजपा की सरकार आने वाली है। परिवर्तन यात्रा की सफलता यही बता रही है कि जनता ने भाजपा का दामन थाम लिया है।

अमेरिका से आयातित सेब पर शुल्क घटाने के केंद्र के फैसले का फारूक और महबूबा ने किया विरोध

श्रीनगर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्रियों फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती सहित जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक नेताओं ने संयुक्त राज्य अमेरिका से आयातित सेब पर शुल्क कम करने के केंद्र सरकार के फैसले के खिलाफ क ?ा विरोध दर्ज कराया है। नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता फारूक अब्दुल्ला ने सेब से संबंधित टैरिफ पर केंद्र के कदम की आलोचना की और कहा कि उसने जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव के बारे में नहीं सोचा। उन्होंने कहा कि अमेरिका को खुश करने के लिए केंद्र सरकार स्थानीय उत्पादकों को खत्म करना चाहती है। फारूक ने भारत सरकार से अपील की कि वह ऐसा कोई कदम न उठाएं, जिससे यहां पहले से मौजूद गरीबी और बढ़ जाए और हम एक और संकट में फंस जाएं। उन्होंने कहा कि अगर वे लोगों के लिए इसे आसान नहीं बनाते हैं तो हम सड़क पर उतरेंगे और विरोध करेंगे। इस बीच पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भी सेब पर अतिरिक्त शुल्क हटाने के कदम की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सेब की कोई कमी नहीं है। हिमाचल प्रदेश और यहां (जम्मू-कश्मीर) में प्रचुर मात्रा में अच्छी गुणवत्ता वाले सेब होते हैं। वे (सरकार) अब भी सेब का आयात क्यों करना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि सरकार का मेक इन इंडिया एक मजाक था। सीपीआई (एम) नेता एमवाई तारिगामी ने भी केंद्र की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेब पर लगने वाला आयात शुल्क...काफी कम कर दिया गया है और हमारे बाजार को सौंप दिया गया है। उन्होंने पूछा कि अब हमारे सेब उत्पादक कहां जाएंगे? उल्लेखनीय है कि जून में अमेरिका और भारत विश्व व्यापार संगठन में छह लंबित विवादों को समाप्त करने पर सहमत हुए। संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि के एक बयान में शुक्रवार को कहा गया कि इसके अलावा, भारत चना, दाल, बादाम, अखरोट, सेब, बोरिक एसिड और डायग्नोस्टिक अभिकर्मकों सहित कुछ अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ कम करने पर सहमत हुए हैं। कुछ स्टील और एल्यूमीनियम उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने के अमेरिकी उपाय के जवाब में 2019 में अमेरिकी सेब पर अतिरिक्त 20 प्रतिशत शुल्क लगाया गया था। सेब पर मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) शुल्क में कोई कटौती नहीं की गई है, जो अभी भी अमेरिका से आयातित सेब सहित सभी आयातित सेबों पर 50 प्रतिशत लागू है।

संगरूर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

21 पिस्तौल सहित पांच को दबोचा, कई इलाकों में होनी थी वारदात

संगरूर (पंजाब) पंजाब में अपराधियों को हथियार सप्लाई करने वाले गिरोह का संगरूर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने 21 पिस्तौल भी बरामद की हैं। इन्हें मध्य प्रदेश से लाया गया था। वसूली और आपसी गैंगवार में इन असलहों का इस्तेमाल किया जाना था। एडीजीपी पटियाला रेंज मुखविंदर सिंह छीना ने बताया कि थाना छाजली पुलिस ने सूचना मिलने पर महलां चौक में दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर जब उनकी तलाशी ली तो बैग में 21 पिस्तौल मिले। दोनों की पहचान बलजिंदर सिंह उर्फ रॉक निवासी लुधियाना और करन शर्मा निवासी लुधियाना के रूप में हुई। दोनों के खिलाफ थाना छाजली में मामला दर्ज किया गया। पूछताछ के दौरान यह बात सामने आई कि आरोपी मध्य प्रदेश से अवैध असलहा लेकर आ रहे थे। बस बदलने के खातिर महलां चौक पर उतरे, जहां पुलिस पार्टी ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान यह बात भी सामने

आई कि आरोपियों से असलहे की ये खेफ राजीव कौशल उर्फ गग्गू निवासी देहलां जिला ऊना (हिमाचल प्रदेश) ने मंगवाई थी। उसने ही अवैध हथियार बनाने वाले व्यक्ति से इनका संपर्क करवाया था। इनके आने-जाने और अन्य खर्च के संबंध में राजीव कौशल के इशारे पर पैसे ट्रांसफर करने वाले हेमंत मनहोता निवासी लुधियाना को गिरफ्तार किया गया। साथ ही राजीव कौशल को फिरोजपुर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया। आरोपी राजीव कौशल से पूछताछ करने पर यह बात सामने आई कि उसका संपर्क रवि बलाचौरिया और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के कुछ अपराधियों से है और इसने रवि बलाचौरिया के कहने पर यह हथियार मध्य प्रदेश से मंगवाए थे। असलहे की ये खेप मोहाली, खरड़ और नवांशहर में विभिन्न अपराधियों तक पहुंचाई जानी थी। इन हथियारों का इस्तेमाल वसूली और गैंगवार में किया जाना था। यह खुलासा राजीव कौशल ने किया। एक मोबाइल भी फिरोजपुर जेल में बरामद किया गया है। इसका इस्तेमाल आरोपी राजीव कौशल करता था। संगरूर पुलिस ने मध्य प्रदेश के बुरहानपुर निवासी गुड्डू को गिरफ्तार किया है। वह अपराधियों तक हथियार पहुंचाता था। अब पुलिस इससे पूछताछ कर हथियार बनाने वाले तक पहुंचने में जुटी है। हथियार बनाने वाला भी बुरहानपुर का रहने वाला है। जांच के दौरान यह बात भी सामने आई कि आरोपी बलजिंदर सिंह उर्फ रॉक के खिलाफ लुधियाना और पटियाला के विभिन्न थानों में 17 मामले दर्ज हैं और राजीव कौशल उर्फ गग्गू के खिलाफ पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के थानों में 19 मामले दर्ज हैं।

फिलहाल डीजल गाड़ियों पर 10% टैक्स नहीं बढ़ेगा

सरकार के पास डीजल गाड़ियों पर 10% एक्स्ट्रा टैक्स लगाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

गडकरी ने कहा- ऐसा प्रस्ताव नहीं, लेकिन प्रदूषण कम नहीं हुआ तो विचार करेंगे

नई दिल्ली।

SIAM के एनुअल कन्वेक्शन में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने डीजल गाड़ियों पर 10% अतिरिक्त कर की बात कही थी।

सरकार के पास डीजल गाड़ियों पर 10% एक्स्ट्रा टैक्स लगाने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। सेंट्रल रोड ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी।

दरअसल, केंद्रीय मंत्री ने मंगलवार को सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (SIAM) के 63वें एनुअल कन्वेक्शन में कहा था कि डीजल से चलने वाली गाड़ियों और जनरेटरों का जरुरत से ज्यादा इस्तेमाल जारी रहता है, तो हर डीजल इंजन पर 'पॉल्युशन टैक्स' के रूप में एडिशनल 10% एडिशनल टैक्स बढ़ाने के लिए मैं वित्त मंत्री से बात करूंगा। इसके बाद मीडिया में डीजल गाड़ी पर 10% जीएसटी लगाने की खबरें चलने लगीं थी।

बयान पर नितिन गडकरी की सफाई

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने अपनी पोस्ट में कहा, 'मीडिया रिपोर्ट्स में डीजल गाड़ियों पर अतिरिक्त 10% जीएसटी लगाने की बात कही जा रही है, इस पर साफ कर देना चाहते हैं कि सरकार के सामने फिलहाल ऐसा कोई भी प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि 2070 तक कार्बन नेट जीरो हासिल करने और डीजल जैसे खतरनाक ईंधन के कारण होने वाले वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के साथ-साथ ऑटोमोबाइल बिक्री में तेजी से बढ़ोतरी के लिए हमारी प्रतिबद्धताओं के मुताबिक, सक्रिय रूप से स्वच्छ और ग्रीन ऑप्शनल फ्यूल को अपनाना जरूरी है। ये फ्यूल इंपोर्ट के विकल्प, लागत प्रभावी, स्वदेशी और प्रदूषण मुक्त होने चाहिए।

ऑटो इंडस्ट्री से ग्रीन फ्यूल की ओर बढ़ने की अपील

उन्होंने कहा कि ग्रीन एनर्जी में परिवर्तन लाने का यही एकमात्र तरीका है, नहीं तो लोग सुनने के 'मूड' में नहीं लगते हैं। गडकरी ने ऑटो इंडस्ट्री से डीजल वाहनों का प्रोडक्शन कम करने की बात कही।

उन्होंने इंडस्ट्री से पेट्रोल और डीजल से ग्रीन फ्यूल की ओर बढ़ने की अपील की। ऐसा न करने पर उन्होंने कहा कि सरकार को 'अतिरिक्त कर' जोड़ना होगा।

4% तक गिरे ऑटो कंपनियों के शेयर

केंद्रीय मंत्री के बयान के बाद भारतीय ऑटो मेकर कंपनी टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अशोक लीलैंड के शेयर 2.5% से 4% के बीच गिर गए हैं।

डीजल गाड़ियों की सेल्स पर पड़ेगा असर

डीजल गाड़ियों पर 10% एडिशनल इनडायरेक्ट टैक्स लगाया जाता है तो कार मेकर कंपनियों को गाड़ियों की कीमत बढ़ाना पड़ेगा। इससे उनकी सेल्स पर भी असर पड़ेगा। देश के अंदर लगभग सभी कमर्शियल व्हीकल डीजल इंजन से ही चलते हैं।

न्यूज ब्रीफ.....

म्यूचुअल फंड नहीं ये है नोट छापने की मशीन, 5 हजार के निवेश से बन गए 49 लाख रुपये

नई दिल्ली। अगर पैसों को सही जगह पर निवेश किया जाए तो बंपर रिटर्न जरूर मिलता है। आजकल बहुत से लोग शेयर बाजार के साथ म्यूचुअल फंड्स में भी निवेश करना पसंद कर रहे हैं। म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने वालों की संख्या लगातार बढ़ी है। कई ऐसे म्यूचुअल फंड्स हैं, जिन्होंने निवेशकों को मालामाल बना दिया है। आज हम आपको एक ऐसे ही म्यूचुअल फंड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें निवेश करने वालों को बंपर रिटर्न मिला है। इसमें हर महीने 5 हजार रुपये निवेश करने वालों को 49 लाख रुपये से ज्यादा का रिटर्न मिला है। यह स्कीम एसबीआई स्मॉल कैप फंड है। इस स्कीम में निवेश करने वालों को बंपर रिटर्न मिला है। आईए आपको बताते हैं इस स्कीम के बारे में। एसबीआई म्यूचुअल फंड की स्कीम एसबीआई स्मॉल कैप फंड साल 2009 में 9 सितंबर को लॉन्च हुई थी। अब इस स्कीम को 14 साल हो चुके हैं। अगर किसी निवेशक ने इसमें स्कीम के लॉन्चिंग के समय से हर महीने 5 हजार रुपये निवेश किए होते तो अभी यह पैसा बढ़कर 49.44 लाख रुपये हो गया होता। इन वर्षों में हर महीने 5 हजार रुपये के हिसाब से कुल 8.40 लाख रुपये एसबीआई स्मॉलकैप फंड में लगाने पड़ते। वहीं इस स्कीम में यह निवेश बढ़कर 49.44 लाख रुपये हो जाता। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एसबीआई स्मॉल कैप फंड ने सिस्टेमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी में 22.85 फीसदी सीएजीआर के हिसाब से रिटर्न दिया है। वहीं अगर किसी शख्स ने इस स्कीम के एनएफओ के दौरान इसमें एकसाथ 10 लाख रुपये लगाए होते तो यह निवेश अभी बढ़कर 1.37 करोड़ रुपये हो गया होता।

कावासाकी निंजा ZX-4आर ₹8.49 लाख में लॉन्चः ये भारत की पहली मिडिल-वेट 4-सिलेंडर सुपरस्पोर्ट्स बाइक, यामाहा आर15 से होगी टक्कर

नई दिल्ली। टू-व्हीलर मेकर कंपनी कावासाकी इंडिया ने अपनी सुपर स्पोर्ट्स बाइक निंजा ZX-4आर को भारत में लॉन्च किया है। कंपनी का दावा है कि ये भारत की पहली मिडिल-वेट 4-सिलेंडर सुपर स्पोर्ट्स बाइक है। इंडियन मार्केट में बाइक का मुकाबला यामाहा आर15 400 से होगा। कंपनी ने कावासाकी निंजा ZX-4आर को स्पेशल मेटैलिक स्पार्क ब्लैक कलर ऑप्शन के साथ सिंगल वैरिएंट में पेश किया है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 8.49 लाख रुपए है। यह कंपनी की Versys 650 एडवेंचर टूरर से भी महंगा और Z900 स्ट्रीट नेकेड से केवल 71,000 रुपए सस्ती है, जो 955 cc चार सिलेंडर इंजन के साथ आती है। हाई परफॉर्मेंस बाइक को कंप्लीट बिल्ट युनिट के रूप में इम्पोर्ट किया जाएगा। कंपनी के अनुसार, निंजा ZX-4आर अपने लाइनअप में शामिल निंजा ZX-10आर और निंजा ZX-6आर के समान राइडिंग हैंडलिंग एक्सपीरियंस कराती है। बाइक 17 इंच के अलॉय व्हील पर चलती है। निंजा ZX-4आर में 399सीसी का लिक्विड-कूल्ड, इनलाइन-फोर-सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 14,500 rpm पर 75 hp की पॉवर और 13,000 rpm पर 39 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स और स्लिपर क्लच के साथ ट्यून किया गया है। इस इंजन के साथ बाइक भारत में 400 सीसी सेगमेंट में सबसे पावरफुल बाइक है।

जी-20 के बाद दोस्त रूस ने दिया झटका! खत्म कर दिया डिस्काउंट, चीन भी कर रहा है खेल

नई दिल्ली। रूस की कंपनियों ने भारत को फर्टिलाइजर पर डिस्काउंट देना बंद कर दिया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक टाइट ग्लोबल सप्लाई के कारण रूसी कंपनियों ने डीएपी जैसे फर्टलाइजर पर छूट देना बंद कर दिया है। अब वे मार्केट प्राइस पर भारत को फर्टिलाइजर बेच रही हैं। पिछले साल रूस भारत के लिए फर्टिलाइजर का सबसे बड़ा सप्लायर बनकर उभरा था। रूस के इस कदम से भारत के लिए फर्टिलाइजर का आयात महंगा हो सकता है और इससे सरकार पर सब्सिडी का बोझ बढ़ जाएगा। दुनियाभर में फर्टिलाइजर की कीमत में तेजी आई है। चीन दुनिया में इसका सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है और वह दूसरे देशों में बिक्री में कटौती करने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी सप्लायर्स के साथ बातचीत से जुड़े इंडस्ट्री के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि अब कोई डिस्काउंट नहीं मिल रहा है। रूस की कंपनियां मार्केट प्राइस पर फर्टिलाइजर दे रही हैं। 31 मार्च को खत्म फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में रूस से भारत का फर्टिलाइजर इम्पोर्ट 246 परसेंट बढ़कर 43.5 लाख टन रहा। इसकी वजह यह है कि रूस ने डीएपी, यूरिया और एनपीके फर्टिलाइजर्स पर भारत को डिस्काउंट दिया। इससे पहले तक भारत चीन, मिस्र, जॉर्डन और यूएई से फर्टिलाइजर मंगाता था।

निफ्टी ने 20,110 का ऑल टाइम हाई बनाया

सेंसेक्स 94 अंक की तेजी के साथ 67,221 पर बंद, बीपीसीएल का शेयर 3% से ज्यादा टूटा

मुंबई।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का इंडेक्स निफ्टी ने मंगलवार (12 सितंबर) को फिर ऑल टाइम हाई बनाया है। मंगलवार को इसने 20,110 के स्तर को छुआ। हालांकि इसके बाद इसमें गिरावट देखने को मिली और ये 3 अंकों की गिरावट के साथ 19,993 पर बंद हुआ। इससे पहले कल भी इसने ऑल टाइम हाई बनाया था। सोमवार को इसने कारोबार के दौरान 20,008 का लेवल टच किया था।

वहीं, सेंसेक्स में आज तेजी देखने को मिली है। ये 94 अंक की बढ़त के साथ 67,221 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 में तेजी और 15 में ही गिरावट देखने को मिली है।

स्मॉलकैप 4% से ज्यादा टूटा

मंगलवार को मिडकैप और स्मॉलकैप में हुई भारी बिकवाली देखने को मिली है। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स जहां 2.96% टूटकर बंद हुआ। वहीं स्मॉलकैप इंडेक्स भी 4.02% फिसला। इसके चलते बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप मंगलवार को करीब 6 लाख करोड़ रुपए घटा है। इसके अलावा टेली कम्युनिकेशंस, यूटिलिटी, पावर, ऑयल एंड गैस, रियल्टी और सर्विसेज शेयरों के इंडेक्स में 3% से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है।

सोमवार को भी निफ्टी ने बनाया था ऑल टाइम हाई

इससे पहले सोमवार (11 सितंबर) को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का इंडेक्स निफ्टी ने ऑल टाइम हाई बनाया था। कारोबार के दौरान इसने 20,008 का लेवल टच किया। इसके बाद यह 176 अंक की तेजी के साथ 19,996 के स्तर पर बंद हुआ। इससे पहले 20 जुलाई को निफ्टी ने 19,991 का हाई बनाया था। वहीं, सेंसेक्स 528 अंक की तेजी के साथ 67,127 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 28 में तेजी और 2 में गिरावट देखने को मिली।

13 सितंबर से ओपन हो रहा आरआर केबल का आईपीओ

आरआर केबल लिमिटेड इस आईपीओ 13 सितंबर से ओपन हो रहा है। आरआर केबल लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड ₹983-₹1035 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 14 शेयरों के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड ₹1035 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए ₹14,490 इन्वेस्ट करने होंगे।

वहीं इस आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक मैक्सिमम 13 लॉट यानी 182 शेयरों के लिए अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से ₹1,88,370 खर्च करने होंगे। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 15 सितंबर तक बोली लगा सकेंगे। 26 सितंबर को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

1 साल में 37% तक महंगीं हुई दालें: चावल के दाम भी 9% बढ़े, बारिश कम होने से खाने-पीने की चीजों के दाम तेजी से बढ़े

नई दिल्ली।

देश के ज्यादातर राज्यों में इस बार बारिश 15 से 25% तक कम हुई है। इसके असर से फसलों की पैदावार घटने की आशंका है, इसलिए खाने-पीने की चीजों के दाम तेजी से बढ़े हैं। सबसे ज्यादा असर दालों पर दिखा है। तुअर की दाल 37% तक महंगी हो गई है। बेशक पिछले एक हफ्ते से कुछ राज्यों में अच्छी बारिश हो रही है, लेकिन इससे भी हालात में खास सुधार नहीं होता दिख रहा। बैंक ऑफ बड़ौदा की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इसलिए महंगाई की दर 5.5% से नीचे बनाए रखने में आरबीआई को मुश्किल आएगी। भले ही इस सीजन में अनाजों का उत्पादन बढ़ने का अनुमान पेश किया गया है, लेकिन मौसम की मार से उत्पादन प्रभावित होगा। सोयाबीन के अलावा सभी तरह के खाद्यान्नों के दाम तेजी से बढ़ सकते हैं।

केंद्र सरकार के सेंट्रल पूल में 31 अगस्त को चावल का स्टॉक 2.43 करोड़ मीट्रिक टन था। यह अगस्त 2018 के बाद सबसे कम है। अगस्त 2022 में स्टॉक 2.8 करोड़, अगस्त 2021 में 2.91 करोड़, अगस्त 2020 में 2.53 करोड़ और अगस्त 2019 में 2.75 करोड़ मीट्रिक टन था।

दाम स्थिर रखने के लिए चावल, दाल और चीनी के निर्यात पर रोक

केंद्र सरकार ने दाम स्थिर रखने के लिए चावल, दाल और चीनी के निर्यात पर रोक लगाई है। दालों की डिमांड पूरी करने के लिए आयात को बढ़ाकर दोगुना कर दिया गया है। सरकार ने खरीफ सीजन में 16 करोड़ मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान लगाया है। हालांकि, यह तभी संभव है जब फसल को नुकसान न हो, लेकिन कम बारिश से नुकसान हो रहा है।

टोनटैग ने नया पेमेंट मोड 'पे-बाय-कार' लॉन्च किया: कार के इन्फोटेनमेंट सिस्टम से कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट, फास्टैग भी होगा रिचार्ज

नई दिल्ली।

अमेजन और मास्टर कार्ड सपोर्टेड कंपनी टोनटैग ने एक नया पेमेंट मोड 'पे-बाय-कार' लॉन्च किया है। इसके जरिए यूजर स्मार्टफोन और कार्ड (क्रेडिट/डेबिट) के बिना अपनी कार से ही यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे। इसके लिए यूजर को अपनी कार के इन्फोटेनमेंट सिस्टम को यूपीआई से लिंक करना होगा।

व्हीकल से संबंधित सभी पेमेंट को आसान बनाने के लिए इस पेमेंट मोड को फिलहाल पेट्रोल पंप पर शुरू किया गया है। इसके अलावा कार के फास्टैग का बैलेंस चेक और रिचार्ज भी कर सकते हैं। एमजी हेक्टर ने भारत पेट्रोलियम से साथ पार्टनरशिप में इस सर्विस को टेस्ट किया है।

कैसे काम करता है पे-बाय-कार

-कार के फ्यूल स्टेशन पर पहुंचते ही इन्फोटेनमेंट सिस्टम पर फ्यूल डिस्पेंसर नंबर डिस्प्ले हो जाएगा। ये नंबर एक तरह का कोड है, जिसके जरिए पेमेंट कर सकते हैं।

-इसके साथ ही कार के इन्फोटेनमेंट सिस्टम से फ्यूल स्टेशन पहुंचने की भी आवाज आएगी।

-कार में पेट्रोल या डीजल भरवाने के बाद इन्फोटेनमेंट सिस्टम में अमाउंड एंटर कर डिस्पेंसर नंबर पर पेमेंट कर सकते हैं।

-पेमेंट होने के बाद इसकी नोटिफिकेश इन्फोटेनमेंट सिस्टम के डिस्प्ले पर दिखेगी, साथ ही वॉइस अलर्ट भी मिलेगा।

ऑफलाइन पेमेंट सिस्टम बनाने वाली पहली कंपनी है टोनटैग

टोनटैग की वेबसाइट के मुताबिक, यह दुनिया की पहली और सबसे बड़ी ऑडियो बेस्ड कॉन्टैक्टलेस पेमेंट सिस्टम को डेवलप करने वाली कंपनी है। इसे कुमार अभिषेक ने साल 2003 में इसे बनाया था। टोन-टैग ने हाल ही में हुए ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के कोलैबोरेशन में फोन कन्वर्सेशन के जरिए बिल पेमेंट सिस्टम लॉन्च किया था। इसके पहले कंपनी ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया सैन्डबॉक्स के साथ ऑफलाइन वॉइस पेमेंट सिस्टम को भी टेस्ट किया था।

यूपीआई एटीएम से अब कैश भी विड्रॉ कर सकेंगे

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई से अब कैश भी विड्रॉ किया जा सकेगा। हाल ही में मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में यूपीआई एटीएम दिखाया गया। इस एटीएम के इस्तेमाल के लिए कार्ड की जरूरत नहीं पड़ेगी। बस दफ कोड स्कैन कर पैसा निकाला जा सकता है। इस एटीएम को नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने डेवलप किया है।

अकाउंट में पैसे नहीं, फिर भी कर सकेंगे पेमेंट

अब आपके अकाउंट में पैसे नहीं होने पर भी आप अपने मोबाइल फोन के जरिए पेमेंट कर सकेंगे। इसके लिए नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने (एनपीसीआई) बिते दिनों यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) से क्रेडिट लाइन लिंक करने की सर्विस 'क्रेडिट लाइन ऑन यूपीआई' शुरू कर दी है।

भारत सरकार ने चीनी स्टील पर एंटी-डंपिंग-ड्यूटी लगाईः चीन के सस्ते स्टील से डोमेस्टिक कंपनियों को नुकसान, पांच साल तक जारी रहेगा प्रतिबंध

नई दिल्ली।

चीन से इंपोर्ट होने वाली स्टील पर भारत ने 'एंटी-डंपिंग ड्यूटी' लगा दी है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज (डीजीटीआर) ने सरकार से चीनी स्टील व्हील्स पर 613 डॉलर (करीब 50,867 रुपए) प्रति टन लगाने की सिफारिश की थी। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को एक नोटिफिकेशन के जरिए इस बात की जानकारी दी है। सरकार के इस फैसले से डोमेस्टिक कंपनियों के नुकसान की आशंका कम हो जाएगी। इसके पहले 13 दिसंबर 2018 को चीन के इन प्रोडक्ट्स पर भारत ने 5 साल के लिए यह ड्यूटी लगाई थी, जिसे अगले 5 सालों के लिए बढ़ा दिया गया है।

एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने के इस फैसले पर वित्त मंत्रालय ने कहा कि चीन काफी समय से डंपिंग प्राइस यानी लागत से कम कीमतों पर भारत को स्टील बेचता रहा है। इसी महीने 4 सितंबर को स्टील सेक्रेटरी नरेन्द्र नाथ सिंह ने कहा था कि भारत चीन के स्टील डंपिंग की निगरानी काफी समय के कर रहा था।

अप्रैल-जुलाई क्वार्टर के दौरान साउथ कोरिया के बाद चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा स्टील एक्सपोर्टर रहा है। चीन ने इस दौरान 6 लाख टन स्टील भारत को बेचा है। यह आंकड़ा पिछले साल के मुकाबले 62% ज्यादा है। इस दौरान भारत ने चीन से 20 लाख टन फिनिश्ड स्टील इंपोर्ट किया है। यह 2020 से बाद सबसे ज्यादा और पिछले साल के मुकाबले 23% ज्यादा है।

डंपिंग का मतलब कूड़ा फेंकना होता है। जब कोई देश किसी प्रोडक्ट को उस देश की डोमेस्टिक मार्केट से कम कीमतों पर बेचता है, तो इसे डंपिंग कहा जाता है। उदाहरण के लिए, अगर भारत में स्टील की कीमत 60,000 रुपए प्रति टन है; लेकिन और जरूरत के लिए चीन से स्टील इंपोर्ट किया जाता है, तो चीन इसे 30,000 रुपए प्रति टन की रेट में दे देता है। इस कंडीशन में कहा जाएगा कि चीन अपने स्टील को भारत में डंप कर रहा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण चीन की लाइट्स और खिलौने हैं।

देश की मुद्रास्फीति अगस्त में घटकर 9.94 प्रतिशत हो गई जो जुलाई में 11.51 प्रतिशत थी।

अगस्त में फुटकर महंगाई 6.83% पर आईः सब्जियों के दाम कम होने से आई गिरावट, जुलाई में ये 7.44% पर थी

नई दिल्ली।

अगस्त महीने में फुटकर महंगाई में गिरावट देखने को मिली है, और ये इस महीने 6.83% पर आ रही। इससे पहले जुलाई में ये 7.44% पर पहुंच गई थी। महंगाई में ये गिरावट सब्जियों के दाम कम होने से आई है। हालांकि महंगाई दर अभी भी आरबीआई के 6% की ऊपरी टॉलरेंस लिमिट के पार ही है।

बीते महीने शहरी महंगाई दर घटकर 6.59% पर आ गई जो जुलाई में 7.20% पर थी। ग्रामीण महंगाई दर भी अगस्त में घटकर 7.02% पर आ गई है जो जुलाई में 7.63% थी। देश की मुद्रास्फीति अगस्त में घटकर 9.94 प्रतिशत हो गई जो जुलाई में 11.51 प्रतिशत थी।

महंगाई को लेकर चिंता और अनिश्चितता बरकरार

जुलाई में हुई मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा था कि महंगाई को लेकर चिंता और अनिश्चितता अभी भी बरकरार है। आरबीआई के अनुमान के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 (एफवाई24) में महंगाई 4% के ऊपर ही रहने की संभावना है। आरबीआई ने महंगाई अनुमान को एफवाई24 में 5.1% से बढ़ाकर 5.4% कर दिया है।

सीपीआई क्या होता है?

एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी सीपीआई करता है। हम सामान और

सर्विसेज के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं, सीपीआई उसी को मापता है।

कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मेन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 300 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

महंगाई कैसे प्रभावित करती है?

महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 7% है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 93 रुपए होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी।

आरबीआई कैसे कंट्रोल करती है महंगाई?

महंगाई कम करने के लिए बाजार में पैसों के बहाव (लिक्विडिटी) को कम किया जाता है। इसके लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) रेपो रेट बढ़ाता है। जैसे आरबीआई ने अप्रैल, जून और जुलाई में रेपो रेट में इजाफा न करने का फैसला किया था। इससे पहले आरबीआई ने रेपो रेट में लगातार 6 बार इजाफा किया था। आरबीआई ने महंगाई के अनुमान में भी कटौती की थी।

महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है?

महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वह ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी।

इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

अक्षय की वेलकम टू द जंगल अगले साल होगी रिलीज

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म वेलकम टू द जंगल अगले साल यानिकी 20 दिंसबर 2024 को रिलीज होगी। बता दें कि अक्षय कुमार फिल्म वेलकम टू द जंगल में मुख्य भूमिका निभाते नजर आयेंगे। वर्ष 2007 में प्रदर्शित वेलकम में अक्षय कुमार की मुख्य भूमिका थी। हालांकि वेलकम 2 यानी वेलकम बैक से अक्षय को रिप्लेस किया गया, लेकिन अब वेलकम 3 में उनकी वापसी होगी। गौरतलब है कि अक्षय कुमार ने 09 सितंबर को अपना जन्मदिन मनाया है। इस अवसर पर अक्षय ने वेलकम टू द जंगल का ऐलान करते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर करते हुए लिखा, खुद को और आप सभी को एक बर्थडे गिफ्ट दिया है आज। यदि आपको ये तड़का अच्छा लगा तो शुक्रिया कहिए और मैं आपको वेलकम कहूंगा। वेलकम टू द जंगल में अक्षय कुमार के संजय दत्त, अरशद वारसी, जैकलीन फर्नांडिस, सुनील शेट्टी ,दिशा पाटनी ,परेश रावल की अहम भूमिका होगी।

दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बनी गदर-2

-फिल्म का टोटल कलेक्शन 511 करोड़ हुआ

मुंबई (ईएमएस) । बालीवुड की हिंदी फिल्मों के इतिहास में गदर-2 दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बन गई है। इस ने बाहुबली-2 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।फिल्म का टोटल कलेक्शन 511 करोड़ रुपए हो गया है। फिल्म ने रिलीज के 29 दिनों बाद यह कारनामा कर दिखाया है। इसी के साथ यह दूसरी सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। पहले नंबर पर शाहरुख खान की पठान है। पठान ने 543 करोड़ रुपए का लाइफटाइम कलेक्शन किया था। इस हिसाब से गदर-2 को पठान के रिकॉर्ड तक पहुंचने के लिए अभी भी 33 करोड़ रुपए कमाने होंगे। पठान के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए गदर-2 को 33 करोड़ का कारोबार करना होगा, जो बहुत ही मुश्किल नजर आ रहा है। इसके साथ ही जवान के प्रदर्शन के बाद गदर-2 के कारोबार में भी जबरदस्त कमी आई है। इस शुक्रवार को इसने सिर्फ 1 करोड़ का कारोबार किया है, जो इसके अंतिम क्षणों को दशार्ता है। बाहुबली-2 के हिंदी वर्जन ने 510.99 करोड़ रुपए का लाइफटाइम कलेक्शन किया था। 2017 में रिलीज इस फिल्म ने जो रिकॉर्ड बनाया, वो पांच साल तक टूट न सका। एक वक्त पर ऐसा लग रहा था कि इसका रिकॉर्ड टूट ही नहीं सकता। हालांकि 2023 में शाहरुख खान की फिल्म पठान रिलीज हुई। इस फिल्म ने न सिर्फ बाहुबली-2 का रिकॉर्ड तोड़ा बल्कि इससे आगे भी निकली। किसे पता था कि 2023 में एक और फिल्म रिलीज होगी जो बाहुबली-2 का रिकॉर्ड तोड़ देगी। सनी देओल की गदर-2 ने यह कारनामा सिर्फ 29 दिनों में कर दिखाया है।जवान के प्रदर्शन के बाद गदर-2 के न सिर्फ शोज में कमी आई है, अपितु स्क्रीन संख्या भी बहुत कम रह गई है। बंगाल में इसके 100 स्क्रीन्स से एकदम से हटा दिया गया है, कमोबेश यही हाल राजस्थान का है। यहाँ भी सिनेमाघरों में शोज की संख्या के साथ-साथ स्क्रीन्स में भी भारी कमी की गई है।

जवान का जलवा बरकरार, टाइगर श्रॉफ ने की जमकर तारीफ

मुंबई (ईएमएस)। इन दिनों शाहरुख खान की फिल्म जवान का जलवा बरकरार है। हर तरफ इसी की ही चर्चा हो रही है। सिनेमाघरों से लेकर बॉक्स ऑफिस पर तक शाह रुख खान की ये धमाकेदार मूवी जमकर धूम मचा रही है। आलम ये है कि रिलीज के पहले दो दिन में ताबड़तोड़ कमाई कर जवान ने एक नया कीर्तिमान रच रहा है। इतना ही नहीं जवान में शाह रुख खान की एक्टिंग की हर कोई तारीफ कर रहा है। इस बीच हीरोपंती फेम एक्टर टाइगर श्रॉफ ने शाह रुख की जवान की प्रशंसा की है और किंग खान को लेकर सोशल मीडिया पर बड़ी बात लिख दी है। टाइगर श्रॉफ ने शनिवार को सुबह अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर जवान को लेकर अपना रिएक्शन दिया है। टाइगर ने लिखा है कि बार उठाया और तोड़ दिया बार, बधाई हो शाह रुख खान सर एक और ऐतिहासिक सफलता के लिए, इतना ही नहीं आपको ढेर सारा प्यार। इस तरह से टाइगर श्रॉफ ने शाह रुख खान और जवान की तारीफ में जमकर कसीदे पढ़ें है। यहां गौरतलब है कि शाह रुख की फिल्म जवान एक मास एंटरटेनर मूवी है, जो आपको देखने पर यकीनन मजा देगी। टाइगर श्रॉफ बॉलीवुड इंडस्ट्री के दमदार कलाकारों में शुमार है। खासतौर पर फिटनेस को लेकर टाइगर का नाम काफी जाना जाता है। गौर करें टाइगर श्रॉफ की अपकमिंग फिल्मों की तरफ तो,आने वाले समय में ये कलाकार सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ फिल्म बड़े मियां छोटे मियां और अमिताभ बच्चन के साथ गणपत में नजर आएंगे। गणपत में टाइगर की पहले को-स्टार कृति सेनन भी दिखाई देंगी।

बिग बॉस के शो के नेक्स्ट सीजन को लेकर उत्साहित

बिग बॉस 17 के नेक्स्ट सीजन को लेकर लोग फिर एक्साइटेड हैं और शो के ऑनएयर होने की बेसब्री से इंतजार कर रहें हैं। सलमान खान जो की शो की शान और जान हैं हो लेकर इस बार एक बड़ी अपडेट सामने आ रहीं हैं। कहा जा रहा है कि इस बार शो के होस्ट सलमान खान नहीं होंगे। खबरों की माने तो मेकर्स इस बार शो के लिए किसी रिप्लेसमेंट की तलाश कर रहें हैं। अगर ये खबरे सच हुई तो सलमान खान के फैंस को बड़ा झटका लगने वाला है। लेकिन ये बात लोगों को सोचने पर मजबूर कर देगा कि आखिर कौन हैं जो सलमान खान को रिप्लेस कर सकता है? बिग बॉस के नेक्स्ट सीजन के लिए लोग काफी एक्साइटेड हैं और हों भी क्यों ना, यह शो लोगों को दोस्ती, परिवार और रिश्तों का असल मतलब समझाता है। हाल ही में बिग बॉस ओटीटी 2 खत्म हुआ है जिसके विजेता एलविश यादव रहे।

रिलीज होते ही मशहूर हुआ म्युजिक वीडियो 'छह इक्के'

अभिनेत्री जश्न अग्निहोत्री का म्युजिक वीडियो छह इक्के रिलीज होते ही पॉपुलर हो गया है। रिलीज होने के महज कुछ घंटों में इस गाने को अब तक 10 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इस म्युजिक वीडियो में जश्न अग्निहोत्री के अपोज़िट श्रेयस तलपड़े ने लीड भूमिका निभाई है। वीडियो में दोनों की लाजवाब केमिस्ट्री देखती ही बन रही है। '6 इक्के' का निर्माण शाहिद अनवर ने किया है और इसे बढ़िया अंदाज में डायरेक्ट राजीव एस. रूईया ने किया है। इस बेहद खूबसूरत गाने को मधुर अंदाज में स्वाति शर्मा, रुखसार बंधुकिया और बी. शॉ ने गाया है। इस सांग को भी स्वाति ने अपनी मधुर आवाज दी है। जश्न अग्निहोत्री इससे पहले भी कई म्युजिक वीडियोज में नजर आ चुकी हैं, लेकिन जिस तरह का क्रेज '6 इक्के' के लिए देखने को मिल रहा है, ऐसा उन्होंने अपने किसी अन्य म्युजिक वीडियो के लिए कभी नहीं देखा था। इसे लेकर जश्न अग्निहोत्री कहती हैं, मैं बेहद खुश हूं कि लोगों को म्युजिक वीडियो में मेरा अंदाज बेहद पसंद आ रहा है। इसके लिए मैं हरेक शख़्स का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। एक्टर, मॉडल और टीवी होस्ट जश्न अग्निहोत्री इससे पहले अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ ऐक्स डिओ के म्युजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं। वे प्रिंस नरूला के साथ एक बेहद लोकप्रिय म्युजिक वीडियो में भी काम कर चुकी हैं। जश्न अग्निहोत्री ने साल 2018 में रिलीज हुई फि ल्म 'छन तारा' के जरिए पंजाबी फि ल्मों में डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने दोहरी भूमिका निभाई थी।

रकुल प्रीत अपनी नई कार के साथ दे रही पोज

हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने एक एसयूवी कार अपने घर लाई हैं। उन्हें मुंबई में अपनी नई कार के साथ स्पॉट भी किया गया। नई कार की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि रकुल प्रीत अपनी नई चमचमाती कार के साथ जबरदस्त पोज दे रही हैं। इस दौरान वह पीच कलर के कुर्ता और जींस में परफेक्ट लग रही हैं। सनग्लासेस और स्लीक पोनीटेल से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है। फैंस को रकुल की ये तस्वीरें काफी पसंद आ रही हैं। बता दें, रकुल प्रीत सिंह ने खुद को एसयूवी मर्सिडीज-बेंज जीएलएस मेबैक कार गिफ्ट की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस कार का मार्केट प्राइस 2.92 करोड़ रुपये है। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह लग्जरी लाइफ जीने के साथ ही महंगी गाड़ियों का भी काफी शौक रखती हैं।

एआर रहमान के लाइव कॉन्सर्ट शो में मची भगदड़, गुस्साए फैंस

अपने संगीत और गायन से दुनिया भर के संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करने वाले संगीतकार-गायक एआर रहमान ने विभिन्न भाषाओं में अपने गीतों से प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध किया है। उनके गानों में भारतीय संगीत और पश्चिमी संगीत का मिश्रण देखने को मिलता है। उन्होंने ऑस्कर में भी अपना नाम दर्ज कराया है। उनका नाम विश्व के प्रमुख संगीतकारों में शामिल है। रहमान के लाइव शो जबरदस्त चल रहे हैं। इसी बीच पुणे में एक ऐसे ही लाइव कॉन्सर्ट के दौरान समय सीमा का पालन न करने पर पुलिस ने उन्हें शो के बीच में ही रोक दिया था। अब एक बार फिर रहमान का कॉन्सर्ट किसी विवाद के चलते सुर्खियों में आ गया है। हाल ही में रहमान ने चेन्नई में मरक्कुमा नेनजाम नाम से एक कॉन्सर्ट आयोजित किया था। इस कॉन्सर्ट की खराब प्लानिंग और मैनेजमेंट के चलते कई फैंस ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। यह कॉन्सर्ट हाल ही में चेन्नई के बाहरी इलाके में आयोजित किया गया था और इसमें हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी थी, लेकिन बेहद खराब प्लानिंग की वजह से वहां भगदड़ जैसा मंजर हो गया। रहमान के फैंस ने ट्विटर पर अपनी नाराजगी जाहिर की। कॉन्सर्ट में अपेक्षा से अधिक लोगों ने भाग लिया, जाहिर तौर पर कई लोग टिकट होने के बावजूद इसमें शामिल नहीं हो पाए। एक फैन ने ट्वीट कर लिखा, 2000 रुपये का टिकट खरीदने के बाद भी ऐसी बेकार स्थिति देखने को मिल रही है। बहुत खराब योजना और कार्यक्रम, बिना अंदर आये घर वापस जाना पड़ा। भगदड़ और उसके प्रबंधन को लेकर कई लोगों ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। हाल ही में कंपनी एसीटीसी इवेंट ने इस बारे में खेद जताते हुए ट्वीट किया है। इस ट्वीट में उन्होंने रहमान और उनके फैंस का शुक्रिया अदा किया है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों को हुई असुविधा के लिए माफी मांगी और इसकी पूरी जिम्मेदारी ली। इस ट्वीट को खुद रहमान ने भी शेयर किया है।

विक्टोरिया सीक्रेट वर्ल्ड टूर इवेंट में शामिल हुई प्रियंका

हाल ही में एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा न्यूयॉर्क फैशन वीक के दौरान हुए विक्टोरिया सीक्रेट वर्ल्ड टूर इवेंट में शामिल हुईं, जहां वह अपने लुक से ग्लैमर का तड़का लगाती दिखीं। इवेंट से देसी गर्ल की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं, जो खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान प्रियंका चोपड़ा ब्लैक ब्रालेट और शॉर्ट्स के ऊपर से शिमरी नेट ड्रेस में दिखाई दी, जिसे उन्होंने ब्लैक बेल्ट से टाई किया। क्लीवेज कट ड्रेस में एक्ट्रेस का बोल्ड अंदाज देखने को मिला। इसके साथ प्रियंका ने मैचिंग कलर की हाई हील्स पेयर की। कैजुअल मेकअप और न्यूड लिपस्टिक में ग्लोबल एक्ट्रेस का हुस्न देखते ही बन रहा है। इवेंट में एंट्री करते ही सबकी नजरें प्रियंका के लुक पर टिक गई और एक्ट्रेस अपने हुस्न से सबको इम्प्रेस करते हुए परफेक्ट पोज देती दिखीं।एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड में अपनी धाक जमाने के बाद हॉलीवुड इंडस्ट्री में भी खूब नाम कमाया है। वह एक्टिंग के अलावा अपने फैशन और लुक्स से भी लोगों का दिल जीतना अच्छे से जानती हैं।

राष्ट्रगान पर गलत तरीके से खड़े होने पर ट्रोल हुईं करीना कपूर

बॉलीवुड की बेबो यानी एक्ट्रेस करीना कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'जाने जा' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के जरिए वह अपना ओटीटी डेब्यू करेंगी। करीना की आने वाली फिल्म 'जाने जा' नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ एक्टर जयदीप अहलावत और विजय वर्मा नजर आएंगे। इस फिल्म का पोस्टर हाल ही में रिलीज किया गया है। यह फिल्म 21 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ऐसे ही एक इवेंट से करीना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। करीना के इस वायरल वीडियो को पैपराजी ने इंस्टग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में बेबो रेड आउटफिट में नजर आ रही हैं। साथ ही वह अन्य महिलाओं के साथ राष्ट्रगान के लिए खड़ी नजर आ रही हैं, लेकिन करीना के राष्ट्रगान पर खड़े होने के तरीके ने नेटिजन्स को चौंका दिया है। इस बारे में नेटिजेंस ने उन्हें खूब खरी खोटी सुनाई है। इस वीडियो के जवाब में एक नेटीजन ने लिखा, 'कोई इन्हें बताए कि राष्ट्रगान में हथियार डालकर खड़े नहीं होते।' साथ ही एक अन्य नेटकारी ने लिखा है कि, 'राष्ट्रगान गाते समय वे सावधानी से खड़े होते हैं। सितारे यह नहीं जानते, यह शर्म की बात है।" एक अन्य नेटकारी ने लिखा, "जो लोग पढ़े-लिखे नहीं हैं, वे भी जानते हैं कि राष्ट्रगान गाते समय कैसे खड़ा होना है।' वहीं करीना के काम की बात करें तो वह आखिरी बार फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आई थीं। इसके बाद इस साल उनकी दो फिल्में रिलीज होंगी। एक है 'जाने जा' और दूसरी है 'द बकिंघम मर्डर्स'। इसके अलावा करीना फिल्म 'द क्रू' में भी नजर आएंगी। ये फिल्म 2024 में रिलीज होगी।

आप जितने ज्यादा राष्ट्रविरोधी होंगे, उतने ही मशहूर होंगे : नसीरुद्दीन

बॉलीवुड के वरिष्ठ अभिनेता नसीरुद्दीन शाह अपने बयानों से चर्चा में रहते हैं। उनके अभिनय का कोई जोड़ नहीं है। वह अक्सर कई सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर बयान देकर लोगों को चौंका देते हैं। हाल ही में उन्होंने सीधे तौर पर पूछा कि "कश्मीर फाइल्स" और "गदर 2" जैसी फिल्में कैसे चल सकती हैं। उनके इस बयान पर मिलीजुली प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। नसीरुद्दीन शाह ने 17 साल बाद निर्देशन में वापसी की है। फिल्म 'मैन वुमन मैन वुमन' उन्होंने निर्देशित की है। मीडिया को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि बॉलीवुड में फिल्म निर्माण का उद्देश्य बदल गया है। इस पर उन्होंने कहा, "हां, आप जितने ज्यादा राष्ट्रविरोधी होंगे, उतने ही मशहूर होंगे। क्योंकि ये लोग देश चला रहे हैं। अपने देश से प्यार करना अब काफी नहीं है।

आपको चीखना-चिल्लाना है और यहां तक कि काल्पनिक दुश्मनी भी अपनानी है। यह लोग नहीं जानते कि ये कितना खतरनाक है।' उन्होंने आगे कहा, 'गदर 2 और द केरल स्टोरी जैसी फिल्में मैंने अभी तक नहीं देखी हैं, लेकिन मुझे पता है कि वे किस बारे में हैं। मुझे आश्चर्य है कि कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्में हिट हो जाती हैं, लेकिन सुधीर मिश्रा, अनुभव सिन्हा, हंसल मेहता की बनाई गई फिल्में कोई भी उस सच्चाई को नहीं देखता, जो वे दिखाने की कोशिश करते हैं। ऐसे फिल्मकार निराश न हों और सच्चाई दिखाते रहें।' एक सौ साल बाद जब लोग 'भीड़' और 'गदर 2' देखेंगे तो उन्हें पता चलेगा कि कौन सी फिल्म सच्चाई दिखा रही थी। क्योंकि फिल्म सच दिखाने का सशक्त माध्यम है।' फिल्म 'मैन वुमन मैन वुमन' नसीरुद्दीन शाह की निर्देशित दूसरी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने इरफान खान स्टारर "यू होता तो क्या होता" डायरेक्ट की थी। उन्होंने 17 साल बाद निर्देशन में वापसी की है।

सूडोकु नवताल- 6551

मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6550 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्दजाल - 7298

सा	वि	र	कु	बा	र्ड	र	म	ला	नी	क	
ज	रा	माँ	ज	इं	डो	ने	ह	क	हे	प	
न	स	आ	तु	म	न	इ	जा	न	रा	म	
च	त	चाँ	मा	झे	ल	स	ल	प	फे	ह	
ले	म	बा	द	त	स	उ	ड़	ख	री	म	
स	जे	फ़	र	नी	द	ला	म	ल	ड़	सा	
सु	मा	दे	ना	व	बा	स	म	पी	ख	थ	
रा	दे	श	बा	र	प	र	थ	ड़	भ	सा	
ल	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	थ	
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है	
ते	रा	जा	क	दि	प	ने	मा	चि	स	म	

शब्दजाल में तब्बू की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

जाल, हेरा फेरी, बार्डर, विरासत, हम साथ साथ है, माचिस, साजन चले ससुराल, फ़ना, माँ तुझे सलाम, चाँदनी बार.

शब्दजाल - 7297 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6251

5		4	1		3	7
2	32		34		33	
	2		4	5		3
	34	6	31	1	27	2
7	6	1		3		5
	33		30	4	32	6
3		2		7	1	

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6250 का हल

5	1	7	4	2	6	3
6	32	1	29	3	29	2
1	6	5	3	4	2	7
4	34	6	30	1	30	4
3	7	2	4	5	6	1
7	31	3	32	7	43	6
2	3	4	1	6	7	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

सुब्रतो कप : मेजबान शहर के रूप में शामिल हुआ बेंगलुरू

नई दिल्ली। प्रतिष्ठित सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट का 62वां संस्करण 19 सितंबर से 23 अक्टूबर, 2023 तक आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष दिल्ली और गुरुग्राम के अलावा बेंगलुरु को मेजबान शहर के रूप में जोड़ा गया है और इसी तरह सबसे पुराने राष्ट्रीय अंतर-स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट को पहली बार दक्षिण भारत में ले जाया जा रहा है।

इस आशय की आधिकारिक घोषणा, एयर मार्शल आर.के. आनंद वीएसएम, एयर ऑफिसर-इन-चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन और वाइस चेयरमैन, सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसायटी (एसएमएसईएस) की उपस्थिति में, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आकाश ऑफिसर मेस में एक प्रेस-कार्यक्रम में की गई। एयर मार्शल आर.के आनंद वीएसएम इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

एसएमएसईएस के तत्वावधान में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा आयोजित सुब्रतो कप पहली बार 1960 में आयोजित किया गया था और इसका नाम एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी के नाम पर रखा गया था, जिन्होंने जमीनी स्तर पर खेल को बढ़ावा देने के लिए इस विचार की कल्पना की थी। 62वें सुब्रतो कप का लाइव प्रसारण स्पोर्ट्सकास्ट इंडिया यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। प्रसार भारती और एआईएफएफ यूट्यूब चैनलों पर भी हाइलाइट्स देखी जा सकती है।

इस अवसर पर एयर मार्शल आर.के. आनंद वीएसएम, एयर ऑफिसर-इन-चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन और वाइस चेयरमैन एसएमएसईएस ने कहा, '62वां सुब्रतो कप वास्तव में ऐतिहासिक होगा क्योंकि यह पहली बार भारत के दक्षिण, बेंगलुरु में खेला जाएगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की पहुंच देश के अधिक से अधिक कोनों तक फैलाने की हमारी लंबे समय से इच्छा रही है और इस साल बेंगलुरु में मुख्य सब जूनियर बॉयज टूर्नामेंट की मेजबानी उस दिशा में पहला कदम है। मैं टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली सभी टीमों को बधाई देता हूं और उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। वे खेल को खेल भावना की सच्ची भावना से खेलें।'

जैसा कि उल्लेख किया गया है, यह पहली बार होगा, राष्ट्रीय टूर्नामेंट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बाहर खेला जाएगा। जहां अंडर-17 जूनियर लड़कों और लड़कियों के टूर्नामेंट दिल्ली/एनसीआर में आयोजित किए जाएंगे, वहीं अंडर-14 सब-जूनियर लड़कों की प्रतियोगिता बेंगलुरु में आयोजित की जाएगी। प्रतिष्ठित अंबेडकर स्टेडियम के अलावा, तेजस फुटबॉल ग्राउंड (दिल्ली), सुब्रतो फुटबॉल ग्राउंड (दिल्ली) और जी.डी. गोयनका स्कूल (गुरुग्राम) मैदान दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र में आयोजन स्थल होंगे। बेंगलुरु में मैच एएससी सेंटर एयर फ़ोर्स स्कूल, जलाहल्ली और एयर फ़ोर्स स्कूल, येहलंका में खेले जाएंगे।

देश के 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) से तीन टूर्नामेंटों में कुल 109 टीमें भाग लेंगी। बांग्लादेश और नेपाल की टीमें भी विदेशी भागीदारी लेकर आएंगी। कुल 180 से अधिक फुटबॉल मैच खेले जाने हैं।

न्यूज ब्रीफ

उड़नपरी पीटी उषा का रिकॉर्ड टूटने से बचा, तमिलनाडु की विद्या सेकंड के सौवें हिस्से से चूकीं

चंडीगढ़। एशियाई खेलों में भाग लेने वालीं 24 साल की आर विद्या रामराज यहां 'इंडियन ग्रां प्री पांच' के दौरान महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में 55.43 सेकंड का समय लेकर उड़नपरी पीटी उषा के 39 साल पहले के रिकॉर्ड को तोड़ने से बेहद मामूली अंतर से चूक गईं। तमिलनाडु की 24 वर्षीय विद्या सेकंड के सौवें हिस्से से उषा का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गईं। उषा ने 1984 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में 55.42 सेकंड के समय के साथ चौथा स्थान हासिल किया था। यह दूसरा सबसे लंबे समय तक कायम रहने वाला राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। उषा वर्तमान में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। विद्या ने कहा कि मैडम उषा बेहद प्रतिभाशाली थीं इसलिए उनका रिकॉर्ड इतने लंबे समय से कायम है। मैं यह कीर्तिमान तोड़ना चाहती थी। ये मेरे दिमाग में था, मैं नई उषा मैडम बनना चाहती थी। मैं पहले 200 मीटर में कुछ धीमी रहीं उसके बाद गति पकड़ी। अगर मैंने शुरुआत में ही रफ्तार पकड़ ली होती तो मैंने यह राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया होता। अभी एशियाई खेल होने हैं, मैं वहां राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने का प्रयास करूंगी।

भारतीय बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करना चाहते हैं रैना, कहा- ईशान किशन करें पारी की शुरुआत

मुंबई। मध्यक्रम के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने विकेटकीपर ईशान किशन का समर्थन करते हुए कहा कि 25 साल के इस बल्लेबाज को भारतीय टीम के लिए पारी का आगाज करना चाहिए। रैना ने कहा कि टीम में किशन की मौजूदगी से माहौल सकारात्मक रहता है और वह टीम में उसी तरह की भूमिका निभा रहे है जैसा की चोटिल विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत निभाते थे। किशन ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के ग्रुप चरण मैच में मुश्किल परिस्थितियों में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 82 रन की परिपक्व पारी खेली थी। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज हालांकि घरेलू मैचों में झारखंड और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए पारी का आगाज करता है। रैना ने कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि ईशान किशन को पारी का आगाज करना होगा क्योंकि वह अपनी सकारात्मक शख्सियत से टीम का माहौल अच्छा बनाए रखते हैं।'

श्रीलंका के खिलाफ मैच में भी नहीं खेलेंगे श्रेयस अय्यर, बीसीसीआई ने किया फैसला

नई दिल्ली। श्रेयर अय्यर को एशिया कप में भारत-श्रीलंका मुकाबले में भी टीम में जगह नहीं मिली है। बीसीसीआई ने ताजा अपडेट में बताया कि श्रेयस अय्यर को आराम करने की सलाह दी गई है और इस मैच में भी बाहर रखा रखा गया है। भारतीय क्रिकेट परिषद (बीसीसीआई) ने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, श्रेयस अय्यर बेहतर महसूस कर रहे हैं लेकिन अभी भी पीठ की ऐंठन से पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं। उन्हें बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने आराम की सलाह दी है और वह आज टीम के साथ स्टेडियम नहीं गए हैं। बता दें कि रविवार को एशिया कप सुपर फोर मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले अय्यर को पीठ में ऐंठन की समस्या हुई थी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस के समय उनकी अनुपस्थिति की पुष्टि की और बताया कि श्रेयस अय्यर को पीठ में दर्द है इसलिए उनकी जगह केएल राहुल को शामिल किया गया है। संयोग से श्रेयस की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल हुए केएल राहुल ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया और शानदार शतक जमाया। बता दें कि श्रेयस अय्यर काफी समय से पीठ की चोट से जूझ रहे थे। हाल ही में उन्होंने सर्जरी भी कराई थी। करीब 6 महीनों तक बाहर रहने के बाद उन्हें एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल किया गया है।

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 का कार्यक्रम घोषित

थाईलैंड के खिलाफ अभियान की शुरूआत करेगा भारत

रांची। एशियाई हॉकी महासंघ और हॉकी इंडिया ने मंगलवार को झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 के आगामी संस्करण के लिए कार्यक्रम की घोषणा की। टूर्नामेंट की शुरुआत मलेशिया और जापान के बीच खेले जाने वाले पहले मैच से होगी, जबकि मेजबान भारत अपने अभियान की शुरूआत पहले दिन (27 अक्टूबर) के तीसरे मैच में थाईलैंड के खिलाफ करेगा।

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 में कोरिया, मलेशिया, थाईलैंड, जापान, चीन और भारत प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। छह टीमों का टूर्नामेंट 27 अक्टूबर को शुरू होगा और 5 नवंबर को समाप्त होगा। सभी टीमें वन पूल का हिस्सा हैं और शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जहां तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम चौथे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी और दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी।

डिफेंडिंग चैंपियन जापान को टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे शानदार टीम कोरिया से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जिसने 2010, 2011 और 2016 में टूर्नामेंट के छह में से तीन संस्करण जीते हैं। मेजबान भारत विशेष रूप से बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में ऐतिहासिक कांस्य और एफआईएच हॉकी महिला राष्ट्र कप स्पेन 2022 में खिताबी जीत के बाद अच्छी फॉर्म में है। मेजबान टीम ने 2016 में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती है और 2018 में उपविजेता रही। भारतीय टीम 27 अक्टूबर को थाईलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी और 2 नवंबर को ग्रुप चरण के आखिरी मैच में कोरिया से भिड़ेगी। एशियाई हॉकी महासंघ के अध्यक्ष, दातो फुमियो ओगुरा ने कहा, 'यह एशियाई हॉकी समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, और हम प्रतिष्ठित महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में शीर्ष स्तर की हॉकी प्रतियोगिता देखने का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं। मैं इस आयोजन की मेजबानी के लिए और एशिया में हॉकी के विकास के लिए उनके अटूट समर्थन और प्रतिबद्धता के लिए हॉकी इंडिया की हार्दिक सराहना करता हूं। इसके अलावा, मैं महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी में उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य और उत्साह के लिए झारखंड राज्य के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं। चेन्नई के बाद, हम हॉकी इंडिया के सहयोग से एक और शानदार आयोजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।'

इस अवसर पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, 'हमें एक और प्रमुख एशियाई टूर्नामेंट की मेजबानी करने पर गर्व है और मुझे यकीन है कि झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी रांची 2023 कुछ शीर्ष महिला हॉकी खिलाड़ियों के साथ एक शानदार प्रदर्शन होगा। कार्यक्रम की घोषणा टूर्नामेंट से पहले अंतिम चरण की शुरुआत का संकेत देती है और हम इस असाधारण कार्यक्रम के शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकते।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'रांची में झारखंड महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 की मेजबानी करना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। हम कुछ मजबूत टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे और मेरा मानना है कि यह नजारा झारखंड के अधिक युवाओं को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करेगा। भारतीय महिला हॉकी टीम रांची के निवासियों के लिए प्रदर्शन करने में बहुत सक्षम है और हम कुछ शानदार हॉकी देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते।'

एशियाई खेलों में लक्ष्मण भारत की पुरुष और कानितकर महिला टीम के होंगे कोच

नई दिल्ली। वीवीएस लक्ष्मण और हृषिकेश कानितकर 2023 एशियाई खेलों में क्रमश: भारत की पुरुष और महिला टीमों के मुख्य कोच होंगे। साईराज बहुतुले पुरुष टीम के गेंदबाजी कोच होंगे, जबकि मुनीश बाली उनके क्षेत्ररक्षण कोच होंगे। महिला टीम के लिए राजीब दत्ता गेंदबाजी कोच और सुभदीप घोष फील्डिंग कोच होंगे।

दोनों टीमें क्वार्टर फाइनल चरण में प्रतियोगिता में प्रवेश करेंगी। नवीनतम कार्यक्रम के अनुसार, भारत के पुरुषों का क्वार्टर फाइनल मैच 3 अक्टूबर को है और यदि वे क्वालीफाई करते हैं तो सेमीफाइनल 5 अक्टूबर को होने की संभावना है। फाइनल 7 अक्टूबर को निर्धारित है। भारत की महिला टीम का क्वार्टर फाइनल 21 सितंबर को निर्धारित है, सेमीफाइनल 23 सितंबर को और फाइनल 25 सितंबर को होगा। खेल झेजियांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (जेडजेयूटी) में पिंगफ़ेंग परिसर क्रिकेट मैदान पर खेले जाएंगे।

एशियाई खेलों में भारत की पुरुष इकाई दूसरी पंक्ति की टीम होगी, जिसका नेतृत्व रुतुराज गायकवाड़ करेंगे। मुख्य टीम 5 अक्टूबर से शुरू होने वाले विश्व कप की तैयारी कर रही है। कानितकर ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज और फिर दक्षिण अफ्रीका में त्रिकोणीय सीरीज और उसके बाद इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप के लिए महिला टीम को कोचिंग दी। महिला टीम पिछले साल दिसंबर से स्थायी मुख्य कोच के बिना है, जब रोमेश पोवार को एनसीए में स्थानांतरित कर दिया गया था। भारत के पूर्व गेंदबाज नूशिन अल खादीर को बांग्लादेश के सफेद गेंद दौरे के लिए टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। बीसीसीआई की क्रिकेट सलाहकार समिति ने महिला मुख्य कोच पद के लिए तीन नामों को शॉर्टलिस्ट किए थे, जिनका साक्षात्कार हो चुका है, लेकिन किसी भी नियुक्ति पर कोई अपडेट नहीं आया है।

पुरुष टीम में, तिलक वर्मा की उपलब्धता पर संदेह है, क्योंकि उन्हें विश्व कप के लिए स्टैंडबाय पर भारत में रहने के लिए कहा जा सकता है, क्योंकि श्रेयस अय्यर को एशिया कप में रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ सुपर फोर मुकाबले से ठीक पहले पीठ में ऐंठन का सामना करना पड़ा था। शुरुआत में महिला टीम का नेतृत्व स्मृति मंधाना करेंगी। यदि भारत सेमीफाइनल में पहुंचता है, तो हरमनप्रीत कौर, जिन पर अनुशासनात्मक मुद्दों के लिए दो मैचों का अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाया गया था, फाइनल या तीसरे स्थान के प्लेऑफ़ में नेतृत्व करने के लिए वापस आएंगी।

24 ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने अपने नाम किए ढेर सारे रिकॉर्ड

न्यूयॉर्क। सर्बिया के 36 वर्षीय नोवाक जोकोविच रविवार की रात निर्विवाद रूप से टेनिस के बेताज बादशाह बन गए। उन्होंने फाइनल में रूस के डेनियल मेदवेदेव को हराकर यूएस ओपन का चौथा और कुल 24वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। 1968 से शुरू हुए ओपन दौर के बाद 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले वह दुनिया के इकलौते टेनिस खिलाड़ी हैं। यही नहीं ओपन दौर में वह ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए। 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले वह पहले पुरुष खिलाड़ी भी बने। उन्होंने ग्रैंड स्लैम जीतने के मामले में सेरेना विलियम्स (23) को पीछे छोड़ दिया और ऑस्ट्रेलिया की मार्गरेट कोर्ट स्मिथ (24) की बराबरी कर ली। मार्गरेट ने भी 24 ग्रैंड स्लैम जीते हैं, लेकिन उन्होंने 13 ग्रैंड स्लैम ओपन दौर से पहले जीते थे।

जोकोविच का यह साल का तीसरा ग्रैंड स्लैम रहा। साल में तीन ग्रैंड स्लैम जीतने की उपलब्धि उन्होंने चौथी बार हासिल की है। ऐसा टेनिस के इतिहास में किसी ने नहीं किया। यूएस ओपन जीतने के साथ इस साल उनका ग्रैंड स्लैम में जीत हार का रिकॉर्ड 27-1 हो गया है। उन्हें एकमात्र हार विंबलडन के फाइनल में स्पेन के कार्लोस अल्कारेज के हाथों मिली। यही नहीं इस जीत के साथ जोकोविच सोमवार को जारी होने वाली एटीपी रैंकिंग में नंबर एक की रैंकिंग पर विराजमान हो जाएंगे। जोकोविच कोरोना का टीकाकरण नहीं होने के चलते बीते वर्ष यूएस ओपन में नहीं खेल पाए थे।

वर्ष 2005 में जोकोविच ने अपना पहला ग्रैंड स्लैम खेला था। 2008 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में फ्रांस के जो विल्फ्रेड सोंगा को हराकर उन्होंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता। वह अब तक 72 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं। इस लिहाज से उन्होंने अब तक हर तीसरा ग्रैंड स्लैम जीता है। जोकोविच पिछले 10 ग्रैंड स्लैम में से सात में जीत चुके हैं।

बाबर और केली ने अगस्त माह के लिए जीता आईसीसी प्लेयर ऑफ़ द मंथ का पुरस्कार

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को अगस्त माह के दौरान शानदार अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के आधार पर आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा की। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम और आयरलैंड की तेज गेंदबाज अर्लीन केली को क्रमश: पुरूष और महिला वर्ग में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का ताज पहनाया गया है।

बाबर ने पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन किया था और नेपाल के खिलाफ शानदार शतक लगाया था। इसी के साथ बाबर अप्रैल 2021 और मार्च 2022 में पिछली जीत के बाद, तीन अलग-अलग मौकों पर पुरस्कार जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं, आयरलैंड की तेज गेंदबाज अर्लीन केली ने अगस्त माह में बेहतरीन गेंदबाजी की, जिसकी बदौलत उनकी टीम ने टी-20 में नीदरलैंड पर 3-0 से श्रृंखला जीत दर्ज की थी।

आईसीसी-क्रिकेट.कॉम पर पंजीकृत वैश्विक प्रशंसकों और आईसीसी हॉल ऑफ फेमर्स, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और मीडिया प्रतिनिधियों के एक विशेषज्ञ पैनल द्वारा दिए गए वोटों के बाद बाबर और केली ने पुरस्कार जीते।

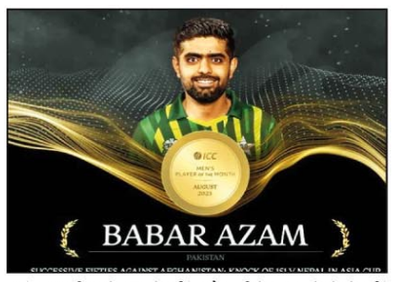

बाबर ने भले ही अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज की शुरुआत धीमे तरीके से की हो, लेकिन उन्होंने आखिरी दो मुकाबलों में 53 और 60 की दो अर्धशतकीय पारियां खेलीं और पाकिस्तान को सीरीज में जीत दिलाने में मदद की।

इसके बाद एशिया कप में बाबर ने मुल्तान में नेपाल के खिलाफ 151 रनों की शानदार शतकीय पारी खेल पाकिस्तान को 342 रनों के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। कुल मिलाकर, बाबर ने महीने में 66 की औसत और 92.30 की स्ट्राइक रेट से 264 रन बनाए। बाबर ने हमवतन शादाब खान और वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन को पछाड़कर अपना तीसरा पुरस्कार जीता।

महिला वर्ग में अर्लीन केली ने अपने प्रयासों से आयरलैंड को अम्स्टेलवीन में नीदरलैंड्स को 3-0 से हराने में मदद करने के बाद अपना पहला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार जीता।

अपने तीन टी-20 मैचों में 4.30 की शानदार औसत से दस विकेट लेकर केली प्रतिस्पर्धी डच लाइनअप के लिए लगातार खतरा बनी हुई थीं। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ा 5-12 का रहा। उन्होंने पहले मैच में यह कारनामा किया। इसके बाद दूसरे मैच में उन्होंने 11 रन देकर तीन विकेट लिए और अंतिम मैच में 20 रन देकर दो विकेट लिए।

आयरलैंड की तेज गेंदबाज ने मलेशिया की हरफनमौला खिलाड़ी आइना हामिजा हाशिम और नीदरलैंड की सलामी बल्लेबाज आइरिस ज़विलिंग को पछाड़कर पुरस्कार जीता।

डेनियल एबेन्यो और अल्माज अयाना वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2023 में होंगे खास आकर्षण

नई दिल्ली। विश्व चैंपियनशिप में 10 हजार मीटर का रजत पदक जीतने वाले केन्या के डेनियल एबेन्यो और रियो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता तथा 2017 दिल्ली हाफ मैराथन विजेता इथियोपिया की अल्माज अयाना 18वीं वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में पुरुष और महिला वर्ग में इलीट एथलीटों की अगुवाई करेंगे।

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन एक वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस है और इसका आयोजन रविवार, 15 अक्टूबर 2023 को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

2016 में रियो में आयोजित ओलंपिक खेलों की 10,000 मीटर चैंपियन अल्माज अयानास ने 2015 (5,000 मीटर) और 2017 (10,000 मीटर) में लगातार दो विश्व खिताब जीते हैं। अल्माज ने दिल्ली हाफ मैराथन के 13वें संस्करण में खिताबी जीत हासिल करने के लिए दिल्ली की सड़कों पर एक शानदार दौड़ लगाई थी। यह मैराथान साल 2005 से लगातार आयोजित हो रहा है।

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में वापसी के बारे में अल्माज ने कहा, 'मैं वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में दौड़ने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यहीं पर मैंने 2017 में दुनिया की सबसे तेज हाफ मैराथन में दौड़ लगाई थी। बच्चे को जन्म देने और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों में से एक होने के बाद, मैं दिल्ली की सड़कों पर वापस आने और पहले से बेहतर बनने की कोशिश करने के लिए उत्सुक हूं!'

इस इथियोपियाई धावक ने इस साल की शुरुआत में लिस्बन में 1.05.30 का पर्सनल बेस्ट समय निकालकर जीत हासिल की और उसके बाद लंदन मैराथन में पूरी दूरी नापने के बाद सातवें स्थान पर रहीं। अब उसकी नजर अपने ही देश की यालेमज़र्फ येहुआलाव द्वारा 2020 में बनाए गए 1.04.46 के दिल्ली कोर्स रिकॉर्ड पर है।

विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता डैनियल सिमियु एबेन्यो, जो 2023 की शुरुआत में बाथर्स्ट (ऑस्ट्रेलिया) में आयोजित विश्व क्रॉस-कंट्री चैंपियनशिप में छठे स्थान पर रहे थे, ने पिछले साल मनामा में हाफ-मैराथन में 59.04 का पर्सनल बेस्ट समय निकाला था। उनका यह समय 58.53 के दिल्ली कोर्स रिकॉर्ड के बहुत करीब है और इसलिए वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में वह बड़ी उम्मीदों के साथ आ रहे हैं।

केन्या से रोन्सर कोंगा (59.08), लियोनार्ड बारसोटन (59.09), इसाक किपकेमबोई (59.17) और इसैयाह लासोई (59.27) के अलावा इथियोपिया के टेसफहुन अकालन्यू (59.22) भी इस साल दिल्ली हाफ मैराथन में हिस्सा लेने के लिए उत्सुक हैं। संयोग से, बार्सोटन और अकलन्यू तीन साल पहले दिल्ली में क्रमश: पांचवें और छठे स्थान पर रहे थे और अब वे 2023 में पोडियम पर जगह बनाने की कोशिश करेंगे।

महिलाओं की रेस में अयाना को अपनी युवा साथी बेतेलिहेम अफेनिगस से कड़ी टक्कर मिलेगी। अफेनिगस सिर्फ 22 साल की है और इस साल पहले ही पांच हाफ-मैराथन दौड़ में भाग ले चुकी है और उसका पर्सनल बेस्ट 1.06.46 है, जो उन्होंने मार्च में पेरिस में दूसरे स्थान पर

रहने के साथ दर्ज किया था। केन्याई वियोला चेप्नजेनो, जिन्होंने अब तक आठ इलीट हाफ-मैराथन रेस में भाग लिया है और बर्लिन 2022 में 1.06.48 का समय निकाला है, वह एक और धावक होंगी जिन पर सबकी नजर रहेगी।

268,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस मैराथन में हजारों एमेच्योर दुनिया के सबसे तेज़ कोर्स में से एक पर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ इलीट वर्ग के एथलीटों के साथ दौड़ते नजर आएंगे। पुरुष और महिला वर्ग में अंतर्राष्ट्रीय एलीट विजेताओं में से प्रत्येक को 27,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। पुरस्कार राशि पाने वालों में दोनों वर्गों से शीर्ष-10 फिनिशर शामिल हैं। इसके अलावा, 12,000 अमेरिकी डॉलर का इवेंट रिकॉर्ड बोनस भी है।

भारत में डिस्टेंस रनिंग इवेंट में अग्रणी- प्रोकैम इंटरनेशनल द्वारा प्रमोटेड इस इवेंट को विश्व स्तर पर विविध प्राकृतिक संसाधन कंपनी, टाइटिल स्पांसर वेदांता द्वारा सपोर्ट किया गया है। उनके साथ अन्य प्रायोजक भी शामिल हैं, जिनमें विशिष्ट एसोसिएट प्रायोजक आईडीएफसी फर्स्ट बैंक भी शामिल है, जो भारत में एक विश्व स्तरीय बैंक है। यह एथिक्स द्वारा गाइडेड, प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित, और सोशल गुड के लिए एक ताकत है।

नई दिल्ली ने हालांकि 2004 में भारतीय राजधानी में विश्व हाफ मैराथन चैंपियनशिप की सफलतापूर्वक मेजबानी की थी, लेकिन जब तक प्रोकैम ने इस वार्षिक इवेंट की शुरुआत नहीं की, तब तक शहर का अपना कोई बड़ा आयोजन नहीं था। प्रोकैम इंटरनेशनल के ज्वाइंट एमडी विवेक सिंह ने कहा, 'एक ऐसा शहर जो दौड़ता नहीं था। आज दुनिया के सबसे तेज़ और सबसे बड़े हाफ मैराथन में से एक का घर है। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के 18वें संस्करण के लिए ऐसे बेहतरीन एथलीटों की मेजबानी करना हमारा सौभाग्य है। यह इवेंट हमारे सभी स्टेकहोल्डर्स के बीच गर्व और सौहार्द और स्वामित्व की भावना पैदा करता है।'

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 15 अक्टूबर 2023 को आयोजित की जाएगी। सभी फिजिकल रेस श्रेणियों - हाफ मैराथन, ओपन 10 किमी, ग्रेट दिल्ली रन (लगभग 4.5 किमी), वरिष्ठ नागरिक दौड़ (लगभग 2.5 किमी) और चैंपियंस के साथ डिसेबिलिटी रन (लगभग 2.5 किमी) के लिए पंजीकरण शुक्रवार, 22 सितंबर 2023 को रात 11.59 बजे तक या स्थान भरने तक (जो भी पहले हो), खुला है।

जहां लोग करते हैं रिश्वत से सख्त नफरत

दुनियाभर में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो रिश्वत लेने से जरा भी कुरेज नहीं करते। पैसे की ललक लोगों में इस कद्र बढ़ गई है कि रिश्वत लेनी या देनी आम बात हो गई है लेकिन दुनिया में एक जगह ऐसी भी हैं जहां लोग रिश्वत से सख्त नफरत करते हैं। जी हां, बेलारूस एक ऐसी जगह है जहां पर लोग रिश्वत से दूर रहते हैं। बेलारूस का अर्थ होता है, व्हाइट रशिया (सफेद रूस)। ईस्टर्न यूरोप में स्थित बेलारूस, पॉलैंड और रूस के बीच है। यहां के लोग बहुत सारी चीजों के लिए रूस पर निर्भर हैं। वह आर्थिक और रोजगार संसाधनों से ज्यादा अहमियत अपनी सोच, एजुकेशन और सिद्धांतों के देते हैं। यहां के नागरिक नियमों की कड़ी पालना करते हैं। पुलिस अधिकारी रिश्वत नहीं लेते हैं। 16 साल की उम्र में ही लोग पासपोर्ट बनवा लेते हैं। हैरानी की बात तो यह है कि यहां ऐसी कोई यूनिवर्सिटी नहीं है, जो बेलारूसियन भाषा का कोर्स कराती हो या इसका प्रशिक्षण देती हो।

ऐसे कम करें मधुमेह का खतरा...

फलों का रस पीने से बेहतर है फलों को खाना। फलों में अधिक फाइबर और शुगर शामिल होते हैं। फलों को खाने से आप काफी हद तक मधुमेह के खतरे को कम करने में कामयाब होंगे। आपको सॉसेज और सलामी में चिकन और मीट के प्रयोग से बचना चाहिए। अगर आप खाने को चबाने में पर्याप्त समय लेते हैं तो आप कम खाएंगे जो कि आपके पाचन के लिए भी अच्छा होगा।

रोजाना की डाइट में शामिल करें सिंघाड़ा...

सिंघाड़ा पोषक तत्वों और लो कैलोरी के कारण सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है, इसीलिए केवल व्रत में ही नहीं बल्कि आमतौर पर भी रोज सिंघाड़ा खाएं। तिकोने आकार का हरे और लाल रंग का सिंघाड़ा अपने शानदार स्वाद और कड़कपन के कारण बेहद खास है। पानी में पाए जाने वाले सिंघाड़े को पानी फल के नाम से भी जाना जाता है। कई तरह की बीमारियों से बचने के लिए जिंक, पोटैशियम और विटामिन से भरपूर इस फल को हर किसी को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। सिंघाड़े का इस्तेमाल कई तरह से किया जाता है। कुछ लोग इसे कच्चा खाना पसंद करते हैं तो कुछ इसे उबालकर खाते हैं। कई जगहों पर इसे सब्जी के तौर पर भी प्रयोग में लाया जाता है। आइए इससे होने वाले फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर: सिंघाड़े का इस्तेमाल अपनी रोजाना की डाइट में किया जा सकता है। इनमें उच्च मात्रा में पोषक तत्व जैसे विटामिन बी व सी, आयरन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस आदि की मौजूदगी और कैलोरी की कम मात्रा स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है। भूख बढ़ाने के लिए भी यह फल एक बेहतर विकल्प माना जाता है। बुजुर्गों व गर्भवती महिलाओं के लिए तो यह बहुत गुणकारी है। इस फल में कई औषधीय गुण हैं, जिनसे शुगर, अल्सर, हृदय रोग, गठिया जैसे रोगों से बचाव हो सकता है।

पीलिया में फायदेमंद: सिंघाड़े में डिटॉक्सिफाइंग गुण पाए जाता है। यह शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में कारगर होता है। ऐसे में अगर किसी को पीलिया है तो सिंघाड़े का इस्तेमाल उसके लिए बहुत फायदेमंद होगा।

थायराइड ग्लैंड को सक्रिय करें: सिंघाड़े में आयोडीन और मैगनीज जैसे कई प्रमुख मिनरल होते हैं। यह थायराइड ग्रंथि के लिए आवश्यक तत्व है। इसलिए रोजाना इसे अपने आहार में शामिल करने से थाइराइड ग्रंथि की क्रियाशीलता लम्बे समय तक सही रूप में बनी रहती है।

अनिद्रा की समस्या से बचाएं: सिंघाड़े में पॉलीफिनॉलिक और फ्लेवोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसके अलावा ये एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और एंटी-कैंसर गुणों से भी भरपूर होता है। इसके अलावा यह अनिद्रा की समस्या को दूर करने में भी सहायक होता है।

यूरीन इंफेक्शन को रोकें: सिंघाड़े के इस्तेमाल से यूरीन से जुड़ी कई समस्याओं में भी फायदा होता है। सिंघाड़े को कच्चा खाने या इस फल को जूस के रूप में लेने पर यह शरीर से हानिकारक विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है और यूरीन संबंधी इंफेक्शन को रोकता है। इसलिए अगर आप यूरीन संबंधी इंफेक्शन से बचना चाहते हैं तो सिंघाड़े को अपने आहार में शामिल करें।

दस्त में लाभकारी: सिंघाड़ा शरीर को ठंडक प्रदान करने का काम करता है। यह प्यास को बुझाने में भी कारगर होता है, इसलिए दस्त होने पर इस मीठे, ठंडे और ठोस फल का सेवन करना बहुत फायदेमंद रहता है। यह मीठा, ठंडा और ठोस फल दस्त में भी लाभ पहुंचाता है साथ ही यह शरीर को शीतल रखकर लार का उत्पादन बढ़ाता है।

ब्यूटी मिनरल सिलिका कितना फायदेमंद...?

सिलिका हमारे शरीर के लिए सबसे महत्वपूर्ण मिनरल में से एक है, जो हमारी हड्डियो को मजबूत बनाने और ऑस्टियोआर्थराइटिस की समस्या को दूर करने में मदद करता है। यह प्राकृतिक रूप से हमारे नाखूनों में पाया जाता है। बच्चों में सुंदर और कोमल त्वचा और सही नाखून होने के कारण शरीर में सिलिका की उपस्थिति है। लेकिन उम्र बढ़ने के साथ शरीर में इसकी मात्रा भी कम होने लगती है। इसलिए भोजन में सिलिका की मात्रा होना महत्वपूर्ण होता है। सिलिका मुख्य रूप से आलू, जौ, गेहूं की भूसी, बादाम, मूंगफली और जई में पाया जाता है। सिलिका कोलेजन के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने में मदद करता है। सौंदर्य में अद्भुत योगदान के कारण, इसे ब्यूटी मिनरल के रूप में जाना जाता है। यहां सिलिका के स्वास्थ्य और सुंदरता के लाभों में से कुछ के बारे में बताया गया है।

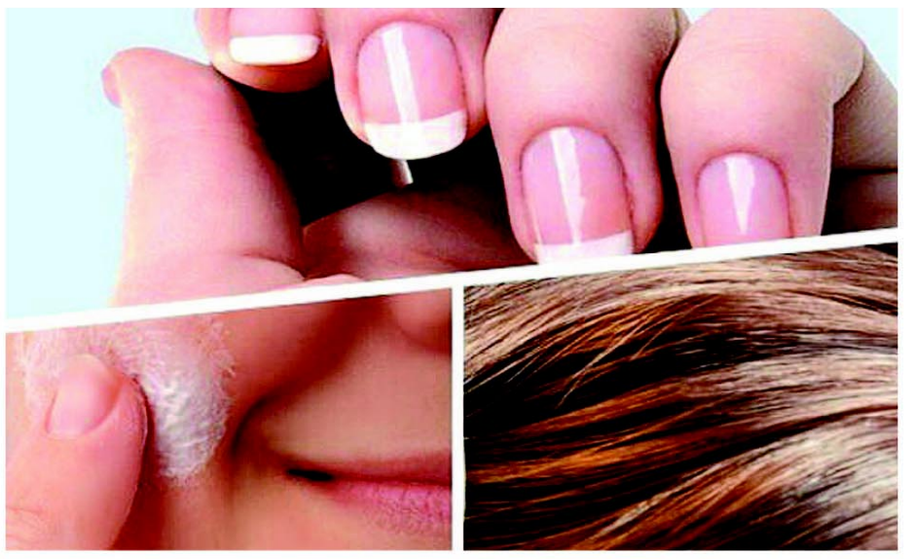

हड्डियों और जोड़ों के काम में सुधार करने में मददगार

सिलिकॉन हड्डियों और जोड़ो के रखरखाव और विकास के लिए आवश्यक माना जाता है। यह कोलेजन की मात्रा में वृद्धि कर हड्डियों के लचीलेपन को उत्प्रेरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोलेजन एक ऐसा घटक है जो हड्डियों में प्रोटीन को रखता है। सिलिकॉन हड्डी के टूटने और डिस्लोकेशन के लगातार उपचार में सहायक होता है। यानी यह स्केलेटल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होता है। सिलिका सप्लीमेंट जोड़ों के लचीलेपन में सुधार लाने में बेहद मददगार साबित होता है, क्योंकि यह संयोजी ऊतक को मजबूत बनाने में मदद करता है। सिलिका जोड़ों में दर्द और सूजन को कम करता है। यह लोच को बढ़ाने और जोड़, मोड़ और खिंचाव में मदद करता है।

सेल्युलाईट के इलाज में मददगार

शरीर में कोलेजन की कमी सेल्युलाईट का कारण बनता है। सिलिका कोलेजन से भरपूर होने के कारण लिग्मेंट और टेंडन को मजबूत बनाने और सेल्यूलाई को दूर करने में मदद करता है। एल्यूमीनियम विषाक्तता को रोकने के लिए शरीर में एल्यूमीनियम के संचय से एल्यूमीनियम विषाक्तता का परिणाम है। सिलिका में भारी मेटल को डिटॉक्स करने के गुण होते हैं, जो एल्यूमीनियम विषाक्तता के लिए एक शानदार उपाय के रूप में काम करता है। यह डिमेंशिया और अल्जाइमर रोग के जोखिम को कम करता है।

दुरुस्त रखता है पाचन तंत्र और इम्यून सिस्टम को

सिलिका और इसके सप्लीमेंट पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने और समुचित कार्य को विनियमित करने में मदद करता है। इसे बनाए रखने के लिए ऊतकों की भलाई में मदद करता है और पेट की सूजन को कम करता है। यह अल्सर, दस्त और कब्ज के इलाज में मदद करता है। सिलिका के अल्कालिजिंग गुण खराब खाने के कारण शरीर मे अम्ल बनाने लगता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है और बीमारी का कारण बनता है, इसके लिए सिलिका में मौजूद अल्कालिजिंग गुण महत्वपूर्ण होते हैं। इसके अलावा सिलिका एंटीबॉडी और एंटीजन बनाता है जो स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाल को बनाए रखने में आवश्यक होता है।

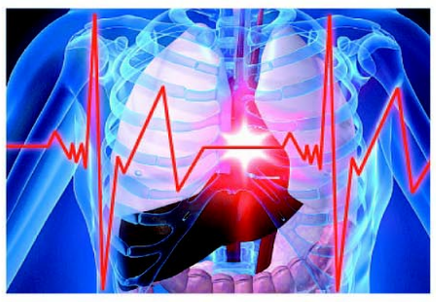

दिल के लिए अच्छा और घाव को जल्द भरें

सिलिका हृदय प्रणाली को स्वस्थ रखने वाला एक अनिवार्य तत्व है। यह धमनी पट्टिका पर प्लॉक निर्माण और बंद रक्त वहिकाओं को खोलने में मदद करता है। इसके अलावा यह घाव जल्द भरने में मदद करता है। सिलिका कोलेजन का एक हिस्सा है, इसलिए इसमें जबरदस्त चिकित्सा गुण होते है। जो घाव, जलन और निशान का इलाज करने में मदद करता है।

शरीर के हार्मोन को संतुलित करने में मददगार

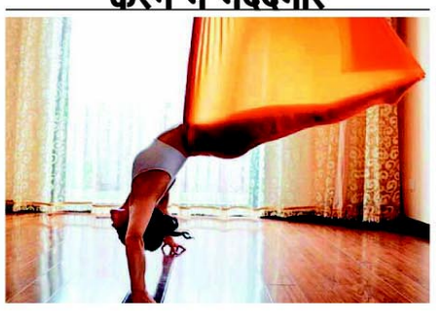

सिलिका टेंडन और अन्य संयोजी ऊतकों के कोलेजन के लोच को बनाए रखता है। यह दर्द को कम करने और शरीर के लचीलेपन को बनाए रखने में मदद करता है। इसके अलावा हार्मोनल संतुलन में मददगार होता है। सिलिका शरीर में कैल्शियम और मैग्नीशियम के बीच एक उचित संतुलन को बढ़ावा देता है। यह शरीर में ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को रोकता है।

एंटी-एजिंग व मुंहासों को दूर करें

युवा और कोमल त्वचा पाने के लिए, आपको अपने आहार में सिलिका युक्त भोजन जैसे लाल बीट, ज्वार, बाजरा, जौ, आलू और ओट्स आदि को शामिल करना चाहिए। यह कोलेजन लोच को बनाये रखने में मदद करता है जिससे झुर्रियां रहती है। सिलिका शरीर से विषाक्त पदार्थों को हटाने में मदद करता है, जिससे कोलेजन के उत्पादन को बढ़ाने और संयोजी ऊतकों के पुननिर्माण से मुंहासों को दूर करने में मदद मिलती है। यह त्वचा की बाहरी परत की कोशिकाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा होता है।

हरी मेथी से सेहत को बनाएं हरा-भरा

मेथी के पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक गुण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। इसमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन सी, नियासिन, पोटेशियम और आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसमें डियोसजेनिन (diosgenin) तत्व भी पाया जाता है जो एस्ट्रोजन की तरह काम करता है। इस तत्व के कारण बहुमुखी मेथी स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होती है। अगर आपको कब्ज या पाचन से जुड़ी कोई भी समस्या है तो हरी मेथी आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकती है। इसका सेवन करने से पाचन क्रिया पर सकारात्मक असर पड़ता है और कब्ज, गैस जैसी समस्याएं दूर हो जाती हैं। हरी मेथी दिल की बीमारियों के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। मेथी पोटेशियम का सबसे अच्छा स्रोत होता है जो सोडियम के प्रभाव को कम करके दिल के हृदय गति और रक्त चाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह डायबिटीज रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। मेथी में घुलनशील फाइबर रक्त में शुगर के सोखने की प्रक्रिया को कम करने में मदद करता है। यह बालों के लिए भी फायदेमंद होती है। इसको पीसकर बालों में लगाने से बाल काले, घने और चमकदार हो जाते हैं।

शुरू कर सकते हैं खुद का कारोबार

पर्सलन स्टाइलिस्ट में बेहतर भविष्य खोज सकते हैं युवा

आजकल के युवा स्टाइल के मामले में किसी से भी कम नहीं वो अपनी लुक को बदलने के लिए प्रोफेशनल्स की मदद लेते हैं, जिन्हें पर्सनल स्टाइलिस्ट कहा जाता है। आजकल की युवा पीढ़ी अपने कॅरियर को लेकर काफी जागरूक है। वो अपने कॅरियर का चुनाव बड़े ही सोच समझकर कर करते हैं। आप पर्सनल स्टाइलिस्ट बनने में भी अपने कॅरियर की शुरुआत कर सकते हैं। पर्सनल स्टाइलिस्ट का काम होता है लोगों का मेकओवर करना और लोगों के ड्रेसिंग सेंस को भी बढ़ाना।

फैशन जगत से रहें अपडेट

हर कॅरियर की शुरुआत करने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी होना बेहद जरूरी है। पर्सनल स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपको लोगों के मूड, फैशन के बदलते ट्रेंड , ड्रेसिंग सेंस के बारे में, इसके लिए आपको हर दिन की फैशन जगत की अपडेट रखनी होगी।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन, दिल्ली

योग्यता...

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए ज्यादा शिक्षा की तो नहीं बल्कि आपके पास डिग्री होनी जरूरी है और इस क्षेत्र में काम करने के लिए आप फैशन डिजाइनिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग और मार्केटिंग का कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप चाहें तो खुद का कारोबार भी शुरू कर सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगा, इसके अलावा आप फैशन, एंटरटेनमेंट, डिजाइनिंग वाले क्षेत्र में भी नौकरी पा सकते हैं।

गाड़ी के यूजर मैन्यूअल पर ध्यान दें...

गाड़ी खरीदना कोई बड़ी बात नहीं है, बड़ी बात यह है कि गाड़ी को अच्छी स्थिति में रखना। हम अक्सर कारों का इस्तेमाल लगभग हर दूसरे कामो में करते हैं लेकिन कभी इस बारे में ज्यादा नहीं सोचते कि कारों की देखभाल भी बड़े ही अच्छे और प्यार से करनी चाहिए। गाड़ी की अच्छी देखभाल करने का एक सबसे आसन और सरल उपाय है यूजर मैन्यूअल। आपकी गाड़ी से सम्बंधित हर छोटी बड़ी बातें इस यूजर मैन्यूअल में रहती हैं। हम ज्यादातर यूजर मैन्यूअल पढ़ते भी नहीं ढंग से, लेकिन अगर आप ध्यान दें तो आपको पता चलेगा कि कितनी काम की जानकारियां इस यूजर मैन्यूअल से हमें मिल सकती हैं। तो अगर आप खुद गाड़ी की देखभाल करना चाहते हैं और छोटी छोटी बातों के लिए गाड़ी को गैराज में नहीं ले जाना चाहते तो अपने गाड़ी के यूजर मैन्यूअल पर भी थोड़ा ध्यान दें।

ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की जांच

गाड़ी को स्थिर कर खड़ा करें एक स्तर पर, फिर पार्किंग ब्रेक लगाएं और इंजन शुरू करें।अपने ट्रांसमिशन शिफ्टर को पोजिशन(पार्किंग) में रखें। इंजन को वैसे ही रहने दें। ट्रांसमिशन डीप स्टिक निकले। डीप स्टिक को एक साफ कपड़े से या फिर टिशू पेपर से पोछ लें, इसके बाद फिर डीप स्टिक को वापस जगह पे डाल दें। डालने के बाद फिर से निकालें और फ्लूअड लेवल चेक कर लें। अगर इंजन बंद है तो ये कोल्ड मार्क तक रहेगा। अगर गाड़ी चली है और गर्म है तो हॉट मार्क पर रहेगा। फ्लूअड कोलोर का भी ध्यान रखें।अगर ज्यादा गंदा है और खराब गंध आ रही है तो ट्रांसमिशन सही काम नहीं कर रहा है। इसे साफ और पारदर्शी रहना चाहिए। आप अपने गाड़ी की मैन्यूअल देख लें की इसे कब बदलने की जरूरत है। गाड़ी को कोई समतल जगह खड़े करें, इंजन बंद कर दें, थोड़ी देर रूकें कि इंजन आयल अपने स्तर पर आ जाए। इंजन की डीप स्टिक निकालें। इसे अच्छी तरह किसी सूखे कपड़े या फिर टिशू पेपर से पोछ के फिर वापस जगह पर डाल दें। अब इस डीप स्टिक को फिर से निकालें और इंजन आयल लेवल चेक करें। आमतौर पे ये फुल मार्क तक रहेगा, लेकिन ये अगर फुल मार्क के कुछ ज्यादा ही नीचे है तो फिर आपको इंजन आयल बदलने की जरूरत है। यह भी देख लें अगर इंजन आयल में ज्यादा कालापन आ गया है या फिर ज्यादा गन्दा हो गया है तो इसे तुरंत बदल दें।

इंजन कूलन्ट की जांच

इंजन कूलन्ट के कम होने पर इंजन-ओवरहीट हो जाता जो की इंजन की एक बहुत ही बड़ी समस्या है। इंजन कूलन्ट का स्तर लो और फुल मार्क के बीच में रहना चाहिए। अगर आप बार बार कूलन्ट डाल रहे हैं फिर भी टैंक में सही मात्र में कूलन्ट नहीं है तो हो सकता है कि कूलन्ट लीक हो रही हो।

रेसिपी

मूंग दाल सीख कबाब

सामग्री

1 कप पीली मूंग दाल, 1 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 3 टेबल-स्पून कसा हुआ प्याज़, 2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/4 टी-स्पून गरम मसाला, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी-स्पून अधरक-लहसुन का पेस्ट, 2 टी-स्पून चाट मसाला, 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादअनुसार, चुपड़ने के लिए: घी

विधि

मूंग दाल को साफ करने के बाद और धोकर 1 कप पानी में दाल के नरम होने तक या सारा पानी सूख जाने तक उबाल लें। पकी हुई दाल को बचे हुए सामग्री के साथ अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 4 बराबर भाग में बांट लें और सीख (धातू के बने सीख) का प्रयोग कर, दाल मिश्रण के प्रत्येक भाग को उसमें फसांकर अपनी उंगलीयों से 100 मिमी (4) लंबे कबाब बना लें। हर एक कबाब पर थोड़ा तेल लगाएं और इन्हें कोयला या इलेक्ट्रिक बार्बेक्यू में उनके सभी तरफ सुनहरा होने तक पका लें (लगभग 3-4 मिनट के लिए)। हर एक कबाब के 2 टुकड़े काटकर गरमा गरम परोसें।

स्पिनॅच कोफ्तास्

सामग्री

कोफ्ते के लिए: 4 1/2 कप कटी हुई पालक, 4 ब्रेड स्लाईस, 1/2 कप चूरा किया हुआ पनीर, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 स्पून भुना हुआ बेसन, 1 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, तलने के लिए: तेल, **पेस्ट बनाने के लिए:** 1/2 कप कटे हुए प्याज, 2 स्पून कसा नारीयल, 7 लहसुन कलियां, 2 हरी मिर्च, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , 2 खड़ा धनिया, 1 स्पून ज़ीरा, 2 स्पून चीरोंजी, 2 स्पून खस-खस, 1 अदरक, 2 स्पून हरा धनिया, **ग्रेवी के लिए:** 2 कप टमाटर, 1 स्पून लाल मिर्च, 2 स्पून तेल, 1 स्पून शक्कर, नमक, 2 स्पून क्रीम

विधि

कोफ्ते के लिए: बर्तन भर पानी उबालें, पालक डालकर मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। छानकर, ठंडे पानी से धोकर रख दें। ब्रेड के किनारों को काटकर निकाल लें और चूरा कर लें। पालक और ब्रेड के चूरे के साथ सभी सामग्री को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 20 भाग में बांट ले और छोटे गोले बना लें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें, थोड़े-थोड़े कोफते डालकर सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें और एक तरफ रख दें। **ग्रेवी के लिए:** एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में 3 कप पानी उबालें और टमाटर डालकर मध्यम आंच पर 8 से 10 मिनट या टमाटर के नरम होने तक पका लें। हल्का ठंडा कर मिकसर में पीसकर मुलायम पल्प बना लें। एक तरफ रख दें। एक गहरी कढ़ाई या नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक भून लें। लाल मिर्च पाउडर, टमाटर का पल्प, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 3 से 4 मिनट तक पका लें। क्रीम डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। एक तरफ रख दें। परोसने के तुरंत पहले, ग्रेवी को दुबारा गरम कर लें। कोफ्ते डालकर हल्के हाथों मिला लें और धीमी आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**